MINI SO
Please visit store nearest to you at these locations :
IRRUMMANZIL (L&T MALL)
MOOSARAMBAGH (L&T MALL)
KOMPALLY (TNR PLAZA)

खबरें जो सोच बदल दे
शुभ लाभ
हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

MOU Holder and Distributors
RN METALS Pvt. Ltd
Distributors of SAIL & VSP products in Telangana
Stockist of MS Beams MS Channel, MS Angle, MS Plates, TMT Bars
A-23/5 & 6, APIE, BALANAGAR, HYD.-500 037
040-23774718, 040-23774719, 9160111471

Postal Regd.No. HQ/SD/523/2026-28 । गुरुवार, 17 सितंबर, 2026 । हैदराबाद और नई दिल्ली से प्रकाशित । Epaper : https://epaper.shubhlabhdaily.com । संपादक : गोपाल अग्रवाल । पृष्ठ : 10 । मूल्य-8 रु.। वर्ष-8 । अंक-256

# कोर्ट में UPI

## 2,000 से अधिक के चुनिंदा लेनदेन पर 0.4% शुल्क को चुनौती

**नई दिल्ली, 16 सितंबर (एजेंसियां)।** 2,000 से अधिक के चुनिंदा यूपीआई कारोबारी लेनदेन पर 0.4 प्रतिशत मर्चेंट डिस्काउंट रेट (व्यापारी छूट दर) लगाने का मामला सुप्रीम कोर्ट पहुंच गया है। अधिवक्ता अंजन दत्ता के माध्यम से दायर जनहित याचिका में केंद्र के 14 सितंबर के अधिसूचना और 15 सितंबर को घोषित नए शुल्क ढांचे को चुनौती देते हुए इसे रद्द करने या इसके क्रियान्वयन पर रोक लगाने की मांग की गई है। नया ढांचा 15 अक्टूबर 2026 से लागू होना है।

**2,000 की सीमा पर उठाए सवाल**

याचिका में आरोप लगाया गया है कि शुल्क लगाने, लेनदेन की सीमा तय करने, अलग-अलग क्षेत्रों के लिए दर निर्धारित करने और अधिकतम शुल्क तय करने के पीछे आवश्यक आंकड़े एवं आधार सार्वजनिक नहीं किए गए हैं। याचिकाकर्ता ने 2,000 और 2,001 के लेनदेन के बीच शुल्क के अंतर पर भी सवाल उठाते हुए कहा है कि इससे अचानक बड़ा अंतर पैदा होगा। याचिका में शुल्क ढांचा तैयार करने की प्रक्रिया, नियामकीय निगरानी और संबंधित निर्णयों के कानूनी आधार की जानकारी सार्वजनिक करने की मांग भी की गई है।

**नए ढांचे में 300 अधिकतम शुल्क**

नए प्रावधान के अनुसार 2,000 से अधिक के पात्र व्यक्ति-से-व्यापारी यूपीआई लेनदेन पर सामान्य तौर पर 0.4 प्रतिशत व्यापारी छूट दर लगेगी। 75,000 या उससे अधिक के लेनदेन पर अधिकतम शुल्क 300 रहेगा। व्यक्ति-से-व्यक्ति लेनदेन पर यह शुल्क लागू नहीं होगा। क्यूआर के माध्यम से महीने में 1 लाख तक प्राप्त करने वाले छोटे व्यापारियों को भी इस शुल्क से बाहर रखा गया है। रेलवे, दूरसंचार, बीमा, ईंधन जैसी कुछ श्रेणियों के लिए अलग दरें तय की गई हैं।

याचिकाकर्ता ने शुल्क से संबंधित सभी रिकॉर्ड, ढांचे का कानूनी आधार, यूपीआई एवं सेवा संचालन समिति के गठन और अधिकार, बैठकों के विवरण तथा शुल्क दर और अलग-अलग श्रेणियां तय करने के आधार की जानकारी मांगी है। याचिका में छोटे कारोबारियों पर संभावित प्रभाव का भी मुद्दा उठाया गया है।

**कांग्रेस सांसदों की मौजूदगी पर भाजपा का दावा**

यूपीआई शुल्क को लेकर केंद्र सरकार और कांग्रेस के बीच राजनीतिक विवाद भी बढ़ गया है। लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने प्रस्तावित शुल्क को यूपी आई कर' बताते हुए इसका विरोध किया और इसे वापस लेने की मांग की है। इसके जवाब में सरकारी सूत्रों और भाजपा ने संसद की वित्त संबंधी स्थायी समिति की रिपोर्ट का हवाला देते हुए कांग्रेस पर दोहरे रवैये का आरोप लगाया है।

एक वरिष्ठ सरकारी अधिकारी के अनुसार समिति ने यूपीआई के लिए टिकाऊ आय व्यवस्था और स्तरीय व्यापारी छूट दर तैयार करने की जरूरत बताई थी। अधिकारी ने दावा किया कि 12 अगस्त को समिति की रिपोर्ट स्वीकार किए जाने के समय कांग्रेस के पांच सांसदपी. चिदंबरम, मनीष तिवारी, गौरव गोगोई, किशोरी लाल और के. गोपीनाथमौजूद थे और उन्होंने कोई आपत्ति दर्ज नहीं कराई। हालांकि, इस दावे पर कांग्रेस की ओर से तत्काल कोई आधिकारिक प्रतिक्रिया नहीं आई थी।

**समिति ने टिकाऊ आय मॉडल की जरूरत बताई थी**

वित्त संबंधी स्थायी समिति ने यूपीआई के लिए दीर्घकालिक और टिकाऊ आय मॉडल की जरूरत पर जोर दिया था। रिपोर्ट में सरकार के शून्य व्यापारी छूट दर मॉडल को बनाए रखने के लिए दिए जा रहे प्रोत्साहन पर भी चिंता जताई गई थी। समिति के अनुसार 2026-27 के लिए करीब 2,000 करोड़ का बजटीय प्रावधान था, जबकि उद्योग की अनुमानित परिचालन लागत करीब 20,700 करोड़ बताई गई थी। समिति ने कहा था कि इस अंतर के कारण भुगतान सेवा प्रदाता सरकारी सहायता पर अधिक निर्भर रहते हैं, जिसका असर साइबर सुरक्षा, धोखाधड़ी रोकने और भुगतान नेटवर्क के बुनियादी ढांचे में निवेश पर पड़ सकता है। ▶8पर

### झीरम घाटी कांड

# 10 दोषियों को मृत्युदंड

**रायपुर, 16 सितंबर (एजेंसियां)।** छत्तीसगढ़ के बहुचर्चित झीरम घाटी माओवादी हमले के करीब 13 साल बाद जगदलपुर की विशेष राष्ट्रीय अन्वेषण अभिकरण अदालत ने बुधवार को दो महिलाओं सहित सभी 10 दोषियों को मृत्युदंड की सजा सुनाई। अदालत ने पांच सितंबर को सभी 10 आरोपियों को दोषी करार दिया था। अभियोजन पक्ष ने मृत्युदंड की मांग की थी, जबकि बचाव पक्ष ने सजा कम करने का आग्रह किया था। मृत्युदंड के क्रियान्वयन के लिए उच्च न्यायालय की पुष्टि आवश्यक होगी और दोषियों के पास 30 दिन में अपील का विकल्प है। अदालत ने प्रमिला मोडियम, चैतू लेकाम उर्फ मुन्ना, सुमित्रा उर्फ सुमित्रा पुनेम मोडियम, मुक्का मांडवी, कोसा कवासी उर्फ कोसाराम, आयता मरकाम, मदकामी देवा, जोगा मदकामी, बनजामी सन्ना उर्फ चमरू उर्फ डेंगा और महादेव नाग को मृत्युदंड सुनाया।

**25 मई 2013 को हुआ था हमला**

झीरम घाटी में 25 मई 2013 को कांग्रेस की परिवर्तन यात्रा के काफिले पर माओवादियों ने घात लगाकर हमला किया था। हमले में तत्कालीन प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष नंदकुमार पटेल, उनके पुत्र दिनेश पटेल, महेंद्र कर्मा और उदय मुदलियार सहित कांग्रेस के कई नेता मारे गए। पूर्व केंद्रीय मंत्री विद्याचरण शुक्ल गंभीर रूप से घायल हुए और बाद में उनका निधन हो गया। हमले में कुल 29 लोगों की मौत हुई थी।

**सरकार ने बताया न्याय की जीत, कांग्रेस ने उठाए सवाल**

फैसले के बाद मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय और भाजपा ने इसे न्याय की जीत बताते हुए राष्ट्रीय अन्वेषण अभिकरण की जांच की सराहना की। मुख्यमंत्री ने कहा कि 10 माओवादियों को मृत्युदंड की सजा न्याय की जीत है और यह आतंक को वैचारिक समर्थन देने वालों के लिए

स्पष्ट संदेश है। उपमुख्यमंत्री अरुण साव ने फैसले का स्वागत करते हुए कहा कि राष्ट्रीय अन्वेषण अभिकरण ने मामले की जांच सही दिशा में की और यह फैसला ऐतिहासिक है।

प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष दीपक बैज ने अदालत के फैसले का सम्मान करते हुए जांच की दिशा पर सवाल उठाए। उन्होंने कहा कि अदालत ने उसके सामने रखे साक्ष्यों के आधार पर फैसला दिया है, लेकिन कांग्रेस राष्ट्रीय अन्वेषण अभिकरण की जांच को लेकर अपनी पूर्व की राय पर कायम है। उनके अनुसार हमले की योजना बनाने वाले कथित बड़े नक्सली नेताओं और षड्यंत्रकारियों तक जांच नहीं पहुंची। उन्होंने सवाल उठाया कि इतनी बड़ी घटना शीर्ष नक्सली नेतृत्व की भूमिका के बिना कैसे संभव थी और बड़ी संख्या में संलिप्तता सामने आने के बावजूद केवल 10 लोगों के खिलाफ दोष सिद्ध क्यों हुआ।

**बड़े षड्यंत्रकारियों तक जांच पहुंचने पर सवाल**

बैज ने कहा कि शुरुआती जांच में गणपति और रमन्ना समेत कई बड़े नक्सली नेताओं के नाम सामने आए थे और उनके खिलाफ गिरफ्तारी वारंट भी जारी हुए थे, लेकिन बाद की आरोप-पत्र में कुछ नाम शामिल नहीं किए गए। उन्होंने इसकी वजह सार्वजनिक करने की मांग की। ▶8पर

# भारत-पाक युद्धपोतों की टक्कर

## दिल्ली में पाक राजनयिक तलब, दोनों देशों ने दर्ज कराया विरोध

**नई दिल्ली, 16 सितंबर (एजेंसियां)।** उत्तरी अरब सागर में मंगलवार शाम भारतीय नौसेना के एक युद्धपोत और पाकिस्तान नौसेना के जहाज पीएनएस हुनैन के बीच टक्कर हो गई। भारतीय पक्ष के अनुसार, भारतीय युद्धपोत नियमित निगरानी अभियान पर था, तभी पाकिस्तानी जहाज तेज गति से उसके करीब आया और असुरक्षित तरीके से दिशा बदलने के दौरान टकराव हुआ। भारतीय युद्धपोत को कोई संरचनात्मक नुकसान या जनहानि नहीं हुई, जबकि पीएनएस हुनैन को नुकसान पहुंचने की खबर है।

**पाक राजनयिक तलब, भारत का कड़ा विरोध**

घटना के बाद भारत ने नई दिल्ली में पाकिस्तान उच्चायोग के प्रभारी अधिकारी को विदेश मंत्रालय में तलब कर कड़ा विरोध दर्ज कराया। भारत ने पाकिस्तानी नौसैनिक इकाइयों के व्यवहार को अस्वीकार्य और गैर-पेशेवर बताया तथा दोनों देशों के बीच लागू संबंधित समझौतों और समुद्री सुरक्षा प्रावधानों का पालन करने की आवश्यकता पर जोर दिया। भारत ने इस्लामाबाद स्थित अपने प्रभारी अधिकारी को भी पाकिस्तान के विदेश मंत्रालय के समक्ष समान विरोध दर्ज कराने को कहा।

**पाक ने भारत पर लगाया अलग आरोप**

पाकिस्तान के विदेश मंत्रालय ने भी भारतीय राजनयिक को तलब कर विरोध दर्ज कराया। पाकिस्तान का दावा है कि घटना उसके विशेष आर्थिक क्षेत्र में नौसैनिक अभ्यास के दौरान हुई और भारतीय जहाज ने पाकिस्तानी नौसैनिक जहाज के बेहद करीब आकर कथित रूप से आक्रामक तरीके से दिशा बदली। पाकिस्तान ने इसे 1991 के द्विपक्षीय समझौते और अंतरराष्ट्रीय कानून का उल्लंघन बताया।

**2011 में भी हुई थी ऐसी घटना**

भारत और पाकिस्तान के नौसैनिक जहाजों के बीच समुद्र में टक्कर की घटना इससे पहले 2011 में भी हुई थी। 16 जून 2011 को अदन की खाड़ी में पाकिस्तानी जहाज पीएनएस बाबर और भारतीय युद्धपोत आईएनएस गोदावरी के बीच संपर्क हुआ था। उस समय भारतीय जहाज सोमाली समुद्री लुटेरों से मुक्त कराए गए मिस्र के स्वामित्व वाले व्यापारी जहाज एमवी सुएज को सुरक्षित ले जा रहा था। घटना में आईएनएस गोदावरी का हेलीकॉप्टर जाल क्षतिग्रस्त हुआ था।

भारत और पाकिस्तान के बीच 1991 में सैन्य अभ्यास, युद्धाभ्यास और सैन्य गतिविधियों की पूर्व सूचना से संबंधित समझौता हुआ था। ▶8पर

### तीन साल बाद फेड ने बढ़ाई ब्याज दर

# डॉलर-रुपये और शेयर बाज़ार पर सबकी नज़र

**वॉशिंगटन, 16 सितंबर (एजेंसियां)।** अमेरिकी फेडरल रिजर्व ने बुधवार को ब्याज दरों में 25 आधार अंक की बढ़ोतरी कर दी। यह 2023 के बाद पहली बार है, जब अमेरिकी केंद्रीय बैंक ने दरें बढ़ाई हैं। फैसले के बाद फेड की बेंचमार्क ब्याज दर 3.75 से 4 प्रतिशत की सीमा में पहुंच गई है। फेडरल ओपन मार्केट कमेटी की 15-16 सितंबर को हुई दो दिवसीय बैठक के बाद यह फैसला लिया गया।

**महंगाई ने बढ़ाई फेड की चिंता**

फेड का यह फैसला ऐसे समय आया है, जब अमेरिका में महंगाई अब भी उसके 2 प्रतिशत लक्ष्य से ऊपर है। ऊर्जा कीमतों, आयात शुल्क और मजबूत घरेलू मांग से कीमतों पर दबाव बना हुआ है। फेड चेयरमैन केविन वॉर्श ने कहा कि महंगाई अभी भी ऊंची और लगातार बनी हुई है तथा केंद्रीय बैंक का मुख्य ध्यान इसे नियंत्रित करने पर है।

**वॉर्श के लिए पहला बड़ा फैसला**

यह फेड चेयरमैन केविन वॉर्श की अध्यक्षता में हुआ पहला बड़ा ब्याज दर फैसला है। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप लंबे समय से कम ब्याज दरों के पक्ष में रहे हैं, जबकि फेड ने महंगाई को देखते हुए दर बढ़ाने का फैसला किया है। रॉयटर्स के अनुसार, बैठक में दर बढ़ाने का फैसला सर्वसम्मति से हुआ।

**आगे भी बढ़ सकती है दर**

फेड के सितंबर के अनुमान में इस वर्ष एक और 25 आधार अंक की बढ़ोतरी का संकेत दिया गया है। हालांकि, आगे के फैसले महंगाई, रोजगार, ऊर्जा कीमतों और आर्थिक गतिविधियों के आंकड़ों पर निर्भर करेंगे। रॉयटर्स के अनुसार, ज्यादातर नीति-निर्माताओं ने इस वर्ष कम से कम एक और दर बढ़ोतरी का अनुमान जताया है।

**भारत पर भी पड़ेगा असर**

अमेरिकी ब्याज दर बढ़ने से डॉलर आधारित परिसंपत्तियां निवेशकों के लिए अधिक आकर्षक हो सकती हैं। इससे उभरते बाजारों में विदेशी पूंजी के प्रवाह पर असर पड़ सकता है और भारतीय रुपये पर दबाव बढ़ने की संभावना रहती है। इसके अलावा अमेरिकी बांड प्रतिफल और डॉलर में होने वाले बदलाव का असर भारतीय वित्तीय बाजारों पर भी देखने को मिल सकता है।

**शेयर बाजार की नजर अगले कदम पर**

फेड के फैसले के बाद वैश्विक बाजारों की नजर अब केंद्रीय बैंक के अगले संकेतों और आने वाले महंगाई के आंकड़ों पर रहेगी। अमेरिकी बांड प्रतिफल और डॉलर में बदलाव भारतीय शेयर बाजार के लिए भी महत्वपूर्ण होंगे। बैंकिंग, सूचना प्रौद्योगिकी, धातु और वैश्विक कारोबार से जुड़ी कंपनियों के शेयरों पर इसका असर देखने को मिल सकता है।

### कार्टून कॉर्नर

**मौसम हैदराबाद**

अधिकतम : 30⁰
न्यूनतम : 23⁰

### ब्रिक्स सम्मेलन के दौरान पाकिस्तान की घुसपैठ की साजिश का दावा

# हीरानगर से हमले की थी तैयारी

**नई दिल्ली, 16 सितंबर (एजेंसियां)।** भारत में 12-13 सितंबर को आयोजित ब्रिक्स शिखर सम्मेलन के दौरान जम्मू-कश्मीर के कठुआ जिले के हीरानगर सेक्टर से घुसपैठ कराकर बड़ी आतंकी घटना को अंजाम देने की कथित साजिश का खुलासा हुआ है। एबीपी न्यूज की रिपोर्ट के अनुसार, पाकिस्तान और उसकी खुफिया एजेंसी आईएसआई ने अंतरराष्ट्रीय सीमा के पास से आतंकियों को भारत में भेजने की योजना बनाई थी। हालांकि, सुरक्षा एजेंसियों को इसकी भनक पहले ही लग गई और सीमा सुरक्षा बल, सेना तथा जम्मू-कश्मीर पुलिस ने इलाके में सुरक्षा बढ़ाकर कथित मंसूबे को नाकाम कर दिया।

रिपोर्ट के अनुसार, पाकिस्तान ने घुसपैठ के लिए कठुआ के हीरानगर सेक्टर के बोबिया इलाके को चुना था। सूत्रों के हवाले से बताया गया है कि अंतरराष्ट्रीय सीमा के दूसरी ओर अमरुचक और सुखमल इलाकों से घुसपैठ कराने की योजना थी। सुखमल क्षेत्र में कथित तौर पर एक बड़ा लॉन्च पैड मौजूद होने की बात कही गई है, जबकि अमरुचक में आबादी की आड़ लेकर आतंकियों को भारतीय क्षेत्र में भेजने की योजना होने का दावा किया गया है।

**जम्मू-पठानकोट राजमार्ग तक पहुंचने की योजना**

सूत्रों के अनुसार, यदि घुसपैठ सफल हो जाती तो आतंकी हीरानगर क्षेत्र से आगे बढ़कर जम्मू-पठानकोट राष्ट्रीय राजमार्ग तक पहुंच सकते थे। इसके बाद सरकारी इमारतों, सैन्य प्रतिष्ठानों या आम नागरिकों को निशाना बनाए जाने की आशंका जताई गई थी। रिपोर्ट में यह भी दावा किया गया है कि कथित साजिश का उद्देश्य ब्रिक्स सम्मेलन के दौरान भारत में किसी बड़ी घटना को अंजाम देकर अंतरराष्ट्रीय स्तर पर सुर्खियां बटोरना था।

# सीमा संयुक्त आयोग को भारत ने खारिज किया

**नई दिल्ली, 16 सितंबर (एजेंसियां)।** भारत ने पाकिस्तान और चीन द्वारा गठित तथाकथित संयुक्त सीमा आयोग को बुधवार को खारिज करते हुए कहा कि इसका कोई कानूनी आधार नहीं है। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने कहा कि इस मुद्दे पर भारत का रुख स्पष्ट और लगातार एक जैसा रहा है। भारत पाकिस्तान और चीन के बीच ऐसे किसी संयुक्त आयोग को स्वीकार नहीं करता।

**जम्मू-कश्मीर और लद्दाख पर रुख स्पष्ट**

विदेश मंत्रालय ने कहा कि जम्मू-कश्मीर और लद्दाख के पूरे केंद्र शासित प्रदेश भारत के अभिन्न और अविभाज्य हिस्से हैं। भारत के अनुसार, पाकिस्तान को भारतीय क्षेत्र से जुड़े किसी भी मामले में समझौता करने का अधिकार नहीं है और वह इन क्षेत्रों के एक हिस्से पर अवैध एवं जबरन कब्जा किए हुए है। इसलिए कब्जे वाले भारतीय

क्षेत्रों से संबंधित किसी भी व्यवस्था को भारत स्वीकार नहीं करेगा।

**1963 के समझौते को भी नहीं दी मान्यता**

जायसवाल ने कहा कि भारत ने 1963 के तथाकथित चीन-पाकिस्तान सीमा समझौते को कभी मान्यता नहीं दी और लगातार इसे अवैध तथा अमान्य मानता रहा है। भारत ने कब्जे वाले क्षेत्रों की स्थिति बदलने अथवा अवैध कब्जे को वैध ठहराने की किसी भी कोशिश का विरोध किया है। ▶8पर

खबरें जो सोच बदल दें शुभ लाभ

# ईरान से तनाव के बीच जर्मनी में हुई 8 देशों के सैन्य प्रमुखों की बैठक, सेंटकाम ने की मेजबानी

**वाशिंगटन**

अमेरिकी सेंट्रल कमांड (सेंटकाम) ने पिछले सप्ताह जर्मनी में एक बैठक के दौरान आठ देशों के वरिष्ठ सैन्य अधिकारियों की मेज़बानी की। एक अमेरिकी अधिकारी ने अनादोलु को बताया कि बैठक का मुख्य उद्देश्य मध्य पूर्व में सुरक्षा सहयोग बढ़ाने के अवसरों पर चर्चा करना था।

अधिकारी ने नाम न बताने की शर्त पर जानकारी देते हुए कहा कि बैठक में क्षेत्रीय सुरक्षा सहयोग को मजबूत करने के संभावित तरीकों पर विचार किया गया। हालांकि, उन्होंने इसमें शामिल देशों और चर्चा किए गए विशिष्ट मुद्दों की जानकारी देने से इनकार कर दिया।

तुर्किए की सरकारी समाचार एजेंसी अनाडोलू के मुताबिक, अमेरिकी समाचार आउटलेट एक्सियोस ने दो इज़राइली अधिकारियों के हवाले से दावा किया कि बैठक में इज़राइल, सऊदी अरब, संयुक्त अरब अमीरात (यूएई), बहरीन, कुवैत, कतर, जार्डन और मिस्र के सैन्य प्रमुख शामिल हुए थे। हालांकि, अमेरिकी अधिकारी ने इन देशों की भागीदारी की स्वतंत्र रूप से पुष्टि नहीं की।

एक्सियोस की रिपोर्ट के मुताबिक, सेंटकाम प्रमुख जनरल ब्रैड कूपर ने बैठक में मौजूद अधिकारियों को बताया कि ईरानी हमलों के बावजूद अमेरिकी सेना मध्य पूर्व से अपनी सैन्य मौजूदगी कम नहीं करेगी। रिपोर्ट में यह भी कहा गया है कि कूपर ने प्रतिभागियों को होर्मुज जलडमरूमध्य से जहाज़ों की आवाजाही बढ़ाने की अमेरिकी योजनाओं की जानकारी दी। यह जलमार्ग वैश्विक ऊर्जा आपूर्ति के लिए रणनीतिक रूप से बेहद महत्वपूर्ण माना जाता है।

यह बैठक ऐसे समय हुई है जब होर्मुज जलडमरूमध्य को लेकर ईरान और अमेरिका के बीच तनाव बढ़ा हुआ है। जून में दोनों पक्षों के बीच एक समझौते से जुड़े मेमोरेंडम पर हस्ताक्षर होने की बात सामने आई थी, जिसमें इस रणनीतिक जलमार्ग को फिर से खोलने की योजना का उल्लेख था। इसी दौरान क्षेत्र में हूथी बलों की गतिविधियां भी बढ़ने की खबरें सामने आईं। रिपोर्टों के अनुसार, सऊदी अरब पर हमले तेज हुए और बाब अल-मंदेब जलडमरूमध्य को लेकर भी सुरक्षा चिंताएं बढ़ीं। फरवरी में अमेरिका और इज़राइल ने ईरान के खिलाफ बड़े पैमाने पर सैन्य अभियान चलाया था। हमलों में सरकारी इमारतों, सैन्य ठिकानों, मिसाइल ढांचे और एयर डिफेंस सिस्टम को निशाना बनाए जाने की जानकारी सामने आई थी। इसके जवाब में ईरान ने इज़राइल और क्षेत्र में मौजूद अमेरिकी सैन्य ठिकानों पर मिसाइल तथा ड्रोन हमले किए। इसके बाद संघर्ष का असर मध्य पूर्व के अन्य हिस्सों में भी देखने को मिला। इस पृष्ठभूमि में जर्मनी में हुई सेंटकाम की बैठक को क्षेत्रीय सैन्य सहयोग और सुरक्षा समन्वय के लिहाज से महत्वपूर्ण माना जा रहा है।

## न्यूज़ ब्रीफ

### नेपाल में मातृत्व अवकाश 90 दिन से बढ़ाकर 6 महीने करने की तैयारी, पिता को 42 दिन की छुट्टी का प्रस्ताव

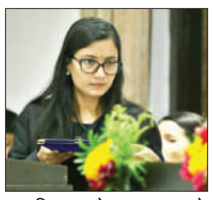

**काठमांडू।** नेपाल सरकार मातृत्व और पितृत्व अवकाश की अवधि बढ़ाने की तैयारी कर रही है। प्रस्ताव के अनुसार, माताओं को मिलने वाले मौजूदा 90 दिनों के मातृत्व अवकाश को बढ़ाकर 6 महीने किया जाएगा। वहीं, पिता के लिए वर्तमान 15 दिनों के अवकाश को बढ़ाकर 42 दिन करने का प्रस्ताव है। कानून, न्याय एवं संसदीय मामलों की मंत्री सोविता गौतम के अनुसार, सुरक्षित मातृत्व तथा प्रजनन स्वास्थ्य अधिकार अधिनियम, 2018 में संशोधन के लिए विधेयक तैयार कर लिया गया है। अब मंत्रालय इसे मंत्रिपरिषद के माध्यम से संसद में पेश करने की तैयारी कर रहा है। प्रस्तावित विधेयक में मां को कम से कम 6 महीने का वेतन सहित मातृत्व अवकाश और पिता को 42 दिनों तक वेतन सहित प्रसूति देखभाल अवकाश देने का प्रावधान किया गया है। मंत्री ने कहा कि सुरक्षित मातृत्व और अभिभावकत्व के संदर्भ में यह एक महत्वपूर्ण नीतिगत बदलाव होगा। मंत्रालय के अनुसार, व्यस्त जीवन, काम के बढ़ते दबाव और बदलती जीवनशैली के कारण अधिकांश परिवार अब एक या दो बच्चों तक ही सीमित हो रहे हैं। ऐसे में माता-पिता को नवजात शिशु और परिवार के साथ पर्याप्त समय देने के उद्देश्य से यह प्रस्ताव लाया गया है। मंत्री सोविता गौतम ने कहा कि मातृत्व जीवन में एक या दो बार आने वाला विशेष समय है और इस दौरान माता-पिता को अपने नवजात बच्चे तथा परिवार के लिए पर्याप्त समय उपलब्ध कराना राज्य की जिम्मेदारी भी है। उन्होंने कहा कि बच्चे को जन्म देना मां से जुड़ी प्राकृतिक प्रक्रिया है, लेकिन बच्चे का पालन-पोषण केवल मां की जिम्मेदारी नहीं, बल्कि माता-पिता की साझा जिम्मेदारी है।

### दिव्यांग बेटे के लिए 80,000 प्लास्टिक बोतलों से बना आशियाना

**ढाका।** प्लास्टिक की खाली बोतलें, जिन्हें अक्सर कूड़ा मानकर फेंक दिया जाता है, वही बांग्लादेश के एक दंपति के लिए न केवल एक घर बनाने का माध्यम बनीं, बल्कि पर्यावरण संरक्षण का एक अनूठा उदाहरण भी बन गईं। लालमोनिरहाट जिले के एक दूरदराज गांव में राशेदुल आलम और असमा खातून ने लगभग 80 हजार प्लास्टिक की बोतलों का इस्तेमाल कर 1700 वर्ग फुट का एक विशाल घर बनाया है। उनके इस असाधारण कदम का मुख्य उद्देश्य अपने दिव्यांग बेटे के लिए एक सुरक्षित और अलग तरह का आशियाना तैयार करना था, साथ ही यह संदेश देना भी था कि प्लास्टिक कचरे का रचनात्मक इस्तेमाल कैसे किया जा सकता है। 2017 में निर्मित यह घर आज भी प्लास्टिक प्रदूषण की समस्या से निपटने और टिकाऊ निर्माण के तरीके सिखाने का एक जीवंत प्रतीक है। राशेदुल और असमा, दोनों पर्यावरण विज्ञान के छात्र रहे हैं। अपने दिव्यांग बेटे के लिए एक ऐसे घर की कल्पना की जो न केवल कार्यात्मक हो, बल्कि पर्यावरण के प्रति संवेदनशील भी हो। उनकी यह पहल बांग्लादेश में अपनी तरह की पहली थी। बांग्लादेश यूनिवर्सिटी आफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलाजी के आर्किटेक्चर विभाग के एक एसोसिएट प्रोफेसर ने भी इसे पर्यावरणीय दृष्टिकोण से एक अभिनव और सराहनीय प्रयास बताया, जो पारंपरिक निर्माण सामग्री पर निर्भरता को कम करता है। इस अनूठी परियोजना को साकार करने के लिए दंपति ने हजारों प्लास्टिक बोतलों में रेत भरी। ये रेत भरी बोतलें ही उनकी दीवारों की मूल इकाई बनीं।

### अमेरिकी विदाई के बाद इराकः मिलिशिया की चुनौती और अनिश्चित भविष्य

**वाशिंगटन।** अमेरिका इराक में अपनी 23 साल पुरानी सैन्य मौजूदगी का अंत करने वाला है। 30 सितंबर तक उत्तरी कुर्दिस्तान क्षेत्र से बचे सैकड़ों अमेरिकी सैनिक पूरी तरह देश छोड़ देने वाले हैं, और इराक में लगे एयर डिफेंस सिस्टम भी हटाए जो रहे हैं। 2003 में सद्दाम हुसैन को सत्ता से हटाने के लिए अमेरिकी आक्रमण के बाद से इराक में उसकी सैन्य उपस्थिति बनी हुई थी, जो 2011 में वापसी के बावजूद 2014 में इस्लामिक स्टेट (आईएसआईएस) के उभरने के कारण फिर से स्थापित हुई। अब जबकि आईएसआईएस सिर्फ बिखरे स्लीपर सेल्स तक सीमित रह गया है, अमेरिका इराक से अपना बोरिया बिस्तर समेट रहा है। लेकिन वापसी ने इराक में एक बड़ी चुनौती खड़ी की है। ईरान समर्थित शक्तिशाली बागी मिलिशिया ने साफ चेतावनी दी है कि उनके हमले जारी रहने वाले हैं। इराकी सरकार ने अमेरिकी सैनिकों के जाने को इन गैर-सरकारी समूहों के निरस्त्रीकरण से जोड़ा है। हालांकि, कतैब हिज़बुल्लाह, हरकत अल-नुजाबा और कतैब सय्यिद अल-शुहदा जैसे सबसे शक्तिशाली ईरान समर्थित संगठन हथियार छोड़ने को तैयार नहीं हैं।

# बांग्लादेश : डीयूसीएसयू विवि में जिन्ना की तस्वीर लगाने को लेकर छात्रों ने किया विरोध प्रदर्शन

**ढाका**

ढाका यूनिवर्सिटी सेंट्रल स्टूडेंट्स यूनियन (डीयूसीएसयू) के नवीनीकृत म्यूज़ियम/आर्काइव में पाकिस्तान के संस्थापक मुहम्मद अली जिन्ना की तस्वीरें लगाए जाने को लेकर विवाद बढ़ गया है। तस्वीरों के प्रदर्शन का छात्र संगठनों ने विरोध किया। विरोध के दौरान जिन्ना की एक तस्वीर और उनसे संबंधित अखबार की क्लिपिंग को फाड़कर नष्ट कर दिया गया। इसके बाद बांग्लादेश छात्र फेडरेशन के कार्यकर्ताओं ने उसी स्थान पर जमात-ए-इस्लामी के पूर्व अमीर गुलाम आज़म की 1981 में पिटाई की तस्वीर लगा दी।

डीयूसीएसयू ने रिनोवेशन के बाद म्यूज़ियम को दोबारा खोला था। इसमें जिन्ना से संबंधित तीन नई सामग्री शामिल की गई थीं। इनमें 21 मार्च 1948 को ढाका के रेसकोर्स मैदान में जिन्ना के भाषण की तस्वीर, 1940 के लाहौर अधिवेशन की तस्वीर और 1970 के चुनाव से संबंधित डान अखबार की क्लिपिंग शामिल थी। 1948 के भाषण में जिन्ना ने उर्दू को पाकिस्तान की एकमात्र राजभाषा बनाने की घोषणा की थी।

म्यूज़ियम में बंगबंधु शेख मुजीबुर रहमान की कोई अलग या प्रमुख तस्वीर नहीं रखी गई थी। हालांकि, उनके बेटों की 1974 की शादियों से संबंधित एक तस्वीर और शेख मुजीब पर प्रकाशित तीन अखबारी क्लिपिंग प्रदर्शनी में मौजूद थीं।

ढाका यूनिवर्सिटी के उर्दू विभाग के छात्र मोहम्मद अबू तैयब, जिन्हें हबिलडर के नाम से भी जाना जाता है, म्यूज़ियम पहुंचे और जिन्ना की एक तस्वीर को फ्रेम से निकालकर नष्ट कर दिया। उन्होंने सवाल उठाया कि क्या डीयूसीएसयू के घोषणापत्र में जिन्ना को नायक के तौर पर प्रस्तुत करने की बात कही गई थी और भाषा आंदोलन तथा 1971 के मुक्ति संग्राम के इतिहास का हवाला दिया।

बांग्लादेश छात्र फेडरेशन की ढाका यूनिवर्सिटी इकाई के कार्यकर्ताओं ने जिन्ना की तस्वीर वाली जगह पर गुलाम आज़म की 1981 में बैतुल मुकर्रम के बाहर पिटाई की तस्वीर लगा दी।

फेडरेशन के आयोजन सचिव अर्को बरुआ ने कहा कि डीयूसीएसयू किसी एक व्यक्ति की निजी संपत्ति नहीं है और इतिहास को एकतरफा तरीके से प्रस्तुत नहीं किया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि जिस तरह डीयूसीएसयू की लिबरेशन वार एंड डेमोक्रेटिक मूवमेंट अफेयर्स की सचिव फातिमा तस्नीम ज़ुमा ने अपनी इच्छा के अनुसार जिन्ना की तस्वीर लगाई, उसी तरह उन्होंने गुलाम आज़म की तस्वीर लगाई।

डीयूसीएसयू की लिबरेशन वार एंड डेमोक्रेटिक मूवमेंट अफेयर्स की सचिव फातिमा तस्नीम ज़ुमा ने कहा कि जिन्ना की तस्वीरें उन्हें सम्मान देने के लिए नहीं लगाई गई थीं। उनके अनुसार, तस्वीरें 1905 से 1971 तक ढाका यूनिवर्सिटी के इतिहास को समझाने के उद्देश्य से जानकारीपूर्ण कैप्शन के साथ प्रदर्शित की गई थीं।

डीयूसीएसयू के महासचिव एसएम फरहाद ने भी इसी तर्क का समर्थन करते हुए कहा कि जिन्ना के 1948 के भाषण को शामिल करने का उद्देश्य उनके बांग्लादेश-विरोधी रुख को दिखाना था, न कि उसका महिमामंडन करना। उनका कहना था कि इतिहास के किसी हिस्से को छिपाने से उसे समझने में मदद नहीं मिलेगी।

बांग्लादेश जातीयतावादी छात्र दल (जेसीडी) ने भी जिन्ना की तस्वीर लगाए जाने का विरोध किया। संगठन ने आरोप लगाया कि इस तरह का प्रदर्शन भाषा आंदोलन और मुक्ति संग्राम के इतिहास के अनुरूप नहीं है। संगठन ने तस्वीर हटाने और डीयूसीएसयू को किसी विशेष राजनीतिक विचारधारा के प्रचार का मंच नहीं बनाने की मांग की।

बांग्लादेश छात्र संघ के एक गुट ने भी जिन्ना की तस्वीरों पर आपत्ति जताते हुए शेख मुजीबुर रहमान की तस्वीर को दोबारा प्रदर्शित करने की मांग की। संगठन ने कहा कि मुक्ति संग्राम के प्रमुख नेता की तस्वीर हटाना इतिहास की प्रस्तुति को प्रभावित करता है।

विवाद के बीच ढाका यूनिवर्सिटी प्रशासन ने कहा कि डीयूसीएसयू की हाल की कई गतिविधियां विश्वविद्यालय के नियमों और प्रशासनिक ढांचे के अनुरूप नहीं थीं।

प्रशासन के मुताबिक, इनमें विश्वविद्यालय के सिंडिकेट या कुलपति की मंजूरी के बिना डीयूसीएसयू भवन के पास निर्भीक जुलाई स्मारक स्थापित करना, म्यूज़ियम में जिन्ना और पूर्व छात्र नेता अब्दुल मलिक की तस्वीरें प्रदर्शित करना तथा शिक्षकों के मूल्यांकन के लिए एक अलग वेबसाइट शुरू करना शामिल है।

विश्वविद्यालय ने कहा कि डीयूसीएसयू छात्रों का महत्वपूर्ण प्रतिनिधि निकाय है, लेकिन उसे विश्वविद्यालय के मौजूदा कानूनों, नियमों, नीतियों और प्रशासनिक व्यवस्था के तहत ही काम करना होगा। प्रशासन ने किसी भी तरह का समानांतर प्रशासनिक ढांचा बनाने के प्रयास का विरोध करने और नियमों के उल्लंघन पर कार्रवाई की चेतावनी दी। कुलपति डा. एबीएम ओबैदुल इस्लाम ने भी कहा कि डीयूसीएसयू ने विश्वविद्यालय के नियमों के खिलाफ काम किया है। इस बीच, जिन्ना की तस्वीरें नष्ट किए जाने के बाद यूनिवर्सिटी टीचर्स नेटवर्क के सदस्यों ने भी डीयूसीएसयू आर्काइव का दौरा किया। दूसरी ओर, बांग्लादेश स्टूडेंट्स यूनियन के विभिन्न गुटों ने अलग-अलग बयानों में जिन्ना की तस्वीरें प्रदर्शित किए जाने पर आपत्ति जताई और म्यूज़ियम में इतिहास की प्रस्तुति को लेकर अपनी मांगें रखीं।

# नेपाल : बाढ़ के 21वें दिन भी तलाश जारी, 1,399 शव मिले 5,179 लोग अब भी लापता

**काठमांडू**

नेपाल में गत 26 अगस्त को आई विनाशकारी बाढ़ के 21वें दिन भी खोज और राहत अभियान जारी है। राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण के अनुसार अब तक 1,399 लोगों के शव बरामद किए जा चुके हैं, जबकि 5,179 लोग अभी भी लापता हैं।

करीब 21 हजार सुरक्षाकर्मी अब भी खोज, बचाव और राहत कार्यों में जुटे हैं। जलविद्युत परियोजनाओं की सुरंगों, नदी के किनारों, आसपास के जंगलों और बाढ़ से क्षतिग्रस्त मकानों में तलाशी अभियान चलाया जा रहा है। नेपाली सेना के प्रवक्ता राजाराम बस्नेत के अनुसार सेना के करीब 8,900 जवान सीधे खोज, बचाव और समन्वय कार्यों में तैनात हैं।

सशस्त्र पुलिस के करीब 5,000 जवान भी अभियान में शामिल हैं। इनके द्वारा बचाव अभियान चलाने के साथ ड्रोन का भी इस्तेमाल किया जा रहा है। नेपाल पुलिस के करीब 8,000 जवान भी खोज और बचाव कार्य में लगाए गए हैं। बाढ़ में रसुवा और नुवाकोट स्थित नेपाल पुलिस के पांच कार्यालय भी बह गए थे, जिन्हें अभी तक पूरी तरह पुनर्स्थापित नहीं किया जा सका है।

रसुवा के स्याफ्रुबेसी क्षेत्र में खोज और बचाव के लिए सेना की तीन टीमें तैनात की गई हैं। बाढ़ में स्याफ्रुबेसी बाजार का बड़ा हिस्सा बह गया था और वहां पहुंचने वाली सड़क भी क्षतिग्रस्त होने के कारण राहत एवं खोज अभियान में देरी हुई।

सेना प्रभावित कोलोनी, तुप्चे, दानसिंग, सामरी भंज्यांग, कालिकास्थान और मानचेत समेत कई इलाकों में पैदल गश्त भी कर रही है। दुर्गम और सड़क संपर्क से कटे इलाकों में राहत सामग्री पहुंचाने के लिए ड्रोन का इस्तेमाल बढ़ाया गया है। नेपाली सेना के ड्रोन से नुवाकोट में 16,138 किलोग्राम और रसुवा में 5,861 किलोग्राम राहत एवं आवश्यक सामग्री पहुंचाई जा चुकी है।

चीन सीमा से लगे प्रमुख व्यापारिक बाजार टिमुरे में बाढ़ से भारी तबाही हुई है। सशस्त्र पुलिस की बीओपी को छोड़कर लगभग सभी सरकारी कार्यालय बह गए हैं। तीन सप्ताह बीतने के बाद भी सशस्त्र पुलिस के अलावा अन्य सरकारी एजेंसियां वहां पूरी तरह नहीं पहुंच सकी हैं। टिमुरे बाजार से 100 से अधिक शव निकाले जा चुके हैं, लेकिन बाढ़ से ध्वस्त मकानों में अब तक खुदाई शुरू नहीं हो पाई है। स्थानीय जनप्रतिनिधियों और नेपाल पुलिस की मौजूदगी नहीं होने के कारण भी खुदाई और बरामदगी की प्रक्रिया प्रभावित हुई है।

### नेपाल के मुगु जिले में ढाई घंटे के अंतराल में दो बार आया भूकंप, 4.5 और 4.2 रही तीव्रता

**काठमांडू।** नेपाल के मुगु जिले को केंद्र बनाकर तड़के करीब ढाई घंटे के अंतराल में दो बार भूकंप के झटके महसूस किए गए। राष्ट्रीय भूकंप मापन एवं अनुसंधान केंद्र के अनुसार, मुगु के कालै क्षेत्र को केंद्रबिंदु बनाकर रात 1 बजकर 51 मिनट पर 4.5 तीव्रता का भूकंप आया। इसके बाद सुबह 4 बजकर 28 मिनट पर उसी स्थान के आसपास 4.2 तीव्रता का दूसरा भूकंप दर्ज किया गया। केंद्र के वरिष्ठ भूकंपविद् डा. लोकविजय अधिकारी ने बताया कि दोनों भूकंपों के बीच करीब ढाई घंटे का अंतर था। उन्होंने कहा कि 4.5 और 4.2 तीव्रता के भूकंप से आमतौर पर बड़ी क्षति की संभावना कम होती है, लेकिन लोगों को सतर्क रहना जरूरी है। अधिकारी के अनुसार, हर बड़े भूकंप के बाद पराकंप (आफ्टरशाक) आते हैं। 4 तीव्रता का भूकंप आने वाले क्षेत्र में भी इसके बाद 3, 2 और 1 तीव्रता के कई छोटे भूकंप आ सकते हैं। उन्होंने बताया कि पिछले सप्ताह मुस्तांग जिले में आए भूकंप के बाद अब तक करीब 20 से 22 परकंप दर्ज किए जा चुके हैं। गौरतलब है कि, बीते 8 सितंबर की रात 9:53 बजे मुस्तांग में 5.3 तीव्रता का भूकंप आया था। इसके झटके काठमांडू में भी महसूस किए गए थे।

# ईरानी टैंकरों पर हमले के कारण चीन की तेल आपूर्ति पर मंडराया संकट

### होर्मुज में तेल-एलपीजी के टैंकर डुबो रहा अमेरिका

**बीजिंग**

अमेरिका ने ईरान को आर्थिक रूप से कमजोर करने के लिए जो योजना तैयार की है, वह अब प्रभावी होती दिख रही है। ईरान का सबसे बड़ा कच्चे तेल का खरीददार चीन रहा है, लेकिन आने वाले दिनों में उसकी मुश्किलें बढ़ सकती हैं। पिछले लगभग एक दशक से अमेरिका के आर्थिक प्रतिबंध चीन को ईरान से तेल खरीदने से पूरी तरह रोकने में सफल नहीं हो पाए थे। चीन ने प्रतिबंधों के बावजूद कम कीमत पर ईरानी तेल खरीदने के रास्ते तलाश लिए थे, लेकिन अब ईरानी तेल टैंकरों को अमेरिकी मिसाइलों से निशाना बनाए जाने के बाद स्थिति तेजी से बदल रही है।

एक विश्लेषण के अनुसार, अमेरिकी नौसेना ने खार्ग द्वीप से तेल लोड कर रहे एक ईरानी टैंकर को निशाना बनाया है। खार्ग द्वीप वह प्रमुख केंद्र है, जहां से ईरान के लगभग 90 प्रतिशत तेल निर्यात की लोडिंग होती है। विश्लेषण के मुताबिक, यह पहली बार है जब अमेरिका ने केवल आर्थिक प्रतिबंध लगाने के बजाय, उस भौतिक आपूर्ति श्रृंखला को सीधे निशाना बनाया है, जिसके जरिए ईरान का तेल चीन की रिफाइनरियों तक पहुंचता है। यह कदम चीनी अर्थव्यवस्था और ऊर्जा सुरक्षा के लिए गंभीर चुनौती पैदा कर सकता है।

ईरान से मिलने वाला सस्ता तेल चीन की छोटी और स्वतंत्र रिफाइनरियां बड़े पैमाने पर खरीदती हैं, जिन्हें आमतौर पर टीपाट रिफाइनरी कहा जाता है। ये रिफाइनरियां चीन में पेट्रोलियम उत्पादों के कुल उत्पादन का लगभग 25 प्रतिशत हिस्सा रखती हैं। इन रिफाइनरियों ने अमेरिकी प्रतिबंधों से बचने के लिए चीन की अपनी भुगतान व्यवस्था और डालर से अलग भुगतान के तरीकों का इस्तेमाल किया, जिसकी वजह से वे ईरान से उपलब्ध बड़ी मात्रा में तेल खरीदने में सफल रहीं। हालांकि, अब टैंकरों पर सीधे हमले से इनके सामने नई समस्या खड़ी हो गई है।

अगर तेल ले जाने वाले जहाज ही नष्ट हो जाते हैं, तो केवल वैकल्पिक पेमेंट सिस्टम के सहारे आपूर्ति जारी रखना संभव नहीं होगा। समुद्र में डूब चुके जहाजों को चीन तुरंत वापस भी नहीं ला सकता, जिससे आपूर्ति में तत्काल बाधा आएगी। यह स्थिति चीन के लिए और भी चिंताजनक है क्योंकि होर्मुज जलडमरूमध्य में जारी अशांति के कारण वैश्विक बाजार में तेल की उपलब्धता पहले ही कम हुई है।

# बाढ़ के कारण रसुवागढी-केरुंग सीमा नाका बंद होने के बाद चीन ने तातोपानी नाका भी बंद किया

**काठमांडू**

नेपाल-चीन के प्रमुख व्यापारिक नाके रसुवागढी-केरुंग के बाढ़ के कारण बाधित होने के बीच एक अन्य महत्वपूर्ण सीमा नाका तातोपानी के संचालन को भी बंद कर दिया गया है। चीन की ओर से नाका कब खोला जाएगा, इसकी जानकारी नेपाल को नहीं दी गई है।

रसुवागढी-केरुंग नाका बंद होने के तुरंत बाद चीन ने नेपाल को पत्र भेजकर तातोपानी नाका भी अस्थायी रूप से बंद करने की जानकारी दी थी। हालांकि, नाका बंद करने का कारण चीनी पक्ष ने स्पष्ट नहीं किया है।

ल्हासा स्थित नेपाली महावाणिज्य दूत लक्ष्मीप्रसाद निरौला ने बताया कि उन्हें तातोपानी नाका बंद किए जाने का कारण और इसे दोबारा खोलने की तारीख की जानकारी नहीं है। उन्होंने कहा कि रसुवागढ़ी नाका बंद होने के बाद केरुंग में फंसे नेपाली पर्यटकों और मालवाहक कंटेनरों को तातोपानी तथा कोरला नाके के रास्ते नेपाल लाने के लिए चीन से अनुरोध किया गया था। पर्यटकों को तातोपानी नाके से लौटने की अनुमति दी गई, लेकिन मालवाहक कंटेनरों को अनुमति नहीं मिली।

निरौला के अनुसार, रसुवागढी नाका बंद होने की स्थिति में यदि तातोपानी और कोरला दोनों नाकों का इस्तेमाल किया जा सके तो नेपाल-चीन व्यापार को काफी सुविधा होगी। इसके लिए चीन से औपचारिक अनुरोध किया गया है, लेकिन तातोपानी नाका खोलने के संबंध में अभी तक कोई जवाब नहीं मिला है।

चीन ने 31 अगस्त को पत्र भेजकर तातोपानी नाका अस्थायी रूप से बंद करने की जानकारी दी थी। इस बीच, 4 सितंबर को चाइना डेली ने खबर दी थी कि चीन नेपाल के साथ प्रमुख स्थल व्यापारिक नाका झांगमु में सीमा जांच और सीमा शुल्क से संबंधित व्यवस्थाओं में बदलाव करने जा रहा है।

स्थानीय सरकार के अनुसार, उच्च हिमाली

क्षेत्र में सुरक्षा व्यवस्था को अधिक प्रभावी बनाने और यात्रियों तथा उनके सामान की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए सीमा जांच व्यवस्था में बदलाव किया जा रहा है। झांगमु नाका शिगात्से के अंतर्गत सिजांग स्वायत्त क्षेत्र के न्यालाम में स्थित है।

नई व्यवस्था के तहत नेपाल-चीन सीमा पार करने वाले यात्रियों को केवल निर्धारित मार्गों से ही आवागमन की अनुमति होगी। वे निर्धारित क्षेत्र से बाहर नहीं जा सकेंगे और रास्ते में अपनी इच्छा से वाहन में चढ़ने-उतरने या निर्धारित स्थान के अलावा अन्य लोगों से संपर्क करने पर भी रोक होगी।

बिना अनुमति नियंत्रित सड़क खंडों पर वाहन रोकने, यात्रियों को चढ़ाने-उतारने तथा माल लोड या अनलोड करने की भी अनुमति नहीं होगी। सीमा क्षेत्र से संबंधित नहीं होने वाले लोगों और वाहनों को भी उस क्षेत्र में प्रवेश नहीं दिया जाएगा।

तातोपानी सीमा शुल्क कार्यालय के प्रमुख दीपेन्द्र प्रकाश गिरी ने बताया कि 8 सितंबर से तातोपानी नाके से मालवाहक कंटेनरों की क्लीयरेंस नहीं हुई है। हालांकि, यात्री वाहनों को आने-जाने की अनुमति दी जा रही है। उन्होंने भी नाका बंद किए जाने का कारण स्पष्ट जानकारी में नहीं होने की बात कही।

रसुवागढी नाका बाधित होने और तातोपानी नाका बंद होने के बाद नेपाल-चीन के स्थल व्यापार के लिए फिलहाल मुस्तांग के कोरला नाके का इस्तेमाल किया जा रहा है। हालांकि, कोरला नाका काठमांडू से रसुवागढी और तातोपानी की तुलना में काफी दूर है। कोरला से काठमांडू की दूरी करीब 481 किलोमीटर, काठमांडू-तातोपानी करीब 124 किलोमीटर और काठमांडू-रसुवागढी करीब 160 किलोमीटर है। इसके अलावा कोरला से केरुंग की दूरी करीब 600 किलोमीटर है। नेपाल हिमालय सीमापार वाणिज्य संघ के सचिव भक्त पराजुली के अनुसार, दूरी, लागत, समय और बुनियादी ढांचे समेत कई कारणों से चीन के साथ व्यापार के लिए तातोपानी नाका कोरला की तुलना में अधिक सुविधाजनक है। उन्होंने बताया कि केरुंग से कोरला पहुंचने में ही करीब एक दिन लगता है। पर्याप्त बुनियादी ढांचे और जनशक्ति की कमी के कारण सीमा शुल्क की प्रक्रिया भी एक दिन में पूरी नहीं हो पाती। इसके बाद सड़क की स्थिति और वाहनों के कारण काठमांडू तक सामान पहुंचने में करीब तीन दिन और लगते हैं।

# आज का राशिफल

## मेष – चू,चे,चो,ला,लि,लू,ले,लो,अ

आज दिनभर तनाव रहेगा पारिवारीक झगड़े बढ़ सकते हैं कहासुनी होगी और सहयोगियों के साथ विवाद संभव है. आपको विनम्रता एवं धैर्य के साथ मसलों को निपटाना होगा संपत्ति सम्बंधित मामलों में सावधानी से निपटने की आवश्यकता है और इस संबंध में आपको एक ठोस कदम उठाना चाहिए. स्त्री वर्ग की सेहत कुछ चिंता का कारण बन सकती है. यह समय किसी नए कारोबार मे निवेश के लिए श्रेष्ठ नही हैं, सेहत बढीया रहेगी।

## वृषभ – इ,उ,ए,ओ,वा,वि,वु,वे,वो

आप को संतुलित भोजन लेने की आवश्यकता हैं स्वास्थ्य अच्छा रहेगा आपके काम समय से पूरे होंगे. साथ ही आपको अपनी मेहनत का फल भी अवश्य मिलेगा. आज आपका दिन खुशनुमा रहेगा. कुछ लोगों को आप का व्यक्तित्व प्रभावित करेगा ऑफिस में सहकर्मी आपकी मदद के लिये तैयार खड़े रहेंगे. आपका आर्थिक पक्ष मजबूत रहेगा. मित्रों का सहयोग पूरा रहेगा . हराचारा गौशाला मे दान करें ।

## मिथुन – क,कि,कृ,घ,ड़,छ,के,को,ह

आज आय के स्त्रोत बढेंगे धन लाभ हो सकता है. ऐसे काम करना होगा जो लंबे समय तक फायदा देगा कई तरह के रोचक विचार और योजनाएं आज बन सकती हैं. अविवाहित लोगों का विवाह भी तय हो सकता है. आप बुद्धि से अपने काम पूरे करवा सकते हैं. आज आप खुद को साबित करके दिखा देंगे. दोस्तों और परिवार से सहयोग मिलनेके योग हैं. कोई अच्छी खबर भी आज आपको मिल सकती है. आप खुश हो जाएंगे । बच्चों का सहयोग रहेगा।

## कर्क – ही,हु,हे,हो,डा,डी,डू,डे,डो

आज क्रोध के आवेश मे आकर घरेलू मसले आप उलझाएंगे दिमाग़ को ठंडा रखें ऐसे व्यवहार से काम करने की क्षमता को भी ख़राब कर देंगे. धन की स्थिति कमजोर दिखाई देगी, इसे मजबूत बनाने का प्रयास करें. आज आप घर के कामों में व्यस्त रहेंगे. इस वजह से बाहर जाना मुश्किल होगा. धन खर्च की मात्रा बढ़ेगी. आपके द्वारा लिया गया निर्णय आगे लाभप्रद साबित होगा. सुबह घर मे गोबर की धूप प्रज्वलित करें मानसिक शान्ति होगी।

## सिंह – म,मी,मू,मे,मो,टा,टी,टू,टे

आज का दिन मिश्रित रहेगा आप मे से कुछ के लिए अति शुभ परिणामदायक हो सकता है.किसी के लिए तकलीफ़े पैदा हो सकती हैं आप लंबित असाइनमेंट को पूरा करने में सक्षम होंगे. सामाजिक कार्य या राजनीति से जुड़े लोगों के लिए कुछ विशेष उपलब्धि संभव है. कारोबारी के लिए समय शुभ है. नए संघों का गठन भी किया जा सकता है, जो लाभकारी होंगे. अच्छी तरह से सोचा गया निर्णय आपको अच्छा लाभ देगा. पारिवारिक संबंध और बातचीत अच्छी रहेगी और घर मे उत्सव का माहौल रहेगा ।

## कन्या – टो,प,पी,पू,ष,ण,ठ,पे,पो

आज के दिन का काम फटाफट पूरा होगा आप रिलैक्स फील करेंगें । छात्रों के लिए दिन उत्साह वर्धक रहेगा पहले की तुलना मे अच्छे और संतोष जनक परिणाम आएंगे . वकालत करनेवालो के लिए दिन तनाव मे गुजरेगा परिश्रम अधिक होगा. करियर में आप नए आयाम स्थापित करेंगे. आप जिससे भी मदद की उम्मीद करेंगे, उससे आपको समय पर मदद मिल जायेगी. कौवे को रोटी का तुकडा डालें , चीटियों को आटा डालें।

## तुला – र,री,रू,रे,रो,ता,ति,तू,ते

आज रुके हुए पूरे काम हो जाएंगे अधिक परिश्रम की आवश्यकता नहीं हैं शाम का वक्त फ्री होगा भविष्य की योजना बनाए फायदा हो सकता है. आज आप अच्छा महसूस करेंगे. सामूहिक और सामाजिक काम के लिए दिन अच्छा है. परिवार के ज्यादातर काम आपको निपटाने पड़ सकते हैं. दोस्तों के साथ समय बिताएंगे. धन लाभ हो सकता है. उधार दिया गया पैसा आपको मिल सकता हैं भैरव मंदिर मे कालाउडद चढाए तेलका दीपक प्रज्वलित करें।

## वृश्चिक – तो,न,नी,नू,ने,नो,या,यी,यू

आज परिवार की जरुरते पूरी करेंगे बच्चों के लिए भविष्य निधि सुरक्षित करें । अपने दफ्तर में बिल्कुल संतुलित व्यवहार करें. आपकी इनकम बढ़ने के भी चांस ज्यादा है. प्रेम में इमोशन प्रभावी रहेगा. मानसिकता को बदलने की बेहत जरूरत है. उन्नति में बाधा आएगी. आपका मन काम में लगेगा. ससुराल जाने का प्रोग्राम बनेगा आप को सम्मान और प्यार दोनो मिलेगा छात्रो को जरुर निराशा मिलेगी मन कुछ उदास रहेगा ।

## धनु – ये,यो,भ,भी,भू,धा,फा,ढा,भे

आज खर्चा अधिक होगा परन्तु कुछ आप को लिमिट तय करनी पडेगी क्योंकि आमदनी सीमित रहेगी. मानसिक तनावों को हावी ना होने दें. विपरीत परिस्थितियों को भी अपने पक्ष में करने की अपनी क्षमता का प्रयोग करें. अपने स्वास्थ्य का ध्यान रखें. जल्दबाजी में कोई काम ना करें. नये लोगों के साथ अनजान जगह जाने से बचें घात सम्भव हैं अथवा अनावश्यक किसी परेशानी में पड़ जाएं. विरोधियों पर भरोसा नही करना चाहिए।

## मकर – भो,ज,जी,खि,खू,खे,खो,ग,गि

आज का दिन कमजोर ही रहेगा. आपको नये लोगों से थोड़ा संभलकर रहना चाहिए. किसी भी काम में बड़ों की सलाह लेना बेहतर रहेगा. बच्चे पढ़ाई के प्रति कुछ कुछ कम रूचि ले सकते हैं. बिजनेस में विरोधियों से आपको बचकर रहना चाहिए. ऑफिस में सीनियर आपके काम से खुश होकर आपको कुछ गिफ्ट कर सकते हैं. खुद को फिट रखने के लिए आपको योग करना चाहिए.अपनी किमती वस्तु को बहुत सम्हाल कर रखें ।

## कुम्भ – गु,गे,गो,सा,सी,सू,से,सो,द

आज आप को मजबूती से और धैर्य से काम लेंना होगा .पुश्तैनी जमीन प्रॉपर्टी के कामों से भी धन लाभ होने के योग बन रहे हैं. कोई नया काम करने की सोच रहे हैं तो आपके सामने कुछ और काम आ सकते हैं. रोजमर्रा के कामकाज ज्यादा ही रहेंगे. थोड़े समय में सब ठीक हो जाएगा. धैर्यरखें। आगे बढ़ने के लिए आपको कुछ नया सीखना होगा. सेहत स्वास्थ्य तंदुरुस्त रहेगा चिंता मुक्त रहेंगे।

## मीन – दी,दू,थ,झ,ञ,दे,दो,चा,ची

आज बहुत इमोशनल होनी की जरुरत नही हैं दिमाग से सोच समझकर ही किसी भी निर्णय को अन्तिम रुप देना होगा करियर में आगे बढने के बेहतर प्रस्ताव मिलेंगे. शिक्षा, बिजनेस, नौकरी या महत्वपूर्ण कागजात को बडी ही सूझबूझ से इस्तेमाल मे लेना होगा यात्रा के योग भी बन रहे हैं आज आपका कोई छुपा विरोधी आपको ग़लत साबित करने की पुरज़ोर कोशिश करेगा. आप अपने रोजमर्रा के काम में ही बिजी रहेंगे. कबूतर को दाना डालें और मंदिर मे श्री फल अर्पण करें ।

# आज का पंचांग

दिनांक : 17 सितंबर 2026 , गुरुवार
विक्रम संवत : 2083
मास : भाद्रपद, शुक्ल पक्ष
तिथि : षष्ठी प्रातः 10:49 तक
नक्षत्र : अनुराधा रात्रि 07:54 तक
योग : विष्कुंभ दोपहर 12:49 तक
करण : तैतिल प्रातः 10:49 तक
चन्द्रराशि : वृश्चिक
सूर्योदय : 06:04, सूर्यास्त 06:15 ( हैदराबाद )
सूर्योदय : 06:08 , सूर्यास्त 06:18 ( बैंगलोर )
सूर्योदय : 06:01 , सूर्यास्त 06:11 ( तिरुपति )
सूर्योदय : 05:56, सूर्यास्त 06:07 ( विजयवाडा )

**शुभ चौघड़िया**
शुभ : 06:00 से 07:30
चल : 10:30 से 12:00
लाभ : 12:00 से 01:30
राहुकाल : दोपहर 01:30 से 03:00
शुभ : 04:30 से 06:00
दिशाशूल : दक्षिण दिशा
उपाय : तिल्ली खाकर यात्रा का आरंभ करें
दिन विशेष : सूर्य-स्कन्द षष्ठी , बलराम जयंती , महालक्ष्मी व्रत आरंभ , विश्वकर्मा पूजा , कन्या संक्रान्ति प्रातः 07:44 से , संक्रांति पुण्यकाल प्रातः 07:44 से दोपहर 02:16 तक , गण्डमूल रात्रि 07:55 से

* पाण्डित्य विषय में सम्पर्क करें *

पं.चिदम्बर मिश्र (टिल्लू महाराज)
हमारे यहाँ पाण्डित्य पूर्ण यज्ञ अनुष्ठान, भागवत कथा एवं मूल पारायण, वास्तुशान्ति, गृहप्रवेश,शतचंडी, विवाह, कुंडली मिलान, नवग्रह शान्ति, ज्योतिष सम्बन्धी शंका समाधान किए जाते हैं
फक्कड़ का मन्दिर, रिकाबगंज, हैदराबाद, (तेलंगाना)
9246159232, 9866165126
chidamber011@gmail.com

# क्षमा वीरभूषण–क्षमा वीरों का आभूषण है, क्षमा वो ही मांगता है जो वीर सरल और दयावान होता है. : राजमतीजी म.सा

**हैदराबाद, 16 सितंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)।** जैन श्री संघ, मलकपेट के तत्वावधान में आध्यात्मिक वर्षावास 2026 के अंतर्गत बम्ब सिंघी भवन में पर्युषण महापर्व के आठवें दिन संवत्सरी के अवसर पर धर्मसभा आयोजित हुई। श्रमण संघीय सलाहकार उपप्रवर्तक पूज्य श्री विनयमुनिजी म.सा. 'भीम' के पावन सान्निध्य से प्रेरित तथा जिन शासन चंद्रिका परम पूज्या गुरुणी मैया श्री लक्ष्मीप्रकाशजी म.सा. की सुशिष्याएं पूज्य श्री राजमतीजी म.सा. 'राजुल', पूज्य श्री विनयश्रीजी म.सा. एवं नवदीक्षिता पूज्य श्री जीव्याश्रीजी म.सा. विराजमान हैं।

पूज्य श्री विनयश्रीजी म.सा. ने कहा कि पर्युषण पर्व आत्मा के गुणों के विकास, कषायों को घटाने और धर्म आराधना का अवसर है। संवत्सरी के दिन प्रत्येक व्यक्ति को वर्षभर में मन, वचन और काया से हुई भूलों के लिए आत्मावलोकन करते हुए क्षमायाचना करनी चाहिए। उन्होंने कहा कि 'मिच्छामि दुक्कडम्' का भाव अपने किए पापों के लिए क्षमा मांगना और भविष्य में उन्हें दोहराने से बचने का संकल्प लेना है। क्षमा वीरों का आभूषण है और सच्ची क्षमा सरलता एवं दयाभाव से आती है।

महासती श्री राजमतीजी म.सा. ने कहा कि आत्मा जागृत होगी, तभी परमात्मा बनने की दिशा में आगे बढ़ेगी। धर्म में विलंब नहीं करना चाहिए। उन्होंने सामायिक को मन, वचन और काया से शुद्ध भाव के साथ करने तथा कर्मों को हल्का करने के लिए तप, दान और धर्म आराधना को आवश्यक बताया।

जयमल ब्रज मधुकर दरबार में चातुर्मास सभा का संचालन करते हुए पारस डोसी ने कहा कि पर्युषण के दौरान सम्यक दर्शन, सम्यक ज्ञान और सम्यक चरित्र की आराधना के माध्यम से आत्मा को मिथ्यात्व, विषय-विकार और कषायों से मुक्त करने का पुरुषार्थ किया जाता है। श्री संघ की ओर से महासती मंडल एवं धर्मसभा में उपस्थित सभी श्रावक-श्राविकाओं से मन, वचन और काया से खमत-खामणा की गई।

उन्होंने बताया कि नवदीक्षिता महासती श्री जीव्याश्रीजी म.सा. की आठ उपवास की तपस्या जारी है। सिद्धि तप आराधकों का बहुमान जैन श्री संघ के तत्वावधान में पोकरणा एवं कोठारी परिवारों द्वारा किया गया।

धर्मसभा में श्रीमती विभाजी कोठारी के 11 उपवास, श्रीमती मंजुदेवी सुमेरमलजी पारख, श्रीमती प्रीतीजी सिंघवी, श्री श्रीपालजी समदड़िया के 9-9 उपवास, श्रीमती रंजनाजी रुपेशजी कोचेटा, श्रीमती नीतू राहुल पोकरणा, श्रीमती कान्ताबाई ज्ञानचंदजी कोठारी, श्रीमती चंदना गोदावत एवं सुश्री साक्षी श्यामसुखा के 8-8 उपवास, श्रीमती महिमा आशीष सिंघवी के 7 उपवास, श्रीमती आरती सचिनजी धारीवाल एवं जयेश दक के 5-5 उपवास सहित सिद्धि तप आराधिका श्रीमती संगीता राजेन्द्र कोठारी के उपवास और अन्य गुप्त तपस्याएं जारी होने की जानकारी दी गई।

संघ की ओर से बताया गया कि संवत्सरी सामूहिक क्षमापना बुधवार 16 सितंबर को सुबह 7.30 बजे तथा सामूहिक पारणा सुबह 8 बजे आयोजित होगा। पारणे के लाभार्थी कपूरचंदजी गौतमचंदजी पवनजी चनोदिया परिवार, दिलसुखनगर वाले हैं। पर्युषण पर्व के आठों दिन 12 घंटे नवकार महामंत्र जाप का आयोजन भी किया गया। धर्मसभा में मलकपेट संघ, नवयुवक मंडल, महिला मंडल, बहु मंडल, युवा मंडल, हैदराबाद संघ, फीलखाना संघ एवं चैतन्यपुरी संघ के श्रावक-श्राविकाएं उपस्थित रहे। कार्यक्रम का समापन मंगल पाठ एवं गुरु वंदना के साथ हुआ।

# बहु–विषयक कलाकार प्रसन्ना वेलागला जल्द शुरू करेंगी भारत भर में कला प्रदर्शनियाँ

हैदराबाद, 16 सितंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। प्रसिद्ध बहु-विषयक कलाकार प्रसन्ना वेलागला अपनी रचनात्मक यात्रा के नए चरण की शुरुआत करने वाली हैं। वे जल्द ही भारत के विभिन्न शहरों में कला प्रदर्शनियों और प्रस्तुतियों की श्रृंखला शुरू करेंगी।

कई देशों में अपना काम प्रदर्शित कर चुकी प्रसन्ना की कला प्रकृति, संस्कृति, मानवीय अनुभव और गहरे अवलोकन से प्रभावित है। उनकी आगामी प्रदर्शनियाँ उनके विकसित होते कला-संग्रह को भारत के व्यापक दर्शकों तक पहुँचाएँगी और देश के समकालीन कला परिदृश्य में उनकी उपस्थिति का महत्वपूर्ण विस्तार करेंगी।

प्रसन्ना के अनुसार कला केवल दृश्य अभिव्यक्ति नहीं है। वे प्रदर्शनियों को ऐसे स्थान मानती हैं जहाँ विचार, भावनाएँ और अनुभव दर्शकों के साथ सार्थक संबंध बना सकें। जल्द शुरू होने वाले ये शो उनके अंतरराष्ट्रीय अनुभव, कलात्मक प्रयोग और भारत के सांस्कृतिक-रचनात्मक स्थानों के साथ बढ़ते जुड़ाव को प्रतिबिंबित करेंगे।

# पैसाबाज़ार ने म्यूचुअल फंड क्षेत्र में रखा कदम

## बचत और निवेश उत्पादों का विस्तार, 'दैनिक व्यवस्थित निवेश योजना' से रोजाना छोटी राशि निवेश की सुविधा

**गुरुग्राम, 16 सितंबर(शुभ लाभ ब्यूरो)।** भारत के प्रमुख वित्तीय बाजार मंच और निःशुल्क क्रेडिट स्कोर मंच पैसाबाज़ार ने हाल ही में म्यूचुअल फंड की शुरुआत की है। कंपनी ने पिछले वर्ष ही बॉन्ड और सावधि जमा की सुविधा शुरू की थी। अब म्यूचुअल फंड की शुरुआत के साथ पैसाबाज़ार के बचत और निवेश उत्पादों का क्षेत्र और विस्तृत हो गया है। कंपनी अब ऋण, बचत और निवेश से जुड़ी व्यापक वित्तीय जरूरतों को एक ही मंच पर पूरा करने की दिशा में काम कर रही है। इसका लक्ष्य ऐसा मंच तैयार करना है, जो उपभोक्ताओं की अलग-अलग वित्तीय जरूरतों में उनके काम आए, चाहे बात क्रेडिट बनाने और ऋण लेने की हो या बचत और निवेश की।

paisabazaar.com
HAR SAPNA HOGA SACH

पैसाबाज़ार की मुख्य कार्यकारी अधिकारी संतोष अग्रवाल ने कहा, क्रेडिट पैसाबाज़ार का मूल हिस्सा बना रहेगा, लेकिन उपभोक्ताओं की वित्तीय जरूरतें ऋण लेने से कहीं ज्यादा हैं। म्यूचुअल फंड की शुरुआत के साथ हम एक व्यापक वित्तीय बाजार मंच बनाने की दिशा में एक और कदम उठा रहे हैं। क्रेडिट, बचत, निवेश और रोजमर्रा की वित्तीय सेवाओं को एक साथ लाकर, हम उपभोक्ताओं के हर वित्तीय पड़ाव पर उनके साथ जुड़े रहेंगे और साथ ही लंबे समय के लिए एक अधिक मजबूत कारोबार भी तैयार करेंगे।

म्यूचुअल फंड की शुरुआत का एक प्रमुख हिस्सा पैसाबाज़ार की 'दैनिक व्यवस्थित निवेश योजना' है, जो उपभोक्ताओं को हर महीने एक बड़ी रकम निवेश करने की जगह रोजाना छोटी-छोटी राशि निवेश करने की सुविधा देती है। यह खास तौर पर ऐसे निवेशकों के लिए उपयोगी हो सकती है, जिनकी आय हर महीने किसी निश्चित समय या एक समान तरीके से नहीं आती। इनमें स्वरोजगार करने वाले लोग, छोटे कारोबारी और दुकानदार शामिल हैं।

छोटी रकम को रोजाना निवेश करने का विकल्प उपभोक्ताओं को अपने नकदी प्रवाह के अनुसार निवेश की आदत बनाने में मदद कर सकता है।

पैसाबाज़ार में म्यूचुअल फंड के प्रमुख तुषार गुप्ता ने कहा, सही मायनों में वित्तीय समावेशन तभी संभव है, जब हम ऐसे उत्पाद और सुविधाएं तैयार करें, जो लोगों की वास्तविक वित्तीय जरूरतों और परिस्थितियों को ध्यान में रखकर बनाई गई हों, खासकर उन लोगों के लिए जिनकी पारंपरिक वित्तीय सेवाओं तक पहुंच सीमित है। 'दैनिक व्यवस्थित निवेश योजना' के जरिए हम निवेश को अलग-अलग आय के पैटर्न के अनुरूप अधिक सुविधाजनक बनाने की कोशिश कर रहे हैं। हमारा उद्देश्य निवेश की आदत को खासकर उन लोगों के लिए अधिक आसान बनाना है, जिनकी आय हर महीने एक जैसी नहीं होती।

पैसाबाज़ार का म्यूचुअल फंड मंच उपभोक्ताओं को अलग-अलग म्यूचुअल फंड विकल्पों को खोजने, उनकी तुलना करने और उनमें निवेश करने की सुविधा देता है। मंच पर प्रमुख परिसंपत्ति प्रबंधन कंपनियों के म्यूचुअल फंड उपलब्ध हैं।

पैसाबाज़ार भारतीय म्यूचुअल फंड संघ (एएमएफआई) में पंजीकृत म्यूचुअल फंड वितरक है। इसका पंजीकरण क्रमांक एआरएन 336712 है।

# पूनरासर धाम में भादवा मेला आज से

**बीकानेर, 16 सितंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)।** बीकानेर से करीब 56 किलोमीटर दूर विश्व प्रसिद्ध श्रीपूनरासर धाम में हनुमानजी का त्रिदिवसीय भादवा मेला 17 से 19 सितंबर तक आयोजित होगा। मेले में राजस्थान सहित देश के विभिन्न क्षेत्रों से बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं के पहुंचने की संभावना है।

पुजारी विमल कुमार बोथरा, धनराज बोथरा, कमल कुमार बोथरा, संपतमल बोथरा, राजकुमार बोथरा, रंजीत कुमार बोथरा, धर्मचंद बोथरा एवं लक्ष्मीपत बोथरा ने बताया कि श्रद्धालुओं के लिए ठहरने, भोजन-प्रसाद, पानी, स्नान तथा पैदल यात्रियों के लिए मालिश की व्यवस्था की जा रही है। मेले को लेकर सुरक्षा, यातायात और दर्शन व्यवस्था पर भी विशेष ध्यान दिया जा रहा है। इस अवसर पर बाबा हनुमानजी के स्वर्णाकर्षण फोटो फ्रेम का लोकार्पण किया गया, जो मेले में श्रद्धालुओं के लिए उपलब्ध रहेगा।

# मंचेरियाल मेडिकल कॉलेज में पीजी सीटों की तैयारी अंतिम चरण में

मंचेरियाल, 16 सितंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। मंचेरियाल स्थित सरकारी मेडिकल कॉलेज में एमबीबीएस के साथ अब स्नातकोत्तर (पीजी) पाठ्यक्रम शुरू करने की तैयारी है। कॉलेज प्रशासन ने जनरल मेडिसिन, पीडियाट्रिक्स और गायनेकोलॉजी विभागों में 5-5 पीजी सीटों के लिए राष्ट्रीय चिकित्सा आयोग (एनएमसी) के समक्ष आवेदन किया है। ऑर्थोपेडिक्स और जनरल सर्जरी सहित कुल पांच प्रमुख विभागों में पीजी सीटें मिलने की संभावना है। एनएमसी के नियमों के अनुसार प्रोफेसरों की संख्या के आधार पर सीटों का आवंटन होगा। कॉलेज भवन और संबद्ध अस्पताल का निर्माण अंतिम चरण में है। पीजी सीटें मिलने से विशेषज्ञ चिकित्सकों की संख्या बढ़ेगी और स्थानीय मरीजों को स्त्री रोग, बाल रोग व सर्जरी जैसी सेवाओं में बेहतर उपचार तथा आधुनिक तकनीकों की सुविधा मिल सकेगी।

# गिरिजनों तक योजनाओं का लाभ पहुँचाने के निर्देश

मंचेरियाल, 16 सितंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। राष्ट्रीय अनुसूचित जनजाति आयोग के सदस्य जाटोल हुसैन नायक ने कहा कि सरकार की कल्याणकारी योजनाओं का लाभ आदिवासी परिवारों तक प्रभावी ढंग से पहुँचना चाहिए। उन्होंने जिला अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक कर शिक्षा, चिकित्सा, पेयजल, बिजली और रोजगार सुविधाओं पर चर्चा की तथा आदिवासियों की समस्याओं का शीघ्र समाधान करने के निर्देश दिए। उन्होंने दंडेपल्ली मंडल के विभिन्न गांवों का दौरा कर लोगों की समस्याएं जानीं। स्थानीय बार एसोसिएशन के सदस्यों से मुलाकात के दौरान उन्होंने जिले के लिए समर्पित एससी/एसटी न्यायालय मंजूर कराने का प्रयास करने का आश्वासन दिया। भाजपा कार्यालय में उन्हें ज्ञापन सौंपकर मंचेरियाल में आईटीडीए केंद्र स्थापित करने की मांग की गई।

# गणेश मंडपों के आयोजक रहें सतर्क : सीपी

मंचेरियाल, 16 सितंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। रामागुंडम पुलिस कमिश्नर अंबर किशोर झा ने कहा कि गणेश उत्सव के दौरान मंडप आयोजक पुलिस की अनुमति एवं निर्धारित नियमों का पालन करते हुए सतर्कता बरतें। उन्होंने मंचेरियाल टाउन थाना क्षेत्र के विभिन्न गणेश मंडपों का दौरा कर सुरक्षा व्यवस्था का जायजा लिया और आयोजकों को शांतिपूर्ण आयोजन के निर्देश दिए।

सीपी ने मंडपों में अनिवार्य रूप से सीसीटीवी कैमरे लगाने, विद्युत सजावट में सावधानी बरतने तथा किसी अप्रिय घटना या संदिग्ध गतिविधि की सूचना तत्काल पुलिस को देने की अपील की। उन्होंने बताया कि विसर्जन तक पुलिस की 24 घंटे गश्त जारी रहेगी। इस दौरान डीसीपी ए. भास्कर, एसीपी आर. प्रकाश, इंस्पेक्टर प्रमोद राव सहित अन्य अधिकारी उपस्थित रहे।

# पुलिस आयुक्त ने एसटी आयोग सदस्य से की शिष्टाचार भेंट

पेद्दापल्ली, 16 सितंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। रामागुंडम पुलिस आयुक्त अंबर किशोर झा ने बुधवार को पेद्दापल्ली जिले के एनटीपीसी ज्योति भवन में राष्ट्रीय अनुसूचित जनजाति आयोग के सदस्य जतोथ हुसैन नायक से शिष्टाचार भेंट की। इस अवसर पर पुलिस आयुक्त ने आयोग के सदस्य को गुलदस्ता भेंट कर उनके अच्छे स्वास्थ्य की कामना की।

# उपभोक्ता अधिकार संगठन की नई समिति गठित

पेद्दापल्ली, 16 सितंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। पेद्दापल्ली जिले में उपभोक्ता अधिकार संगठन की नई समिति के गठन के अवसर पर पदाधिकारियों ने जिला मुख्यालय सहित विधि माप विभाग के अधिकारियों से मुलाकात की। संगठन ने कहा कि उपभोक्ताओं के अधिकारों के उल्लंघन के मामलों को अधिकारियों के संज्ञान में लाया जाएगा तथा जनता को परेशान करने वाले व्यापारियों के खिलाफ संगठन की ओर से आवाज उठाई जाएगी। कार्यक्रम जिला अध्यक्ष मद्दी श्रवण गौड़ के नेतृत्व में हुआ। उपाध्यक्ष राजेंद्र प्रसाद, जिला सचिव पुधारी अनिल पटेल, जिला कार्यसमिति सदस्य चेलोजू रामू, सोशल मीडिया आयोजक नीली श्रीकांत और आयोजन सचिव माचा महेश उपस्थित रहे।

**नागौर नगर परिषद कार्यालय में भाजपा की ओर से वार्ड नंबर 33 से विजयी संतोष टांक नामांकन जमा करवाया। इस दौरान प्रभारी मंत्री देवजी भाई पटेल, प्रभारी श्री जगतनारायण जोशी, खिमसर विधायक श्री रेवंतराम डांगा, पूर्व विधायक श्री मोहनाराम चौधरी, जिलाध्यक्ष श्री रामधन पोटालिया, भाजपा वरिष्ठ नेता श्री कृपारम देवड़ा, श्री हुक्मीचन्द टाक एवं अन्य उपस्थित रहे।**

# यदि हो गए हों पाप तो ऐसे करें पुण्य अर्जित

**फाल्गुन** शुक्ल एकादशी को आने वाली एकादशी को आमलकी एकादशी कहते हैं। इस वर्ष यह एकादशी 19 मार्च शनिवार के दिन है। इस दिन आंवले के वृक्ष के पास बैठ कर भगवान का पूजन किया जाता है।

**व्रत की कथा**

एक बार एक राजा के राज्य में रात भर भूखा-प्यासा बैठा रहा। उस दिन फाल्गुन शुक्ल एकादशी थी। इस प्रकार अनजाने में ही उसने आमलकी एकादशी का व्रत रख लिया। रात्रि जागरण करने के कारण उसे अनजाने में ही इस व्रत का फल मिल गया। दूसरे जन्म में वह एख बडे राज्य का अधिकारी बना। इसलिए लोग इस व्रत को करते हैं ताकि उनके पुनर्जन्म में वह और भी अधिक प्रभावशाली बन पाएं। दरअसल इस व्रत को करने से इस जन्म में किए पाप से मुक्ति मिल जाती है। और इंसान अगले जन्म में वैभव, सुख शांति के साथ जीताहै।

गोस्वामी तुलसीदास भी सत्संगति के महत्व को इस कथन में स्पष्ट करते हैं। एक घड आधी घडी, आधी की पुनि आध। तुलसी संगत साधु की, कटै कोटि अपराध।।

# किस तरह मनी प्लांट अगर शुभ है तो अशुभ भी

**मनी प्लांट** यानि धन का पौधा। यह जितना हरा होता है घर में धन का आगमन उसी तेजी से होता है। इसके पत्तों का मुरझाना या सफेद हो जाना अशुभ है। मनी प्लांट जैसा कि नाम से ही जाहिर है मनी प्लांट यानि धन का पौधा। यह पौधा जितना हरा होता है घर में धन का आगमन उसी तेजी से होता है। इसके पत्तों का मुरझाना या सफेद हो जाना अशुभ माना जाता है। भूमि पर फैलकर वृद्धि करने वाली बेल दोषकारक होती है।

वैसे तो घर में रखने के लिए आपको पॉम लीव्स, बोनसाई जैसे कई इंडोर प्लांट मिल जाएँगे, लेकिन कम खर्च और अच्छी ग्रोथ के कारण जो रंग मनी प्लांट आपके घर में भरता है, वह किसी अन्य इंडोर प्लांट से संभव नहीं। इस प्लांट को लेकर लोगों के मन में कई तरह की धारणाएँ हैं, जैसे- इस पौधे को घर में लगाने से घर में पैसा आता है, तो कुछ का मानना है कि इस पौधे को लगाने से घरवालों की तरक्की होती है।

उसी मान्यता है कि जिसके घर में मनी प्लांट का पौधा लगा होता है उसके उसके घर में न केवल सुख-समृद्धि में इजाफा होता है बल्कि घर में धन का भी आगमन होता है। इसी वजह से कुछ लोग घरों में मनी प्लांट का पौधा लगाते हैं। लेकिन कई बार मनी प्लांट लगाने के बावजूद भी धनागमन में कई अंतर नहीं होता बल्कि और आर्थिक नुकसान उठाना पडता है। इसका कारण हे गलत दिशा। वास्तु शास्त्र के अनुसार हर पौधे के लिए एक दिशा निर्धारित होती है। यदि पौधे को उचित दिशा में लगाया गया तो वह सकारात्मक प्रभाव डालता है वहीँ, यदि उसके उस पौधे का गलत स्थिति में वृक्षारोपण किया गया तो वह नकारात्मक प्रभाव डालता है जिससे फायदा होने की बजाय नुकसान होने लगता है।

वास्तु के अनुसार, यदि सही दिशा और सही जगह में मनी प्लांट का पौधा नहीं लगाया गया तो धनलाभ के बजाय हानि का सामना करना पडता है। वास्तु शास्त्रीयों का मानना है कि मनी प्लांट के पौधे के घर में लगाने के लिए आग्नेय दिशा सबसे उचित दिशा है। इस दिशा में यह पौधा लगाने से सकारात्मक ऊर्जा का भी लाभ मिलता है। मनी प्लांट को आग्नेय यानि दक्षिण-पूर्व दिशा में लगाने का कारण ये है इस दिशा के देवता गणेशजी है जबकि प्रतिनिधि शुक्र हैं। गणेश जी अमंगल का नाश करने वाले हैं जबकि शुक्र सुख-समृद्धि लाने वाले। यही नहीं बल्कि बेल और लता का कारण शुक्र को माना गया है। इसलिए मनी प्लांट को आग्नेय दिशा में लगाना उचित माना गया है। मनी प्लांट को कभी भी ईशान यानि उत्तर पूर्व दिशा में नहीं लगाना चाहिए, यह दिशा इसके लिए सबसे नकारात्मक मानी गई है। क्योंकि ईशान दिशा का प्रतिनिधि देवगुरू बृहस्पति को माना गया है। और शक्र तथा बृहस्पति में शत्रुवत संबंध होता है। इसलिए शुक्र से संबंधित यह पौधा ईशान दिशा में होने पर नुकसान होता है। हालांकि इस दिशा में तुलसी का लगाया जा सकता है। घरों का सुंदरता बढाने के लिये मनी प्लांट्स लगाए जाते हैं। ये शुक्र के कारक हैं। मनी प्लांट लगाने से पति-पत्नी के संबंध मधुर होते हैं। फँगशुई के अनुसार बांस के पौधे सुख व समृद्धि के प्रतीक होते हैं मनी प्लांट की सबसे बडी खासियत यह है कि घर हो या आँगन यह प्लांट कहीं भी आसानी से लग जाता है। साथ ही यह केवल पानी में भी लगाया जा सकता है और इसके रखरखाव के लिए भी ज्यादा मेहनत भी नहीं करनी पडती है। इसे घर के अंदर व बाहर दोनों जगह ही रखा जा सकता है।

मनी प्लांट ऐसी जगह रखें जहां अधिक धूप ना हो। इसे घर में भी रखा जा सकता है। पानी में रखना बेहतर होता है लेकिन इस पानी को हर सप्ताह बदल देना चाहिए। जमीन पर इसकी बेलों को नहीं फैलाना चाहिए। मनी प्लांट को घर के अंदर गमले में अथवा बोतल में पानी भरकर भी लगाया जा सकता है। इससे सुख-समृद्धि प्रदान करने वाले सकारात्मक उर्जा को आकर्षित किया जा सकता है। जिस कोने में यह होता है उसकी ओर बरबस ही निगाहें चली जाती हैं।

आप चाहें तो इसकी इन सुनहरी पत्तियों को काँट-छाँट कर इसे और भी आकर्षक बना सकते हैं। ऐसी मान्यता है कि घर में मनीप्लांट लगाने पर सुख-समृद्धि के साथ धन का आगमन बढता है। इसी के चलते लोग अपने घरों में यह पौधा लगाते हैं। लेकिन वास्तु शास्त्र के अनुसार यह पौधा घर में उचित दिशा में नहीं लगाया गया है तो आर्थिक नुकसान भी उठाना पड़ सकता है। इसलिए शुक्र से संबंधित यह पौधा ईशान दिशा में होने पर नुकसान होता है। हालांकि इस दिशा में तुलसी का पौधा लगाया जा सकता है।

मनी प्लांट यानि धन का पौधा। यह जितना हरा होता है घर में धन का आगमन उसी तेजी से होता है। इसके पत्तों का मुरझाना या सफेद हो जाना अशुभ है। यह पौधा जितना हरा होता है घर में धन का आगमन उसी तेजी से होता है। इसके पत्तों का मुरझाना या सफेद हो जाना अशुभ माना जाता है।

# मनोकामनाएं सिद्ध करने हेतु विशेष गणेश मन्त्र

भगवान गणेश जी देवताओं में सबसे पहले पूजे जाते है। उनकी उपासना बहुत ही सरल है और वह अपने भक्तो पर अति शीघ्र प्रसन्न हो जाते है। शास्त्रों में अलग अलग मनोकामनाओ के लिए गणेश जी के कई सिद्ध मन्त्र दिए हुए है। जिनका यदि पूर्ण श्रद्धा और विश्वास के जाप किया जाय तो शीघ्र ही अभीष्ट लाभ की प्राप्ति होती है। गणेश उत्सव के इन 10 दिनों में अपनी मनोकामनाओं को सिद्ध करने हेतु कार्यविशेष के मंत्रो का जाप करना विशेष फलदायी रहता है।

# गणेशजी के इन नामों व इन मंत्रो कै जाप से किसी भी प्रकार के कार्यो की अडचने दूर हो जाती है

भगवान गणेश के अति शुभ बारह नामों का नित्य स्मरण करने वाले व्यक्ति को जीवन में किसी भी प्रकार के संकटों का सामना नहीं करना पडता है। विद्या अध्ययन, विवाह के समय, यात्रा, रोजगार के शुभारम्भ में या अन्य किसी भी शुभ कार्य को करते समय गणेश के बारह नाम लेने से कार्यो की अडचने दूर हो जाती है।

**विद्या अध्ययन,** विवाह के समय, यात्रा , रोजगार शुभारम्भ या अन्य किसी भी शुभ कार्य को करते समय गणेश के बारह नाम लेने से कार्यो की अडचने दूर होती है। भगवान गणेश के बारह नामों का यह पाठ संकटनाशक स्तोत्र के नाम से भी जाना जाता है। इस मंत्र स्तोत्र के चमत्कारी 12 श्रीगणेश नाम स्मरण से पहले भगवान गणेश की पूजा जरूर करें - प्रणम्यं शिरसां देवं गौरीपुत्र विनायकम।

## भगवान गणपति के 12 नाम निम्नलिखित है

1- सुमुख -- अर्थात सुन्दर मुख वाले,
2- एकदन्त -- अर्थात एक दांत वाले,
3- कपिल -- अर्थात कपिल वर्ण के,
4- गजकर्ण -- अर्थात हाथी के कान वाले,
5- लम्बोदर -- अर्थात लम्बे पेट वाले,
6- विकट -- अर्थात विपत्ति का नाश करने वाले,
7- विनायक -- अर्थात न्याय करने वाले,
8- धूम्रकेतु -- अर्थात धुये के रंग वाली पताका वाले,
9- गणाध्यक्ष -- अर्थात गुणों के अध्यक्ष,
10- भालचन्द्र -- अर्थात मस्तक में चन्द्रमा धारण करने वाले,
11- गजानन -- अर्थात हाथी के समान मुख वाले,
12- विघ्ननाशन -- अर्थात विघ्नों को हरने वाले,

**ऋण से मुक्ति के लिए**

''ॐ गणेश ऋणं छिन्धि वरणयं हुं नम: फट''

इस मन्त्र की एक माला का नित्य जाप करें।

**संकट नाश के लिए**

''ॐ नमो हेरम्ब मदमोहित मम संकटान निवारय स्वाहा''

इस मन्त्र की 1 माला का नित्य जाप करें।

**वशीकरण के लिए**

''ॐ श्रीं गं सौम्याय गणपते वरवरद सर्वजनं मे वशमानय स्वाहा''

निम्न मन्त्र की 5 माला का जाप करें।

आलस्य, निराशा, कलह व विपत्ति नाश के लिए

''गं क्षिप्रप्रसादनाय नम:''

मन्त्र की कम से 2 माला का जाप करें।

**धन व आत्मबल प्राप्ति के लिए**

''ॐ गं नम:''

निम्न मन्त्र की एक माला का नित्य जाप करें।

आर्थिक समृद्धि व रोजगार प्राप्ति के लिए

''ॐ श्रीं गं सौभ्याय गणपते वर वरद सर्वजनं मे वशमानय स्वाहा''

इस मंत्र की एक माला का नित्य जाप करें।

सभी मनोकामनाएं पूर्ण करने के लिये

''गं गणपते नम:''

इस मंत्र की एक माला का नित्य जाप करें।

# सुबह उठते ही सबसे पहले क्या और क्यों देखें

प्रतिदिन सुबह-सुबह हमारा एक प्रश्न होता है कि हमारा दिन कैसा रहेगा दिन को अच्छा बनाने के लिए सभी कुछ न कुछ धर्म-कर्म अवश्य ही करते हैं। सभी चाहते हैं कि उनका नया दिन शुभ रहे, खुशियां देने वाला हो, दुख दूर करने वाला हो और सफलताएं दिलाने वाला हो।

**शास्त्रों** के अनुसार एक सटीक उपाय बताया गया है जिससे हमारा पूरा दिन श्रेष्ठ बनता है और सभी दुख-क्लेश दूर होते हैं। सुबह उठते ही सबसे पहले क्या करना चाहिए कि हमारा पूरा दिन अच्छा रहे और घर-परिवार में सुख-शांति बनी रहे। कई लोग भगवान के दर्शन करते हैं तो कुछ अपने घर के सदस्यों का चेहरा देखते हैं लेकिन बिस्तर छोडने से पहले हमें हमारे हाथों के दर्शन करने चाहिए। कुछ लोग सोचते हैं कि हाथों के दर्शन से क्या होगा।

तो इस प्रश्न का उत्तर यह है कि धर्म ग्रंथों और ऋषि-मुनियों के अनुसार ऐसा माना जाता है कि हमारे हाथों की हथेलियों में दैवीय शक्तियां निवास करती हैं। इसी वजह से हमें सुबह उठते ही सबसे पहले अपने हाथों की हथेलियों के दर्शन करने चाहिए। दोनों हाथों को मिलाकर उसके दर्शन करके ही बिस्तर छोडना चाहिए। हमारे हाथ के आगे के हिस्से में (अंगुलियों की ओर) लक्ष्मी, मध्य भाग में सरस्वती और नीचले भाग में नारायण यानी विष्णु का वास होता है। प्रात: हाथों के दर्शन से ही तीनों दिव्य शक्तियों के दर्शन का पुण्य मिलता है।

सुबह हथेलियों का दर्शन करने के पीछे यही संदेश है कि हम परमात्मा से अपने कर्मों में पवित्रता और शक्ति की कामना करते हैं। संसार का सारा वैभव, शिक्षा, पराक्रम हमें हाथों के जरिए ही मिलता है। इसलिए हाथों में लक्ष्मी, सरस्वती और विष्णु तीनों का वास माना गया है। कहते हैं दिन की शुरुआत अच्छी हो तो पूरा दिन अच्छा बीतता है। इसके लिए जरुरी है कि सुबह उठकर ऐसे काम करें जो आपको उत्साहित और उर्जावान बनाए रखे। न कि ऐसी गलती कर बैठें कि पूरा दिन तनाव और परेशानी में बीते।

**हथेली को देखें-**

हथेली को देखें, शास्त्रों में कहा गया है कि मनुष्य को अपना दिन बेहतरीन बनाने के लिए सुबह उठकर सबसे पहले अपना हाथ देखना चाहिए। हाथ ही कर्म करता है और भाग्य को बदलने की क्षमता रखता है।

**आखिर क्यों देखें हथेली-**

आखिर क्यों देखें हथेली, कहा जाता है कराग्रे वसति लक्ष्मी:, कर मध्ये सरस्वती। करमूले तू गोविन्द:, प्रभाते कर दर्शनम। यानी हथेली में लक्ष्मी, सरस्वती और गोविंद का वास है। इनके दर्शन से पूरा दिन अच्छा रहता है।

**मन्त्र का ध्यान**

मन्त्र का ध्यान, हथेली देखते हुए इस मंत्र का ध्यान भी करना चाहिए, ताकि आपके मन में लक्ष्मी, सरस्वती और गोविंद की छवि बने।

**सबसे पहले किसे छूयें-**

सबसे पहले किसे छूयें, बिछावना से उतरते समय पांव सीधे जमीन पर में नहीं रखना चाहिए। धरती को माता के समान आदरणीय कहा गया है इसलिए सबसे पहले धरती का स्पर्श करके हथेली को माथे से लगाएं।

**ऊर्जा का संचार-**

ऊर्जा का संचार, ऐसे करने से तन मन में सकारात्मक उर्जा का संचार होता है। अपने कार्य में आप बेहतर प्रदर्शन कर पाते हैं।

# घर में समृद्धि लाएंगे ये उपाय

कडी मेहनत और प्रयासों के बावजूद जब समृद्धि आपसे दूर रहती है तो अपने घर के वास्तु पर ध्यान देना चाहिए। यह संभावित है कि आपकी समृद्धि की राह की रुकावट के लिए घर का वास्तु जिम्मेदार हो। अगर घर में वास्तु दोष है तो आप कुछ आसान उपायों के जरिए उन्हें दूर करके संपन्नता की राह की रुकावट को दूर कर सकते हैं।

**तिजोरी की दिशा :**

अपने घर में तिजोरी को हमेशा दक्षिण और दक्षिण-पश्चिम दीवार के करीब या इस दीवार की अलमारी में रखना चाहिए। इस दिशा में तिजोरी होगी तो वह हमेशा उत्तर दिशा में खुलेगी। उत्तर भगवान कुबेर की दिशा है और उस दिशा में तिजोरी खुलने का अर्थ यही है कि धन के देव कुबेर उसे भरते रहेंगे। तिजोरी या धन की अलमारी को किसी भी अन्य दिशा में रखने से बचें।

**तिजोरी बीम के नीचे न हो:**

किसी भी हाल में धन या तिजोरी बीम के नीचे न हो। ऐसी स्थिति में तिजोरी रखने पर घर में सदैव आर्थिक संकट बना रहता है और बिजनेस में भी नुकसान की आशंका आप पर मंडराती रहती है।

**तिजोरी के सामने आईना :**

धन को बढाने के लिए किए जाने वाले उपायों में यह भी एक उपाय है। जब भी कांच में आप धन को देखते हैं तो वह आपको हमेशा दुगुना नजर आएगा। यह आपकी सकारात्मकता को बढाने का एक उपाय है जो बहुत कारगर है।

**उत्तर-पूर्व दिशा में स्वच्छता:**

यूं तो पूरे घर में ही सफाई का विशेष ध्यान रखना चाहिए ताकि समृद्धि आपके घर में प्रवेश कर सके लेकिन फिर उत्तर-पूर्व दिशा में किसी भी तरह का कचरा न हो इस बात का ख्याल रहे। इस हिस्से में सीढियों के निर्माण से भी बचना चाहिए। उत्तर-पूर्व कोने में मशीनरी जैसी भारी चीजें रखने से बचना चाहिए।

**उत्तर-पूर्व में ऊंची इमारत न हो :**

अपने घर या प्लॉट के उत्तर-पूर्व दिशा में कोई ऊंची इमारत या मंदिर वगैरह के होने को टालना चाहिए। अगर ऐसा होता है तो धन का नुकसान होता है। अगर ऐसी स्थिति हो तो भी इसका तो बहुत ही ध्यान रखें कि उनकी छाया आपके घर या प्लॉट न गिरे।

**गोलाई से बचें :**

उत्तर-पूर्व कोने में घुमावदार दीवार के निर्माण से बचना चाहिए। इस दिशा में अगर बाउंड्री वॉल भी बनवा रहे हैं तो उसमें गोलाई न हो इस बात का ध्यान रखना चाहिए। उसे सही कोण पर मोड देने के बारे में सतर्क रहें।

**छत की ढलान की दिशा:**

छत में हमेशा ढलान दक्षिण पश्चिम से उत्तर-पूर्व की तरफहोना चाहिए। घर बनाते समय इस बात का ध्यान रहे कि छत का उत्तर-पश्चिम हिस्सा थोड सा ऊंचा हो।

# स्त्री शक्ति है 'यिन' और 'यांग' ?

चीनी फेंगशुई के अनुसार, यिन और यांग शक्ति सृष्टि में शांति स्थापित करने के लिए होती हैं। ये एक दूसरे की पूरक होती हैं। लेकिन कभी-कभी ये एक दूसरे की विरोधी भी हो सकती हैं। इनमें एक के बिना दूसरे के अस्तिव नहीं हैं।

**'यिन'** स्त्री शक्ति है जो अंधकारमय और एवं निष्क्रिय होती है। 'यांग' पुरुष शक्ति है जो प्रकाशमय और सक्रिय है।

यह दोनों ठीक वैसे ही हैं जैसे अंधकार में प्रकाश का होना। जैसे जीवन है तो मृत्यु होगी ठीक उसी तरह यिन और यांग शक्तियां एक दूसरे की पूरक हैं।

यिन और यांग के संतुलन से ही सृष्टि में एकरसता होती है। उदाहरण के लिए सूर्य की तेज रोशनी यांग होती है। लेकिन इसे परदे लगाकर कम किया जाए या संतुलित किया जा सकता है।

**ये हैं यिन शक्तियां**

पृथ्वी, चंद्रमा, रात, अंधकार, नीचे, ठंडा, मुलायम, निष्क्रिय, पानी, पीछे, पुत्री और मां।

**ये हैं यांग शक्तियां**

आकाश, सूर्य, दिन, प्रकाश, ऊपर, गरम, कठोर, पिता, पुत्र, आगे, आग और सक्रिय।

# खाली पेट खाएं अंगूर, इन बीमारियों से रहेंगे हमेशा दूर

अंगूर का सेवन बहुत से लोग करते है। भले ही अंगूर टेस्ट में मीठा हो लेकिन इसमें शुगर की बिल्कुल भी मात्रा नहीं होती है। अंगूर में सभी जरूरी पोषक तत्व जैसे जल, सोडियम, पोटेशियम, साइट्रिक एसिड, मैगनेशियम और आयरन मौजूद होते है जो शरी को कई बीमारियों से बचाकर ऱखते है। अगर अंगूर का सेवन सुबह खाली पेट किया जाए तो ज्यादा फायदा मिलता है। हम आपको कुछ ऐसे बीमारियों के बारे में बताएंगे, जिनमें अंगूर का सेवन काफी फायदेमंद होता है।

### माइग्रेन का दर्द

माइग्रेन एक ऐसी बीमारी है, जिसमें सिर का आधा हिस्सा दर्द करने लगता है। अंगूर का जूस माइग्रेन का दर्द दूर करने में सहायक है। इसके अलावा माइग्रेन के दर्द में अंगूर का सेवन करने से भी राहत मिलती है।

### एनीमिया

जब शरीर में खून की कमी हो जाए तो उसे एनीमिया कहते है। एनीमिया का बीमारी को जड़ से खत्म करने के लिए अंगूर सबसे अच्छा तरीका है। रोजाना खाली पेट अंगूर का सेवन करें। इससे काफी फायदा मिलेगा।

### हार्ट अटैक

हार्ट अटैक जैसी गंभीर बीमारियों में भी अंगूर काफी फायदेमंद है। अंगूर का फल हार्ट अटैक के मरीज के लिए एसप्रिन की गोली की तरह काम करता है क्योंकि एसप्रिन की गोली शरीर में खून के थक्के जमने नहीं देती जिससे हार्ट ठीक रहता है। अगर आप भी हार्ट अटैक के मरीज है तो काले अंगूर का रस पिएं।

### कैंसर

अंगूर में पॉली-फेनोलिक फाइटोकेमिकल मौजूद होते है जो शरीर को न केवल कैंसर से, बल्कि कोरोनरी हार्ट डिजीज, नर्व डिजीज, अल्जाइमर और फंगल इन्फेक्शन से लड़ने की क्षमता प्रदान करते हैं।

### रक्तस्राव के बाद क्षतिपूर्ति

शरीर के किसी भी भाग से जब ज्यादजा खून वह जाए तो अंगूर के एक गिलास जूस में दो चम्मच शहद मिलाकर पिएं। इससे रक्त की क्षतिपूर्ति हो जाएगी।

### फोड़े-फुंसियों और मुंहासों से राहत

अंगूर फोड़े-फुंसियों और मुहासों को सुखाने में सहायक होता है। अंगूर के रस के गरारे करने से मुंह के घावों और छाले भी दूर हो जाते है।

# पसीने के दाग मिनटों में हो जाएंगे साफ

## बस करें ये काम

कपड़ों से इंसान के स्टाइल की पहचान होती है। फैशन में बने रहने के लिए लोग महंगे और ब्राडेड आउटफिट्स खरीदते हैं लेकिन उम्स भरे मौसम में पसीने के कारण इन पर दाग पड़ जाते हैं। जिससे आपको कई बार दूसरों के सामने शर्मिंदा भी होना पड़ता है। इन दागों को साफ करना भी कोई आसान काम नहीं है। कई बार तो कपड़ों को रगड़-रगड़ कर यह कमजोर भी हो जाते हैं। इनको आसानी से साफ करने के लिए आप कुछ आसान से टिप्स बता रहे हैं,जिससे आपको बहुत आसानी होगी।

### 1. नमक

पसीने के दाग को आसानी से छुड़ाना है तो 1 कप पानी में 1 चम्मच नमक डाल दें। इसे दाग पर लगा कर हल्के हाथों से रगड़े। बाद में डिश वॉशर के साथ धो लें। दाग साफ हो जाएंगे।

### 2. सिरका

सिरका कपड़े के दाग मिटाने में बहुत फायदेमंद है। कपड़े को धोने से पहले दाग पर थोड़ा-सा सिरका लगाकर हल्के हाथ से रगड़ें। इसके बाद कपड़ों को धो लें।

### 3. नींबू

पसीने के दाग को आसानी और सस्ते में साफ करने के लिए नींबू के रस को पानी में मिलाकर दाग वाली जगह लगा दें और बाद में इसे धो लें।

### 4. बेकिंग सोड़ा

बेकिंग सोड़ा कपड़ों से दाग मिटाने में बहुत कारगर है। आप पसीने के दाग को मिटाने के लिए बेकिंग सोडे को पानी में डालकर भी इस्तेमाल कर सकते हैं।

### 5. एस्पिरिन

पसीने वाले कपड़ों को साफ करने के लिए एस्पिरिन की गोली भी इस्तेमाल कर सकते हैं। पानी में दो एस्पिरिन की गोलियां डालकर इसमें कपडों को 1-2 घंटे के लिए भिगों कर रखें। इसके बाद इन्हें धो लें।

# क्या आप जानते है बालों में तेल लगाने से होते हैं कई नुकसान

हम यही सुनते आएं हैं कि बालों में तेल लगाने कई फायदे हैं।बात सही भी है तेल लगाने से बालों में चमक आने के साथ-साथ टूटे हुए बालों की मरम्मत होती है और बाल घने होते हैं। लेकिन इन फायदों के साथ-साथ तेल लगाने के कई सारे नुकसान भी हैं।हम बालों को मजबूत बनाने के लिए तेल लगाते हैं लेकिन बहुत ज्यादा देर तक लगा रह जाए तो नुकसान करता है।क्योंकि सिर की त्वचा कुछ प्राकृतिक तेल पैदा करती है जिससे नमी बनी रहती है जो अच्छी होती है। लेकिन बहुत ज्यादा देर तक तेल लगाए रखा तो ज्यादा नमी हो जाएगी जिससे फुंसी और दाने होने का डर रहता है।

अगर आप बाल धुलने से कुछ घंटे पहले तेल लगाते हैं या फिर रात में सोते समय बालों और सिर की मसाज करते हैं और सुबह उठते ही धो देते है। इससे आप बालों में नमी की ज्यादा मात्रा होने से बचा देते हैं। इस नमी की वजह से चेहरे पर मुंहासे और दाने होने लगते हैं। सिर पर तेल लगाने से कई बार चेहरे पर भी लग जाता है जिससे गंदगी जमा होती है जो मुंहासे पैदा करता है।जाकारों के मुताबिक बालों में तेल लगाने का समय निश्चित होना चाहिए।बहुत ज्यादा तेल चुपड़ लेने से भी नुकसान होता है। स्कैल्प के हिसाब से तेल लगाएं। उतना ही लगाएं जिससे बाल सारी नमी सोख लें। बहुत ज्यादा चिकनाहट हो जाए तो उसे पोछ लें।

# कैलरी कॉन्शस हैं तो न खाएं पापड़, बढ़ता है मोटापा

आजकल बाजार में तरह-तरह के स्वाद और रंग वाले पापड़ और चिप्स मिल जाएंगे। अक्सर लोग खाने के साथ रोस्टेड पापड़ या फिर तले हुए पापड़ खाना पसंद करते हैं। यहां तक कि कॉकटेल स्नैक के तौर पर भी इन दिनों पापड़ ही सर्व किया जाता है। लेकिन क्या आप जानते हैं कि आपकी जीभ को बेहद पसंद आने वाला यह पापड़ आपकी सेहत के लिए कितना हानिकारक है...

### साफ नहीं होते

पापड़ बनाने वाली कई फैक्ट्रियां साफ नहीं होतीं। इन्हें हाथों से बनाया जाता है और फिर इन्हें सुखाने के लिए धूप में खुले स्थान पर रखा जाता है, जहां इनमें धूल-मिट्टी पड़ती रहती है।

### न खाएं तले पापड़

तले हुए पापड़ों में तेल और फैट दोनों ही अधिक होती है। शोध के अनुसार तले और आग पर भुने हुए पापड़ में एक्रिलामाइड जो एक टॉक्सिन है, उसकी मात्रा बढ़ जाती है। इससे बेचैनी, घबराहट और मूड स्विंग जैसी समस्याएं हो सकती हैं।

### अपच की समस्या

दुकान से खरीदे हुए पापड़ों में अक्सर आर्टिफिशल फ्लेवर और मसाले मिलाए जाते हैं जो कि पेट के लिए खराब तो होते ही हैं साथ में ज्यादा खाने पर अपच भी हो जाती है।

### मोटापे की समस्या

दो पापड़ एक रोटी के बराबर होता है। अगर आप कैलरी नहीं बढ़ाना चाहते हैं तो पापड़ खाने की गलती कभी ना करें।

# इन कारणों से जल्दी खराब हो जाता है स्मार्टफोन, इनसे बचें

स्मार्टफोन का इस्तेमाल तो सभी करते हैं। स्मार्टफोन इस्तेमाल करते समय इसका खराब होना भी आम बात हो गई है। लेकिन क्या आप जानते हैं ज्यादातर फोन कंपनी की गलती से नहीं, बल्कि यूजर की गलती से खराब होते हैं? आगे हम कुछ ऐसी ही गलतियों के बारे में बताने जा रहे हैं, जिसे अक्सर जाने-अनजाने में हम और आप करते हैं और इसका असर स्मार्टफोन पर होता है।

### रात भर चार्जिंग पर रखना

हालांकि, कुछ फोन में यह ऑप्शन होता है कि फुल चार्ज होते ही चार्जिंग बंद हो जाती है, लेकिन हमारे यहां बिजली की स्थिति बहुत अच्छी न होने के कारण पावर हमेशा एक समान नहीं रहता है। ऐसे में रात भर फोन को चार्जिंग में लगाने से फोन और चार्जर दोनों को नुकसान पहुंच सकता है।

### डैशबोर्ड पर फोन रख देना

अक्सर लोग कार के डैशबोर्ड पर फोन रख देते हैं। वे यह नहीं जानते कि ऐसा करना कितना नुकसानदेह है। कार का डैशबोर्ड अक्सर गर्म होता है, जिससे फोन की बैटरी कैपेसिटी कम हो जाती है। यदि ज्यादा गर्म हुआ तो फिर फटने का भी डर रहता है। वहीं गाड़ी मुड़ने के क्रम में गिरने का भी डर रहता है, इसलिए फोन को डैशबोर्ड पर न रखें।

### मेटल कवर का उपयोग

फोन की सुरक्षा के लिए यूजर अक्सर मेटल कवर का उपयोग करते हैं, लेकिन इससे फोन में नेटवर्क की समस्या हो सकती है। मेटल कवर की वजह से फोन का एंटीना बैंड सही तरह से काम नहीं करता है। ऐसे में कवर लगाते समय अच्छी तरह परख लें कि उसमें मेटल का उपयोग न हो।

### नकली चार्जर और ईयरफोन लगाना

अक्सर लोग किसी भी चार्जर को अपने फोन से कनेक्ट कर देते हैं। नकली चार्जर न सिर्फ फोन खराब कर सकता है, बल्कि उसे पूरी तरह से बर्बाद कर सकता है। इतना ही नहीं, किसी दूसरे चार्जर या ईयरफोन के उपयोग से भी बचें, क्योंकि किसी का पिन ढीला होता है, तो किसी का छोटा। इससे फोन का स्लॉट भी खराब हो सकता है।

### कहीं से भी ऐप्स इंस्टॉल करना

एंड्रॉयड फोन में कभी ब्लूटूथ, कभी किसी पीसी से, तो कभी कार्ड से एप इंस्टॉल कर लेते हैं, लेकिन यह नहीं जानते कि कितनी बड़ी भूल कर रहे हैं, क्योंकि इससे थर्ड पार्टी एप स्टोर और साइड लोडिंग की वजह से फोन में वायरस आने का खतरा होता है।

### कहीं भी फोन को रख देना

फोन रखने को लेकर लोग लापरवाह होते हैं। जहां बैठते हैं वहीं रख देते हैं। रखने से पहले यह नहीं देखते कि नीचे का सर्फेस कैसा है। सख्त सर्फेस पर कैमरे और बॉडी पर स्क्रैच पड़ने का खतरा होता है।

# मधुमेह में लाभकारी मखाने के चार दाने

डायबिटीज यानी शुगर की बीमारी। बदलते लाइफस्टाइल में यह रोग इतनी तेजी से फैल रहा है कि ज्यादातर लोग इसकी चपेट में आते चले जा रहे है। यह रोग ऐसा है कि इससे खून में शुगर की मात्रा अधिक हो जाती है, जिससे शरीर में इंसुलिन बनना बंद हो जाता है। यह बीमारी काफी गंभीर है जो आगे चलकर कई बीमारियों की जड़ बनती है। अगर शुगर के मरीज को कोई घाव भी लग जाए तो वह जल्दी से भरने का नाम नहीं लेता। शुगर के मरीज को दवाईयों और टीकों के सहारे जीना पड़ता है लेकिन इस रोग के कुछ घरेलू नुस्खे भी है जिससे इस रोग को जड़ से खत्म किया जा सकता है।

जी हां, आप मखाने के चार दानों का सेवन करके शुगर से हमेशा के लिए निजात पा सकते है। इसके सेवन से शरीर में इंसुलिन बनने लगता है और शुगर की मात्रा कम हो जाती है। फिर धीरे-धीरे शुगर रोग भी खत्म हो जाता है।

### सेवन की विधि

अगर आप जल्द से जल्द मधुमेह को खत्म करना चाहते है तो सुबह खाली पेट चार दाने मखाने खाएं। इनका सेवन कुछ दिनों तक लगातार करें। इससे मधुमेह का रोग तेजी से खत्म होगा।

### दिल के लिए फायदेमंद

मखाना केवल शुगर के मरीज के लिए ही नहीं बल्कि हार्ट अटैक जैसी गंभीर बीमारियों में भी फायदेमंद है। इनके सेवन से दिल स्वस्थ रहता है और पाचन क्रिया भी दुरूस्त रहती है।

### तनाव कम

मखाने के सेवन से तनाव दूर होता है और अनिद्रा की समस्या भी दूर रहती है। रात को सोने से पहले दूध के साथ मखानों का सेवन करें।

### जोड़ों का दर्द दूर

मखाने में कैल्शियम भरपूर मात्रा में होता है। इनका सेवन जोड़ों के दर्द, गठिया जैसे मरीजों के लिए काफी फायदेमंद साबित होता है।

### पाचन में सुधार

मखाना एंटी-ऑक्सीडेंट से भरपूर होता है जो सभी आयु वर्ग के लोगों को आसानी से पच जाता है। इसके अलावा फूल मखाने में एस्?ट्रीजन गुण भी होते हैं जिससे यह दस्त से राहत देता है और भूख में सुधार करने के लिए मददगार है।

### किडनी को मजबूत

फूल मखाने में मीठा बहुत कम होने के कारण यह स्प्लीन को डिटॉक्सीफाइ करता है। किडनी को मजबूत बनाने और ब्लड को बेहतर रखने के लिए खानों का नियमित सेवन करें।

## बालों को रंगने से हो सकती है ये घातक बीमारी

जो महिलाएं बालों को रंगने के लिए रासायनिक रंगों का इस्तेमाल करती हैं, उनमें स्तन कैंसर का खतरा बढ़ रहा है। शोध नुसार, बालों को रंगने के लिए प्रयोग किए गए पदार्थों और हार्मोनल गर्भनिरोधक से महिलाओं में कैंसर की संभावना बढ़ जाती है। गलत लाइफस्टाइल की वजह से औरतों में ज्यादा होता है। रसायनिक रंगों से रंगने के कारण ये खतरा 23% तक बढ़ जाता है।

## रेसिपी

### पनीर दही वड़ा चाट

**सामग्री**

पनीर 200 ग्राम, उबले आलू - 2, अरारोट - 2 टेबल स्पून, तेल - तलने के लिये, हरी मिर्च - 1 (बारीक कटी हुई), अदरक - 1/2 इंच टुकड़ा (कद्दूकस किया हुआ), नमक - 1/2 छोटी चम्मच या स्वादानुसार।

**परोसने के लिये:** दही - 3 - 4 कप, हरी चटनी - 1 कप, मीठी चटनी - 1 कप, लाल मिर्च पाउडर - 1-2 छोटी चम्मच, भूना जीरा - 2-3 टेबल स्पून काला नमक - 2 टेबल स्पून।

**विधि**

एक प्लेट में पनीर को कद्दूकस कर लीजिए, और आलू को छील कर कद्दूकस कर लीजिए, अरारोट डाल कर मिला दीजिए, मिश्रण में नमक, अदरक और हरी मिर्च डालकर अच्छी तरह से मसल मसल कर गूंथ लीजिये। वड़े बनाने के लिए मिश्रण तैयार है। एक कड़ाही में वड़े तलने के लिये तेल डालिये और गरम कीजिये। मिश्रण से थोड़ा सा मिश्रण निकाल कर गोल कीजिये और हथेली से दबाकर चपटा करें, वड़े को गरम तेल में डालिये, 3-4 वड़े बनाकर कढ़ाई में डालिये और वड़ों को पलट-पलट कर सुनहरा होने तक तल लीजिये। तले हुए वड़े किसी प्लेट पर बिछे नैपकिन पेपर पर निकाल कर रख लीजिये। इसी तरह सारे बड़े बनाकर तैयार कर लीजिये। एक प्लेट में 3-4 पनीर वड़े रख दीजिए। अब इसके ऊपर थोड़ी मीठी चटनी और हरी चटनी डाल दीजिए। अब एक बार फिर से दही और थोड़ा सा काला नमक, भूना हुआ जीरा और लाल मिर्च पाउडर बुरक दीजिए।

### केसरी मलाई पेड़ा

**सामग्री**

चार कप दूध,केसर 5-6 धागे, एक चुटकी साइटट्रिक एसिड, थोड़े से दूध से दो चम्मच कार्नफ्लोर गूंदा हुआ

एक चौथाई चम्मच इलायची पाउडर, 10 चम्मच स्वीटनर

थोड़े कटे हुए बादाम

**विधि**

एक गहरा पैन लें इसमें दूध को गाढ़ा होने तक उबालें अब इसमें केसर के धागे डालें और अच्छी तरह से मिलाएं फिर दो चम्मच पानी लें इसमें साइट्रिक एसिड मिलाकर गाढ़ा दूध मिला दें फिर इसमें गूंदा हुआ आटा डालकर मिश्रण के थोड़े पतले होने का इंतजार करें। इसके बाद इसमें इलायची का पाउडर डालकर अच्छी तरह मिलाएं। फिर एक पैन लें और इसमें शुगर फ्री नैचुरल डायट शुगर मिलाकर गर्म करें और ठंडा होने के लिए एक तरफ रख दें और ठंडा होने के बाद मिश्रण में डाल दें फिर इस मिश्रण को बराबर काट लें और उन्हे पेड़े का आकार दें और फिर इन पेड़ो पर बादाम छिड़के अब आपकी शुगर फ्री केसरी मलाई पेड़ा तैयार आप है। इसे खुद भी खाएं और मेहमानो को भी खिलाएं।

खबरें जो सोच बदल दे
शुभ लाभ
हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

संपादकीय

## हिमालयी पानी बम

**नेपाल** की प्रलयंकारी बाढ़ ने हिमालयी सीमा में बसे देशों की सरकारों को ग्लोबल वार्मिंग से निरंतर बनती हिमनद झीलों के भयावह खतरों के प्रति सचेत किया है। यह संकट एक देश की सीमाओं से परे पूरे हिमालयी क्षेत्रों में व्याप्त है। ऐसे में निगरानी तंत्र को मजबूत करने और इसके दायरे में आने वाले देशों, राज्यों और शहरों को समय रहते सूचना देने के लिए एक प्रभावी सिस्टम विकसित करने की सख्त जरूरत महसूस की जा रही है। साल 2013 में केदारनाथ त्रासदी से उपजी तबाही की तस्वीरें आज भी भारतीय जनमानस की स्मृतियों में ताजा हैं। पूर्वी हिमालय स्थित सिक्किम में भी चालीस हिमनद झीलों का पता चला है। चिंता की बात यह है कि इसमें से सोलह को अधिक जोखिम वाली श्रेणी में रखा गया है। इसी तरह हिमाचल प्रदेश में आईआईटी मंडी के एक अध्ययन में लगातार विस्तार ले रही नौ ग्लेशियर झीलों की पहचान की गई थी। कमोबेश उत्तराखंड में भी ऐसी ही स्थिति बनी हुई है जो जलवायु परिवर्तन के चलते तेजी से पिघलते ग्लेशियरों से उपजे संकट की ओर ध्यान खींचती है। आईआईटी के अध्ययन के जरिये तीन हजार पांच सौ मीटर से ज्यादा ऊंचाइयों पर दो हजार से अधिक झीलों का पता चला है। बताया जाता है कि ये झीलें तेजी से बन रही हैं और इनकी संख्या एक दशक पहले की तुलना में 710 अधिक हो गई है। इनका क्षेत्रफल भी लगातार बढ़ रहा है। यह वृद्धि 28 फीसदी बढ़ी बतायी जाती है, जिसके चलते कई रिहायशी इलाकों, शिक्षण संस्थाओं, स्वास्थ्य सुविधाओं और अनेक पुलों पर खतरा मंडरा रहा है। ग्लेशियर टूटने और चट्टानें खिसकने से ये झीलें कितना भयावह रूप ले सकती हैं, उसकी बानगी 26 अगस्त को नेपाल में हुई तबाही में नजर आई है। वहां आज भी हजारों लोग लापता हैं। चट्टानों, पानी, कीचड़ आदि का जो सैलाब घाटियों से गुजरा है, उसने बस्तियों और बुनियादी ढांचे को भारी नुकसान पहुंचाया है। पनबिजली परियोजनाओं की सुरंगों में फंसे लोगों की अभी भी तलाश जारी है। नेपाल हादसे ने पूरी दुनिया का ध्यान खींचा है और बताया है कि ऊंचाई वाली जगहों में झील में बर्फ-चट्टानों के गिरने के बाद इन झीलों को रोकने वाले अवरोध टूटते हैं, जिससे नीचे वाले इलाकों में बेहद तीव्र गति से तबाही आ सकती है। दरअसल, लगातार गर्म होते हिमालय में ग्लेशियरों का पीछे हटना, झीलों का बढ़ना, भूस्खलन और अतिवृष्टि की घटनाएं आपस में मिलकर भयावह स्थिति पैदा करती हैं, जिसका मुकाबला सामान्य आपदा प्रबंधन के उपायों से नहीं किया जा सकता। निस्संदेह, लाखों लोगों का जीवन सुरक्षित करने के लिए ग्लेशियर झीलों के फटने का इंतजार नहीं किया जा सकता। जमीनी स्तर पर निगरानी के साथ ही उपग्रहों के जरिये भी इन झीलों पर नजर रखने की सख्त जरूरत है। रियल-टाइम अर्ली वॉर्निंग सिस्टम को मजबूत करने की आवश्यकता है। इसके अलावा निकासी रास्तों को चिन्हित करने की जरूरत भी है। नीचे नदियों के किनारे बसी बस्तियों व मैदानी इलाकों में बचाव के तौर-तरीकों का नियमित अभ्यास किया जाना चाहिए। इसके साथ ही पुलों, पनबिजली परियोजनाओं और अन्य बुनियादी ढांचों की जांच करके उन्हें अधिक सुरक्षित बनाने की भी जरूरत है। साथ ही इन से जुड़े संभावित खतरों का समय रहते मूल्यांकन किया जाना चाहिए। हिमालयी क्षेत्रों में विकास के नये मॉडल पर भी विचार करने की जरूरत है, जो हिमालयी क्षेत्रों की संवेदनशीलता के अनुरूप हो। इसके लिये जरूरी है कि हिमालयी क्षेत्रों में ऊंचाई वाले संवेदनशील इलाकों में पर्यटन, सड़क और निर्माण कार्यों में पर्यावरण संरक्षण को प्राथमिकता दी जाए। निस्संदेह, जोखिम वाली घाटियों में जितना कम इंफ्रास्ट्रक्चर बनाया जाएगा, किसी प्राकृतिक आपदा में जनधन की हानि उतनी ही कम होगी। अब जबकि वैज्ञानिकों व शोधकर्ताओं ने बचाव के विकल्पों की रूपरेखा सौंप दी है, नीति-नियंताओं को प्राथमिकता के आधार पर इनका क्रियान्वयन सुनिश्चित करना होगा। ध्यान रहे कि यह आसन्न खतरा किसी देश विशेष की सीमा तक सीमित नहीं है। अतः सटीक समयपूर्व चेतावनी देने के लिए विभिन्न देशों के साझे प्रयास जन-धन की हानि टालने वाले साबित हो सकते हैं। इसके लिये मजबूत राजनीतिक इच्छाशक्ति अपरिहार्य शर्त है।

> पूर्वी हिमालय स्थित सिक्किम में भी चालीस हिमनद झीलों का पता चला है। चिंता की बात यह है कि इसमें से सोलह को अधिक जोखिम वाली श्रेणी में रखा गया है। इसी तरह हिमाचल प्रदेश में आईआईटी मंडी के एक अध्ययन में लगातार विस्तार ले रही नौ ग्लेशियर झीलों की पहचान की गई थी। कमोबेश उत्तराखंड में भी ऐसी ही स्थिति बनी हुई है जो जलवायु परिवर्तन के चलते तेजी से पिघलते ग्लेशियरों से उपजे संकट की ओर ध्यान खींचती है। आईआईटी के अध्ययन के जरिये तीन हजार पांच सौ मीटर से ज्यादा ऊंचाइयों पर दो हजार से अधिक झीलों का पता चला है। बताया जाता है कि ये झीलें तेजी से बन रही हैं और इनकी संख्या एक दशक पहले की तुलना में 710 अधिक हो गई है। इनका क्षेत्रफल भी लगातार बढ़ रहा है। यह वृद्धि 28 फीसदी बढ़ी बतायी जाती है, जिसके चलते कई रिहायशी इलाकों, शिक्षण संस्थाओं, स्वास्थ्य सुविधाओं और अनेक पुलों पर खतरा मंडरा रहा है। ग्लेशियर टूटने और चट्टानें खिसकने से ये झीलें कितना भयावह रूप ले सकती हैं, उसकी बानगी 26 अगस्त को नेपाल में हुई तबाही में नजर आई है। वहां आज भी हजारों लोग लापता हैं। चट्टानों, पानी, कीचड़ आदि का जो सैलाब घाटियों से गुजरा है, उसने बस्तियों और बुनियादी ढांचे को भारी नुकसान पहुंचाया है। पनबिजली परियोजनाओं की सुरंगों में फंसे लोगों की अभी भी तलाश जारी है। नेपाल हादसे ने पूरी दुनिया का ध्यान खींचा है और बताया है कि ऊंचाई वाली जगहों में झील में बर्फ-चट्टानों के गिरने के बाद इन झीलों को रोकने वाले अवरोध टूटते हैं, जिससे नीचे वाले इलाकों में बेहद तीव्र गति से तबाही आ सकती है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 2014 में भ्रष्टाचार के संदर्भ में 'न खाऊंगा, न खाने दूंगा' का संकल्प सार्वजनिक रूप से व्यक्त किया था

# भ्रष्टाचार की शपथ से भ्रष्टाचार-मुक्त भारत तक पसरी चुनौतियां

> रिश्वत को 'सुविधा शुल्क', कमीशन को 'व्यवस्था', राजनीतिक पहुंच को 'सिफारिश' और नियम तोड़ने को 'काम निकालने की कला' कहा जाने लगे, तब भ्रष्टाचार केवल कानून की समस्या नहीं रहता, वह सामाजिक संस्कार का संकट बन जाता है। उत्तर प्रदेश के शाहजहांपुर से सामने आया कथित वीडियो इसी भयावह मानसिकता का प्रतीक बनकर हमारे सामने आया है। वीडियो में कुछ लोग नगर निगम की आय को आपस में बांटने की शपथ लेते दिखाई दिए। प्रशासन ने मामले की जांच के आदेश दिए हैं और वीडियो की परिस्थितियों व प्रामाणिकता की जांच की जा रही है। इसलिए अंतिम निष्कर्ष जांच के बाद ही निकाला जाना चाहिए। लेकिन इस घटना का महत्व केवल इतना नहीं है कि उसमें कौन दिखाई दे रहा है और उन्होंने क्या कहा। असली प्रश्न यह है कि क्या भ्रष्टाचार अब इतना निर्भीक हो गया है कि उसे छिपाने के बजाय उसके बंटवारे की भी शपथ ली जा सकती है

**भ्रष्टाचार** के खिलाफ लड़ाई में सबसे खतरनाक क्षण वह नहीं होता जब कोई व्यक्ति चोरी करता है, बल्कि वह होता है जब समाज चोरी को सामान्य मानने लगता है। जब रिश्वत को 'सुविधा शुल्क', कमीशन को 'व्यवस्था', राजनीतिक पहुंच को 'सिफारिश' और नियम तोड़ने को 'काम निकालने की कला' कहा जाने लगे, तब भ्रष्टाचार केवल कानून की समस्या नहीं रहता, वह सामाजिक संस्कार का संकट बन जाता है। उत्तर प्रदेश के शाहजहांपुर से सामने आया कथित वीडियो इसी भयावह मानसिकता का प्रतीक बनकर हमारे सामने आया है। वीडियो में कुछ लोग नगर निगम की आय को आपस में बांटने की शपथ लेते दिखाई दिए। प्रशासन ने मामले की जांच के आदेश दिए हैं और वीडियो की परिस्थितियों व प्रामाणिकता की जांच की जा रही है। इसलिए अंतिम निष्कर्ष जांच के बाद ही निकाला जाना चाहिए। लेकिन इस घटना का महत्व केवल इतना नहीं है कि उसमें कौन दिखाई दे रहा है और उन्होंने क्या कहा। असली प्रश्न यह है कि क्या भ्रष्टाचार अब इतना निर्भीक हो गया है कि उसे छिपाने के बजाय उसके बंटवारे की भी शपथ ली जा सकती है? अगर किसी सार्वजनिक संस्था से जुड़े लोग सार्वजनिक धन को निजी हिस्सेदारी की तरह देखने लगें तो यह लोकतंत्र के लिए अत्यंत गंभीर चेतावनी है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 2014 में भ्रष्टाचार के संदर्भ में 'न खाऊंगा, न खाने दूंगा' का संकल्प सार्वजनिक रूप से व्यक्त किया था। उसके बाद भ्रष्टाचार के विरुद्ध अनेक संस्थागत और डिजिटल उपायों पर जोर दिया गया। केंद्र सरकार ने भी 'जीरो टॉलरेंस' की नीति दोहराई है, लोकपाल को भ्रष्टाचार संबंधी शिकायतों पर कार्रवाई के लिए वैधानिक भूमिका प्राप्त है और केंद्रीय सतर्कता आयोग की भूमिका निगरानी तथा निवारक सतर्कता में महत्वपूर्ण है। फिर भी प्रश्न बचा हुआ है-क्या कानून और तकनीक भ्रष्टाचार को खत्म कर सकते हैं, यदि भ्रष्टाचार की सामाजिक स्वीकार्यता बनी रहे? भ्रष्टाचार का नुकसान केवल सरकारी खजाने को नहीं होता। उसका सबसे बड़ा शिकार वह सामान्य नागरिक होता है जो लाइन में खड़ा है, टैक्स देता है,

नियमों का पालन करता है और बदले में अपनी ही व्यवस्था से न्याय चाहता है। जिस सड़क का निर्माण होना था, वह घटिया बनती है तो नागरिक उसका मूल्य चुकाता है। जिस अस्पताल में दवा उपलब्ध होनी चाहिए, वहां कमी होती है तो गरीब मरीज कीमत चुकाता है। जिस सरकारी कार्यालय में काम समय पर होना चाहिए, वहां रिश्वत मांगी जाती है तो ईमानदार नागरिक की गरिमा पर चोट होती है। ट्रांसप्रेंसी इंटरनेशनल के 2025 करप्शन परशेप्संस इंडेक्स में भारत को 39/100 अंक और 182 देशों में 91वां स्थान मिला। इसी संस्था के उपलब्ध ग्लोबल करप्शन बैरोमीटर आंकड़ों में 39 प्रतिशत सार्वजनिक सेवा उपयोगकर्ताओं ने पिछले 12 महीनों में रिश्वत देने की बात बताई थी, ये आंकड़े 2020 के एशिया सर्वे से संबंधित हैं, इसलिए इन्हें वर्तमान वर्ष की स्थिति का प्रत्यक्ष माप नहीं माना जाना चाहिए। आंकड़े हमें चेताते हैं, लेकिन उससे भी अधिक भयावह वह मानसिकता है जिसमें व्यक्ति भ्रष्टाचार का विरोध तब करता है जब वह स्वयं उसका शिकार बनता है। जब कोई काम पैसे देकर जल्दी हो जाता है, तो वही व्यवस्था हमें सुविधाजनक लगने लगती है। यहीं से भ्रष्टाचार को सामाजिक स्वीकृति मिलती है। भ्रष्टाचार का एक चेहरा आर्थिक है, दूसरा सत्ता-संस्कृति का। राजनीतिक प्रभाव का इस्तेमाल व्यक्तिगत सुविधा के लिए होना भी सार्वजनिक नैतिकता को कमजोर करता है। इसका एक दिखाई देने वाला उदाहरण धार्मिक स्थलों पर वीआईपी दर्शन की संस्कृति है। देश के अनेक प्रमुख मंदिरों में सामान्य श्रद्धालु घंटों कतार में खड़ा रहता है, जबकि प्रभावशाली व्यक्ति विशेष व्यवस्था से दर्शन कर लेता है। यह प्रश्न केवल मंदिर-प्रबंधन का नहीं है, यह समानता की लोकतांत्रिक भावना का प्रश्न है। आस्था में व्यक्ति छोटा-बड़ा नहीं होता। यदि सार्वजनिक व्यवस्था में पद, पैसा और पहुंच सामान्य नागरिक के अधिकार से ऊपर खड़े होने लगें तो लोकतंत्र का मूल भाव कमजोर पड़ता है। जरूरत इस बात की है कि विशेष परिस्थितियों-जैसे सुरक्षा, दिव्यांगता, बुजुर्गों या विशिष्ट आधिकारिक दायित्व को छोड़कर वीआईपी संस्कृति को धीरे-धीरे समाप्त करने की दिशा में स्पष्ट मानक बनाए जाएं। लोकतंत्र का अर्थ यह नहीं कि कुछ लोग हमेशा आगे रहें और बाकी नागरिक हमेशा कतार में। आज डिजिटल इंडिया ने अनेक सेवाओं को ऑनलाइन बनाया है। इससे पारदर्शिता बढ़ाने और प्रत्यक्ष संपर्क घटाने में मदद मिली है। लेकिन जहां प्रक्रिया अस्पष्ट है, अधिकारी के पास अत्यधिक विवेकाधिकार है या शिकायत का प्रभावी समाधान नहीं है, वहां डिजिटल व्यवस्था के बावजूद भ्रष्टाचार के नए रास्ते निकल सकते हैं। जीएसटी जैसे जटिल कर-प्रशासन में भी पारदर्शिता, स्पष्ट नियम, जोखिम-आधारित जांच और अधिकारी की जवाबदेही अत्यंत जरूरी हैं। इसका अर्थ यह नहीं कि पूरा विभाग भ्रष्ट है, बल्कि किसी भी बड़े प्रशासनिक तंत्र में व्यवस्था ऐसी होनी चाहिए कि ईमानदार अधिकारी सुरक्षित रहे और भ्रष्ट आचरण छिपा न सके। भ्रष्टाचार का इलाज केवल छापे और निलंबन नहीं है। इलाज है-कम विवेकाधिकार, अधिक पारदर्शिता, समयबद्ध सेवा, डिजिटल ट्रैकिंग, स्वतंत्र शिकायत-निवारण और निश्चित जवाबदेही। आज जरूरत एक नई शपथ की है। ऐसी शपथ जो केवल समारोह में न ली जाए, बल्कि हर दिन प्रशासनिक निर्णय में दिखाई दे-सरकारी पद सुविधा नहीं, जिम्मेदारी है। जनता से मिला अधिकार निजी लाभ का साधन नहीं, लोकसेवा का अवसर है। सार्वजनिक धन पर पहला अधिकार जनता का है। न रिश्वत लेंगे, न दिलाएंगे, न किसी भ्रष्ट व्यक्ति को संरक्षण देंगे। और यदि हमारे सामने भ्रष्टाचार होगा तो मौन रहना भी अपनी जिम्मेदारी से भागना माना जाएगा। राजनेताओं के लिए भी सबसे बड़ी कसौटी चुनाव जीतना नहीं, सार्वजनिक विश्वास को बनाए रखना होनी चाहिए। राजनीतिक दलों को आरोप सिद्ध होने की प्रतीक्षा के साथ-साथ नैतिक आचरण के स्पष्ट मानक भी विकसित करने होंगे। प्रशासनिक अधिकारियों को भी यह संदेश देना होगा कि ईमानदारी केवल व्यक्तिगत गुण नहीं, संस्थागत संस्कृति है। भ्रष्टाचार केवल नेता या अधिकारी पैदा नहीं करते। उसकी जमीन समाज में भी तैयार होती है। जब हम अपने बच्चे को कहते हैं-"किसी तरह काम करा लो", जब हम नियम तोड़कर गर्व महसूस करते हैं, जब हम अपने परिचित के लिए नियम बदलवाना चाहते हैं, जब हम रिश्वत देकर अपना काम जल्दी करवाकर खुश होते हैं-तब हम उसी व्यवस्था को मजबूत करते हैं जिसकी शिकायत अगले दिन करते हैं। इसलिए भ्रष्टाचार के विरुद्ध लड़ाई सरकार बनाम जनता की लड़ाई नहीं हो सकती। यह सरकार, प्रशासन, राजनीतिक दल, न्याय व्यवस्था, मीडिया, उद्योग और नागरिक-सभी की साझा जिम्मेदारी है।

देश दुनिया से

## इंजीनियरिंग के कल से आज और आज से कल तक

**हर** युग अपनी पहचान अपने निर्माणों से छोड़ता है; लेकिन आने वाला समय यह पूछेगा कि इन निर्माणों ने इंसान की जिंदगी को कितना बेहतर बनाया। पुराने इंजीनियरों ने सड़कें, बाँध, रेल और कारखाने बनाए; नई पीढ़ी कृत्रिम बुद्धिमत्ता, रोबोटिक्स और डिजिटल दुनिया रच रही है। कभी उसके हाथ में मिट्टी, पत्थर और लोहा था, आज डेटा, एल्गोरिद्म और स्क्रीन हैं। साधन बदल गए, जिम्मेदारी वही है—तकनीक जीवन आसान बनाए, इंसान को उसका गुलाम नहीं। इंजीनियर्स डे केवल उपलब्धियों का उत्सव नहीं, भविष्य की दिशा तय करने का अवसर है। हर नए निर्माण से पहले सवाल होना चाहिए—"क्या यह केवल बन सकता है, या बनना भी चाहिए?" क्योंकि राष्ट्र की वास्तविक प्रगति निर्माणों की ऊँचाई से नहीं, लोगों के सुरक्षित, सम्मानजनक और बेहतर जीवन से मापी जाती है। पुराने इंजीनियरों का समय कम चमकीला था, शायद इसलिए उनमें चमक अधिक थी। वे नदी के किनारे उसकी चाल समझते, खेतों की धूल में उतरते, पहाड़ काटते और नींव में जाकर देखते थे कि धरती कितना भार सह सकती है। उनकी गणना में बारिश, पानी, मिट्टी और भार का हिसाब होता था; ठेकेदार का कमीशन नहीं। वे सड़क बनाते थे तो श्रेय सड़क को देते थे, खुद को नहीं। उनकी डायरी में आँकड़े थे, आत्मप्रचार नहीं। राष्ट्र उनके लिए कोई प्रस्तुति नहीं, निर्माणाधीन जिम्मेदारी था। वे जानते थे कि एक गलत कोण वर्षों की मेहनत को मलबे में बदल सकता है। इसलिए इंजीनियरिंग उनके लिए नौकरी नहीं, जिम्मेदारी थी। आज का इंजीनियर भी कम प्रतिभाशाली नहीं; उसके औजार बदल गए हैं। वह ऐसी दुनिया रच रहा है जहाँ शहर, घर और फोन स्मार्ट हैं—कभी-कभी मनुष्य को छोड़कर। ऐप एक क्लिक में

खाना पहुँचा देता है, पर यह नहीं पूछता कि उसे खरीदने की क्षमता कितनों के पास है। स्मार्ट सिटी के कैमरे हर चेहरा पहचान लेते हैं, पर पानी की कतार में खड़े चेहरे को नहीं। डेटा समुद्र-सा बढ़ रहा है, समझ कुएँ-सी सूख रही है। पुराने इंजीनियर बाँध बनाकर बाढ़ रोकते थे; आज के इंजीनियर उसका लाइव डैशबोर्ड बना सकते हैं। सुविधा बढ़ी है, पर क्या मनुष्य भी उतना ही सुरक्षित, सम्मानित और सुखी हुआ है? इंजीनियरिंग का विचित्र विरोधाभास है—इंजीनियर सुविधा बनाता है और फिर उसका गुलाम बन जाता है। पहले सर्वे के लिए धूप में चलना पड़ता था, अब उपग्रह तस्वीर भेज देता है। पहले रस्सी और पैमाने से नापते थे, अब सेंसर है। पहले चिट्ठी जाती थी, अब संदेश सेकंड में पहुँचता है। फिर भी मनुष्य के पास एक-दूसरे के लिए समय कम है। पहले प्रोजेक्ट की सफलता थी—सड़क टिके, पुल भार सहे और बिजली गाँव पहुँचे। अब उसमें प्रस्तुति, ब्रांडिंग, निवेश और लाइक्स भी जुड़ गए हैं। पहले इंजीनियर पूछता था—"यह टिकेगा कितने साल?" आज बाजार पूछता है—"यह बिकेगा कितने दिन?" गणित वही है, पर गणना का उद्देश्य बदल गया है। इंजीनियर समस्या हल करता है, यही उसकी ताकत है; हर समाधान नई समस्या भी ला सकता है, यही उसकी चुनौती है। नहरों से खेत हरे हुए, पर विकास का लाभ सब तक नहीं पहुँचा। इंटरनेट ने ज्ञान की दीवारें तोड़ीं, तो अफवाहों के दरवाजे भी खोल दिए। मशीन ने श्रम घटाया, पर निर्भरता बढ़ा दी। एल्गोरिद्म हमारी पसंद समझने लगा और धीरे-धीरे तय भी करने लगा। इंजीनियर ने मशीन बनाई, मशीन ने आदत बनाई और आदत ने मनुष्य को उपयोगकर्ता बना दिया। यह प्रगति है या उसका विज्ञापन—फैसला विवेक करेगा। क्योंकि जो तकनीकी रूप से संभव है, जरूरी नहीं कि सामाजिक रूप से उचित भी हो। आज इंजीनियरिंग की सबसे बड़ी जरूरत नई मशीन नहीं, पुरानी नैतिकता है। पुल की डिजाइन में भार की सीमा तय होती है; समाज पर लालच, लापरवाही और स्वार्थ का भार कौन तय करेगा? कोड में गलती हो तो सिस्टम रुकता है, चरित्र में हो तो व्यवस्था चलती रहती है—गलत दिशा में। भ्रष्टाचार, घटिया निर्माण और कागज पर पूरे, जमीन पर अधूरे प्रोजेक्ट मनुष्य की त्रुटियाँ हैं। इंजीनियर को तकनीकी दक्षता के साथ सामाजिक विवेक चाहिए। नक्शे पर सीधी रेखा आसान है, पर उसके रास्ते में घर, खेत, पेड़ और लोगों की जिंदगी होती है। असली इंजीनियर वही है, जिसकी गणना में इंसान की सुरक्षा और गरिमा भी हो। पंद्रह सितंबर केवल इंजीनियरों को "राष्ट्र निर्माता" कहने का दिन नहीं; यह पूछने का दिन है—राष्ट्र किसका बन रहा है और उसमें कौन सुरक्षित रहेगा? पुराने इंजीनियरों ने लोहे-सीमेंट से भारत की आधारभूत संरचना खड़ी की; नए इंजीनियरों को डेटा-तकनीक से उसका मानवीय भविष्य बनाना है। पुल किनारों के साथ समुदायों को जोड़ें; तकनीक समय बचाने के साथ जीवन बेहतर करे। इंजीनियर की असली परीक्षा मशीन में नहीं, लोगों की जिंदगी में आए बदलाव में है। सबसे बड़ी उपलब्धि नाम वाली परियोजना नहीं, बल्कि वह जीवन है जो उसके काम से अधिक सुरक्षित, सक्षम और सम्मानजनक हुआ हो। आखिर इंजीनियरिंग की सबसे कठिन गणना है—तकनीक की दौड़ में मनुष्य कितना बचा? पुल की मजबूती स्टील, भवन की कंक्रीट और सर्वर की क्षमता डेटा से मापी जा सकती है; लेकिन सभ्यता की मजबूती संवेदना से। इंजीनियर के सामने चुनौती केवल तकनीकी समाधान की नहीं, यह तय करने की भी है कि वह समाज और मनुष्य के लिए कितना उपयोगी, सुरक्षित और न्यायपूर्ण है। हर नई तकनीक सुविधा के साथ निर्भरता और जोखिम भी लाती है। अब फैसला है—तकनीक मनुष्य की सहायक बनेगी या मनुष्य उसका पुर्जा? इंजीनियर्स डे पर सम्मान यही होगा कि हर नया ढाँचा खड़ा करने से पहले इंजीनियर पूछे—"क्या यह केवल बन सकता है, या बनना भी चाहिए?" क्योंकि राष्ट्र की मजबूत इमारत वही है, जिसकी नींव में तकनीक के साथ मनुष्यता भी सुरक्षित हो।

आप का नज़रिया

## जीएसटी दर का सरलीकरण सही कदम

**बसंत** वुमार जीएसटी काउंसिल की 47वीं बैठक में लिए गए जीएसटी दरों में सुधार जहां एक ओर आम आदमी को राहत देंगे वहीं दूसरी ओर भारत सरकार पर आर्थिक बोझ भी बढ़ा सकते हैं पर यह बात तो निाति है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अमेरिका के ट्रम्प प्रशासन के टैरिफ बढ़ोतरी के पैसले से भारतीय अर्थव्यवस्था पर बढ़ते दबाव से निपटने की दिशा में एक सही कदम उठाया है। जीएसटी दर का सरलीकरण सही कदम पिछले सप्ताह देश की वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण की अध्यक्षता में वस्तु और सेवाकर (जीएसटी) परिषद की 47वी बैठक में जीएसटी दर संरचना को सरल बनाने के लिए बड़े पैमाने पर कईं उपयोगी वस्तुओ पर दर में कमी करते हुए कईं वस्तुओं और सेवाओं की दरों में बढ़ोत्तरी की गईं है। इसके व्यापक असर को समझने के लिए यह जानना जरूरी है कि वर्ष 2016 में दोनों सदनों द्वारा 122 वा संशोधन विधेयक पारित करने के पात वस्तु और सेवाकर (जीएसटी) व्यवस्था लागू करने का वास्तविक उद्देश्य क्या था। दोहरे कराधान, करो के व्यापक प्रभाव, करो की विपक्ष बहुलता को समाप्त करते हुए एक राष्ट्रीय कर व्यवस्था का निर्माण करना। इसका मुख्य उद्देश्य वेंद्र और राज्यों तथा वेंद्र शाशित प्रदेश के बीच कर की डरो में सामंजस्य स्थापित करना था। कर दाताओं के पंजीकरण के लिए समान्य प्र्वरियाओं, करो की वापसी, कर रिटर्न के सामान्य प्रारूप, सामान्य कर आधार को सुनिाति करना था। अब प्रश्न उठता है कि हाल के दिनों में हुए जीएसटी सुधार से आम आदमी के जीवन में क्या फर्व पड़ने वाला है। सरकार का कहना है कि हाल ही के जीएसटी संसाधनों से आय में 48 हजार करोड़ रुपए का असर देखने को मिलेगा। भारतीय स्टेट बैंक की अपनी नवीनतम शोध रिपोर्ट में कहा गया है कि जीएसटी सुधार के कारण कईं वस्तुओं पर करो की कमी से 37000 करोड़ रुपए के राजस्व का नुकसान होने की संभावना है। इन संशोधनों से जीएसटी दरों के 4टियर सिस्टम को समाप्त करके टू टियर सिस्टम लागू करने का निर्णय लिया गया है जिसके अनुसार नईं दरें 18™ और 5™ के बीच होंगी। सरकार के इस कदम से कर्ज घटाने की प्र्वरिया पर शीघ्र ही असर दिखेगा। वही फिसकल वंसोलिडेशन या फ़िसकल डिफिसिट घटाने की कोशिश पर इसका असर देखने को मिलेगा और भारतीय व्रोडिट पर मिला जुला असर होगा। मूडी जो एक वैश्विक वित्तीय सेवा कम्पनी है जो मुख्य रूप से ोडिट रेटिग शोध और डेटा प्रदान कराती है और निगमों और सरकारों की साख का मूल्यांकन करते हैं। मुद्दा की निवेशक सेवा वाणिज्यिक और सरकार संस्थाओं के द्वारा जारी किए गए बांडों पर वित्तीय अनुसंधान प्रदान करती है। जीएसटी संसाधनों पर मूडीज ने क्या कहा यह भी जानना आवश्यक है। मूडीज ने इन संसाधनों पर वुछ आशंकाएं व्यत्त की है। उन्होंने कहा है कि यह सही है कि दरो में कटौती से निजी खपत को बढ़ावा मिलेगा और अर्थ व्यवस्था पर इसका सकारात्मक असर भी दिखेगा पर करो की दर घटने से सरकार की आय घटना कि आशंका से इंकार नहीं किया जा सकता। जीएसटी घरेलू खपत को बढ़ावा देने से आर्थिक वृद्धि के सहायक तो होगी क्योंकि जब कीमतें कम होती है तो तो लोग ज्यादा खरीद दारी करते हैं इस कदम को अमेरिका द्वारा भारतीय मॉल पर ऊंचे टैरिफ से निपटने के उपाय के रूप में देखा जा रहा है। देश विदेशी के अर्थ शास्त्र के जानकारों ने जीएसटी काउंसिल के सुधारो की जम कर तारीफ की है। उनके अनुसार इन नए सुधारों से देश की अर्थ व्यवस्था को बढ़ावा मिलने की उम्मीद है। उनके कथनानुसार ये सुधार मांग बढ़ाने और घरेलू उत्पादन को मजबूत करने की एकदम सही पॉलिसी है।

> दोहरे कराधान, करो के व्यापक प्रभाव, करो की विपक्ष बहुलता को समाप्त करते हुए एक राष्ट्रीय कर व्यवस्था का निर्माण करना। इसका मुख्य उद्देश्य वेंद्र और राज्यों तथा वेंद्र शाशित प्रदेश के बीच कर की डरो में सामंजस्य स्थापित करना था। कर दाताओं के पंजीकरण के लिए समान्य प्र्वरियाओं, करो की वापसी, कर रिटर्न के सामान्य प्रारूप, सामान्य कर आधार को सुनिाति करना था। अब प्रश्न उठता है कि हाल के दिनों में हुए जीएसटी सुधार से आम आदमी के जीवन में क्या फर्व पड़ने वाला है। सरकार का कहना है कि हाल ही के जीएसटी संसाधनों से आय में 48 हजार करोड़ रुपए का असर देखने को मिलेगा। भारतीय स्टेट बैंक की अपनी नवीनतम शोध रिपोर्ट में कहा गया है कि जीएसटी सुधार के कारण कईं वस्तुओं पर करो की कमी से 37000 करोड़ रुपए के राजस्व का नुकसान होने की संभावना है। इन संशोधनों से जीएसटी दरों के 4टियर सिस्टम को समाप्त करके टू टियर सिस्टम लागू करने का निर्णय लिया गया है जिसके अनुसार नईं दरें 18™ और 5™ के बीच होंगी। सरकार के इस कदम से कर्ज घटाने की प्र्वरिया पर शीघ्र ही असर दिखेगा। वही फिसकल वंसोलिडेशन या फ़िसकल डिफिसिट घटाने की कोशिश पर इसका असर देखने को मिलेगा और भारतीय व्रोडिट पर मिला जुला असर होगा। मूडी जो एक वैश्विक वित्तीय सेवा कम्पनी है जो मुख्य रूप से ोडिट रेटिग शोध और डेटा प्रदान कराती है और निगमों और सरकारों की साख का मूल्यांकन करते हैं।

कुछ अलग

## राष्ट्रीयता का सेतु

**काका** कालेलकर जी का जन्म महाराष्ट्र में हुआ था। पढ़ते-पढ़ते उन्हें हिंदी भाषा से अत्यंत लगाव हो गया। उन्होंने हिंदी में अपने ज्ञान को बढ़ाया और सृजन भी करना शुरू कर दिया। वर्ष 1928 से 1935 तक वे गुजरात विद्यापीठ के आचार्य एवं कुलनायक रहे। उन्होंने शिक्षाशास्त्री के रूप में अपार ख्याति प्राप्त की। वे सात भाषाओं के जानकार थे। भाषाशास्त्री काका साहेब को 'भाषा शिल्पी' कहकर पुकारते थे। उनकी शब्द-शक्ति गजब की थी। कुमार-मंदिर, विद्या-मंदिर, स्नातक, विनीत, समिति, नियामक सभा, अन्वेषक, ध्यानमंत्र आदि शब्द उन्हीं की देन हैं। एक बार गांधी जी ने उन्हें 'दक्षिण भारत हिंदी प्रचार सभा' में हिंदी के प्रचार-प्रसार के लिए चेन्नई भेजा। वहां के स्थानीय नेताओं और विद्यार्थियों ने उनसे पूछा, 'आप मराठी होकर भी हिंदी का प्रचार-प्रसार क्यों कर रहे हैं?' तब उन्होंने विनम्रता से कहा, 'राष्ट्र को जोड़ने के लिए किसी ऐसी भाषा की आवश्यकता होती है।

दृष्टि कोण

# शब्दों पर पहरा नहीं, फिर भी आवाज़ें कम क्यों होती जा रही हैं?

**आपने** सच लिखा, किसी ने झूठ नहीं कहा—बस आपकी आवाज को रास्ते से हटा दिया। यही डिजिटल दौर की नई विडंबना है। मेटा के फेसबुक और इंस्टाग्राम पर अभिव्यक्ति का मंच खुला है, लेकिन आपकी बात कितनी दूर जाएगी, यह 'कम्युनिटी स्टैंडर्ड' तय कर सकता है। सरकार की नीति पर सवाल, किसी फैसले की आलोचना या व्यवस्था की कमी सामने रखते ही पोस्ट हट सकती है, पहुंच घट सकती है और अकाउंट प्रतिबंधित हो सकता है। फिर एक संदेश आता है—'आपकी सामग्री हमारे नियमों के विरुद्ध है।' मगर नियम किसने बनाए, किस आधार पर लागू हुए और फैसला किसने सुनाया—इसका जवाब देने वाला कोई दिखाई नहीं देता। डिजिटल दरबार में अभिव्यक्ति की आज़ादी का फैसला किसके हाथ में है? अगस्त 2026 में पत्रकारों, राजनेताओं, स्वतंत्र टिप्पणीकारों और कुछ राजनीतिक संगठनों के पोस्ट व अकाउंट्स पर कार्रवाई ने गंभीर सवाल खड़े किए। मुद्दा पोस्ट हटने का नहीं, पारदर्शिता का है। नागरिक को पता होना चाहिए कि उसकी अभिव्यक्ति किस नियम की किस धारा से टकराई। मगर यहाँ फैसला पहले आता है, कारण बाद में भी आए तो कृपा समझिए। निर्णय स्वचालित प्रणाली, स्थानीय टीम या कानूनी अनुरोधों के दबाव में हुआ—स्पष्ट नहीं। आईटी नियमों और सरकारी अनुरोधों का जिक्र है, फिर भी पारदर्शिता कम है। मेटा के डेटा के अनुसार भारत में नफरत वाली सामग्री पर प्रोएक्टिव कार्रवाई वैश्विक औसत से कम रही है। सवाल है—एल्गोरिदम अंधा है या उसकी आँखों पर सुविधा का चश्मा है? पहले सेंसरशिप

सामने थी, अब स्क्रीन के पीछे है। किताब जब्त होती थी, अखबार रोका जाता था, छपाई पर पहरा होता था। विरोध करने वाला जानता था कि सामने कौन है। डिजिटल युग में सेंसरशिप अभिवादन करके आती है। पोस्ट रहती है, पर पहुँच गायब हो जाती है। अकाउंट चलता है, पर लोग देख नहीं पाते। लेखक लिखता रहता है और इंटरनेट को व्यस्त समझता है। इसे 'शैडोबैन', 'रिसट्रिक्शन' या तकनीकी नाम दें; नतीजा एक है—आवाज मौजूद होकर भी सार्वजनिक नहीं रहती। यह उस लेखक जैसा है जिसकी किताब छपे, पर सारी प्रतियाँ गोदाम में बंद रहें। आपको बोलने दिया जाता है, बस आपकी बात सुनाई नहीं देती। वैश्विक नियमों की असली परीक्षा अलग-अलग देशों में होती है। मेटा की नीतियां वैश्विक हैं, पर 'समान न्याय' का सवाल बना रहता है। अलग राजनीतिक-सामाजिक परिस्थितियों में इनका लागू होना एक जैसा नहीं। अमेरिका में अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता और भारत में सरकार, समाज व कानून के दबाव की वास्तविकता अलग है। भारत के आईटी नियम प्लेटफॉर्म पर दबाव डाल सकते हैं, सरकार वैधानिक शक्ति इस्तेमाल कर सकती है और प्लेटफॉर्म कारोबारी हित व नियामकीय जोखिम देखता है। सबसे कमजोर नागरिक है—न मंत्रालय, न अरबों डॉलर की कंपनी, न एल्गोरिदम की चाबी। उसके पास केवल एक पोस्ट है—कभी-कभी वह भी नहीं बचती। मंच वही सार्थक है, जहाँ हर आवाज को जगह मिले। मेटा स्वयं को अभिव्यक्ति का मंच कहता है। मंच पर सहमति और असहमति—दोनों सुनाई देनी चाहिए। लेकिन जब मंच का मालिक तय करने लगे कि कौन-सी आलोचना स्वीकार्य है और कौन-सी नहीं, तो वह संपादक, निर्णायक और प्रहरी—तीनों बन जाता है। 'हेट स्पीच' और 'गलत सूचना' रोकना जरूरी है; हिंसा और घृणा को अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता नहीं कहा जा सकता। लेकिन सत्ता की आलोचना को उसी श्रेणी में रखना लोकतंत्र के लिए खतरनाक है। कसौटी यही है कि नियम सत्ता समर्थक और सत्ता विरोधी—दोनों पर समान लागू हों।

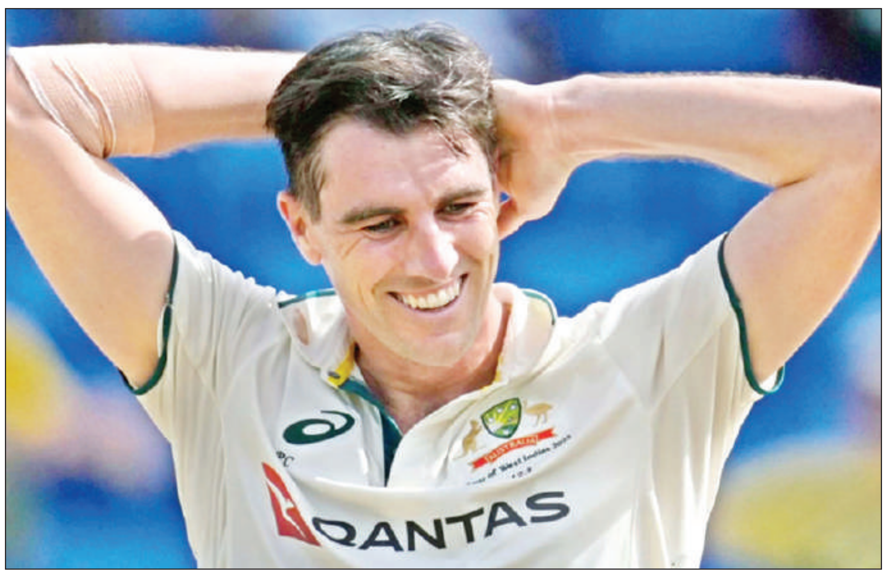

# सैंडपेपर गेट विवाद के बाद दक्षिण अफ्रीका में आस्ट्रेलिया की पहली टेस्ट सीरीज

**नई दिल्ली**

आस्ट्रेलियाई क्रिकेट टीम का दक्षिण अफ्रीका दौरा 24 सितंबर से शुरू हो रहा है, जिसमें तीन वनडे और तीन टेस्ट मैच खेले जाएंगे। यह दौरा 2018 के बहुचर्चित सैंडपेपर गेट विवाद के बाद आस्ट्रेलिया का दक्षिण अफ्रीका में पहला टेस्ट सीरीज दौरा है। इस पृष्ठभूमि में, आस्ट्रेलियाई कप्तान पैट कमिंस का मानना है कि इस दौरे पर उनकी टीम को कुछ मुश्किलों का सामना करना पड़ सकता है। कमिंस ने कीपिन इट क्रिकेट पाडकास्ट के दौरान कहा, टेस्ट सीरीज के दौरान थोड़ी दुश्मनी हो सकती है।

## कप्तान पैट कमिंस को मुश्किलों का अनुमान

लेकिन यह एशेज सीरीज से ज्यादा शोरगुल वाला नहीं हो सकता, जैसे बर्मिंघम के एजबेस्टन का हालीज स्टैंड बहुत शोरगुल वाला हो जाता है।

दक्षिण अफ्रीका में टेस्ट खेलने के अपने अनुभव पर पैट कमिंस ने कहा कि दर्शक दीर्घा के कुछ हिस्से अक्सर उग्र हो जाते हैं, लेकिन उन्होंने यह सब पहले भी देखा है। उन्होंने यह भी जोड़ा कि एक कप्तान के तौर पर वह मैदान के बीच में रहेंगे और सीधे दर्शकों के संपर्क में नहीं आएंगे। कमिंस ने विश्वास व्यक्त किया कि अब तक वह विवाद शांत हो गया होगा और उनकी टीम का पूरा ध्यान क्रिकेट पर रहेगा।

उन्होंने कहा, हर कोई आगे बढ़ जाता है। अच्छी बात यह है कि तीन टेस्ट मैचों में, आप क्रिकेट में पूरी तरह से फंस जाते हैं, और हर कोई बहुत जल्दी क्रिकेट के बारे में चिंता करने लगता है। मुझे यकीन है कि भीड़ में कुछ गुस्सैल लोग होंगे, और कुछ लेख या मीडिया में ऐसी बातें सामने आएंगी, लेकिन हमारा समूह आगे बढ़ गया है।

2018 में हुए बाल-टैम्परिंग (गेंद से छेड़छाड़) के मुद्दे ने आस्ट्रेलियाई क्रिकेट को गंभीर संकट में डाल दिया था, जिसके बाद स्टीव स्मिथ और डेविड वार्नर पर एक साल का और कैमरन बैनक्राफ्ट पर नौ महीने का प्रतिबंध लगा था। वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप के फाइनल में पहुंचने के लिहाज से आस्ट्रेलिया और दक्षिण अफ्रीका दोनों ही टीमों के लिए यह सीरीज बेहद अहम है। यह टेस्ट सीरीज अपने ऐतिहासिक संदर्भ और दोनों टीमों की मौजूदा स्थिति के कारण बेहद रोमांचक होने वाली है और दुनियाभर के क्रिकेट प्रशंसकों की इस पर खास नजर रहेगी।

## न्यूज ब्रीफ

### लियोनेल मेसी की अर्जेंटीना टीम में वापसी, 6 अक्टूबर को होगा विदाई मुकाबला

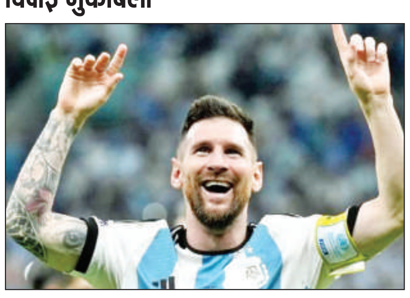

**नई दिल्ली।** अंतरराष्ट्रीय फुटबाल से संन्यास की घोषणा के कुछ सप्ताह बाद दिग्गज खिलाड़ी लियोनेल मेसी को अक्टूबर में होने वाले मैत्री मुकाबलों के लिए अर्जेंटीना की टीम में शामिल किया गया है। अर्जेंटीना फुटबाल संघ के अध्यक्ष क्लाउडियो तापिया ने पुष्टि की है कि मेसी को राष्ट्रीय टीम के लिए विदाई मुकाबला खेलने का निमंत्रण दिया गया है। तापिया ने सोशल मीडिया पर कहा, हमने दुनिया के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी, अपनी टीम के आइकन और कप्तान लियोनेल मेसी को छह अक्टूबर को अर्जेंटीना में अपनी टीम के लिए एक योग्य विदाई के लिए खेलने का निमंत्रण दिया है। अर्जेंटीना अक्टूबर के अंतरराष्ट्रीय विंडो के दौरान तीन घरेलू मैत्री मुकाबले खेलेगा। मेसी के छह अक्टूबर को ब्यूनस आयर्स में बेनिन के खिलाफ होने वाले मुकाबले में खेलने की उम्मीद है। इससे पहले अर्जेंटीना 30 सितंबर को कार्डोबा में बोलीविया और तीन अक्टूबर को ब्यूनस आयर्स में बुर्किना फासो का सामना करेगा। मेसी ने हाल ही में अंतरराष्ट्रीय फुटबाल से संन्यास की घोषणा की थी। ऐसे में छह अक्टूबर का मुकाबला उनके लिए राष्ट्रीय टीम की जर्सी में विदाई का अवसर बन सकता है। अर्जेंटीना की टीम में लिएंड्रो पेरेदेस, नाहुएल मोलिना और थियागो अल्माडा शामिल नहीं होंगे।

### दीपेंद्र सिंह ऐरी के नाम टी20 इंटरनेशनल में सबसे तेज अर्धशतक, तोड़ना है बेहद मुश्किल

**नई दिल्ली।** टी20 इंटरनेशनल क्रिकेट में सबसे तेज अर्धशतक का रिकार्ड आज भी एक ऐसे बल्लेबाज के नाम दर्ज है, जिसे तोड़ना वैभव सूर्यवंशी और अभिषेक शर्मा जैसे विस्फोटक खिलाड़ियों के लिए भी बेहद मुश्किल साबित हो सकता है। यह रिकार्ड नेपाल के धुरंधर खिलाड़ी दीपेंद्र सिंह ऐरी के नाम है, जिन्होंने 27 सितंबर, 2023 को मंगोलिया के खिलाफ सिर्फ 9 गेंदों में अर्धशतक जड़कर इतिहास रचा था। वह दुनिया के एकमात्र बल्लेबाज हैं, जिन्होंने 10 या इससे कम गेंदों में फिफ्टी पूरी की है। उस मैच को नेपाल ने 273 रनों के विशाल अंतर से जीता था, जहां दीपेंद्र की यह पारी एक महत्वपूर्ण आकर्षण रही थी। इस लिस्ट में दूसरे स्थान पर भारतीय क्रिकेट के दिग्गज युवराज सिंह हैं, जिन्होंने 2007 में इंग्लैंड के खिलाफ 12 गेंदों में अर्धशतक लगाया था, जो लंबे समय तक एक विश्व रिकार्ड रहा था। उनके अलावा, आस्ट्रिया के अबदुल्लाह कोटवा भी 12 गेंदों में अर्धशतक जड़कर इस खास क्लब में शामिल हैं। हाल के समय में, भारतीय युवा बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी अपनी आक्रामक बल्लेबाजी के लिए क्रिकेट जगत में मशहूर हुए हैं। उन्होंने इसी साल जिम्बाब्वे दौरे पर 18 गेंदों में अर्धशतक जड़ा था, जो उनका टी20 इंटरनेशनल में अब तक का सबसे तेज अर्धशतक है। हालांकि, उन्हें अभी गिनती के मैच खेले हैं और उनसे भविष्य में कई बड़े रिकार्ड तोड़ने की उम्मीद है। वैभव अभी टीम इंडिया के साथ दिल्ली में अफगानिस्तान के खिलाफ 3 मैचों की टी20 सीरीज का हिस्सा हैं, हालांकि उन्हें पहले मैच में प्लेइंग इलेवन में जगह नहीं मिल पाई थी।

### भारत का एशिया कप में अभूतपूर्व दबदबा, पुरुष और महिला टीमों ने मिलकर जीती 17 ट्राफियां

**नई दिल्ली।** एशिया कप क्रिकेट टूर्नामेंट में भारतीय क्रिकेट का दबदबा सिर्फ पुरुष टीम तक ही सीमित नहीं है, बल्कि महिला टीम ने भी लगातार शानदार प्रदर्शन कर इसे और मजबूत किया है। हाल ही में 2026 में आठवीं बार महिला एशिया कप का खिताब अपने नाम करने के बाद, अगर पुरुष और महिला दोनों टीमों के एशिया कप खिताबों को एक साथ जोड़ा जाए, तो भारत के नाम कुल 17 ट्राफियां हो चुकी हैं। यह आंकड़ा बाकी सभी टीमों से काफी आगे निकल गया है और भारतीय क्रिकेट की शक्ति को दर्शाता है। पुरुष एशिया कप की बात करें तो भारत इस टूर्नामेंट का सबसे सफल देश है। भारतीय पुरुष टीम ने अब तक 9 बार एशिया कप का खिताब जीता है, जिसमें वनडे और टी20 दोनों फार्मेट की जीत शामिल हैं। श्रीलंका 6 खिताब के साथ दूसरे नंबर पर है, जबकि पाकिस्तान ने अब तक 2 बार यह प्रतिष्ठित ट्राफी जीती है। महिला क्रिकेट में भी भारत का रिकार्ड बेहद मजबूत है। 2026 के फाइनल में भारत ने श्रीलंका को 72 रन से हराकर आठवीं बार महिला एशिया कप का खिताब जीता। इस शानदार जीत के साथ भारत ने अपने महिला एशिया कप खिताबों की संख्या 8 कर ली। महिला एशिया कप में भारत के बाद श्रीलंका और बांग्लादेश का नंबर आता है, जिन्होंने 1-1 बार यह खिताब जीता है।

# वेस्टइंडीज के खिलाफ वनडे टीम में रोहित-विराट, जडेजा की वापसी

## गिल कप्तान, राहुल उपकप्तान; नमन धीर और औकीब नबी को पहली बार वनडे टीम में मौका

**नई दिल्ली।**

वेस्टइंडीज के खिलाफ तीन वनडे और पांच टी-20 मैचों की घरेलू शृंखला के लिए भारतीय टीम का ऐलान कर दिया गया है। वनडे टीम में रोहित शर्मा और विराट कोहली को बरकरार रखा गया है। शुभमन गिल कप्तान और केएल राहुल उपकप्तान होंगे। रवींद्र जडेजा की भी वनडे टीम में वापसी हुई है। वहीं, हार्दिक पंड्या और ऋषभ पंत को जगह नहीं मिली है। पंजाब के नमन धीर और जम्मू-कश्मीर के औकीब नबी को पहली बार भारतीय वनडे टीम में शामिल किया गया है।

रोहित शर्मा और विराट कोहली जुलाई में इंग्लैंड के खिलाफ वनडे शृंखला में खेले थे। अब दोनों की वेस्टइंडीज के खिलाफ वनडे टीम में वापसी हुई है। रोहित ने इंग्लैंड के खिलाफ तीसरे वनडे में लॉर्ड्स पर शतकीय पारी खेली थी, जबकि विराट ने भी शृंखला में उपयोगी पारियां खेली थीं। रोहित को वनडे में बनाए रखने को लेकर इंग्लैंड दौरे के दौरान चर्चा हुई थी, लेकिन चयनकर्ताओं ने उन्हें टीम में बरकरार रखा।

**जडेजा की वापसी, दो खिलाड़ियों को पहली बार मौका**

रवींद्र जडेजा जनवरी में न्यूजीलैंड के खिलाफ वनडे शृंखला के बाद पहली बार इस प्रारूप की टीम में लौटे हैं। वहीं नमन धीर और जम्मू-कश्मीर के तेज गेंदबाज औकीब नबी को पहली बार वनडे टीम में जगह मिली है। नबी इससे पहले भारतीय टेस्ट टीम का हिस्सा रह चुके हैं, लेकिन उन्हें अब तक अंतरराष्ट्रीय पदार्पण का मौका नहीं मिला है।

**जुरेल बैकअप विकेटकीपर**

केएल राहुल विकेटकीपर-बल्लेबाज की भूमिका भी निभाएंगे। उनके बैकअप के तौर पर ध्रुव जुरेल को वनडे टीम में शामिल किया गया है। ऋषभ पंत को वनडे टीम में जगह नहीं मिली, हालांकि उन्हें ईरानी कप के लिए रेस्ट ऑफ इंडिया का कप्तान बनाया गया है।

**टी-20 में अय्यर कप्तान, 15 साल के वैभव को मौका**

वेस्टइंडीज के खिलाफ टी-20 शृंखला में श्रेयस अय्यर कप्तान और तिलक वर्मा उपकप्तान होंगे। 15 वर्षीय वैभव सूर्यवंशी को भी टीम में बरकरार रखा गया है। मयंक यादव की भी टी-20 टीम में वापसी हुई है। भारत और वेस्टइंडीज के बीच पांच टी-20 मुकाबले 6, 9, 11, 14 और 17 अक्टूबर को क्रमशः लखनऊ, रांची, इंदौर, हैदराबाद और बेंगलुरु में होंगे।

**पहला वनडे 27 सितंबर को**

भारत और वेस्टइंडीज के बीच पहला वनडे 27 सितंबर को तिरुवनंतपुरम, दूसरा 30 सितंबर को गुवाहाटी और तीसरा 3 अक्टूबर को न्यू चंडीगढ़ में खेला जाएगा।

**जापान टी-20 और एशियाई खेलों की टीम में बदलाव**

जापान के खिलाफ 22 सितंबर को होने वाले टी-20 अंतरराष्ट्रीय मुकाबले और एशियाई खेलों की भारतीय टीम में भी बदलाव किया गया है। वरुण चक्रवर्ती साइड स्ट्रेन के कारण बाहर हो गए हैं। उनकी जगह विप्रज निगम को शामिल किया गया है।

नितीश कुमार रेड्डी, जिन्हें एशियाई खेलों की टीम में रखा गया था, अब वेस्टइंडीज के खिलाफ वनडे टीम में शामिल होंगे।

**ईरानी कप में पंत करेंगे रेस्ट ऑफ इंडिया की कप्तानी**

रणजी ट्रॉफी चैंपियन जम्मू-कश्मीर के खिलाफ ईरानी कप के लिए रेस्ट ऑफ इंडिया टीम की कप्तानी ऋषभ पंत करेंगे, जबकि सरफराज खान उपकप्तान होंगे। मुकाबला 1 से 5 अक्टूबर तक श्रीनगर के शेर-ए-कश्मीर स्टेडियम में खेला जाएगा। आकाश दीप का चयन फिटनेस मंजूरी के अधीन है।

**भारत की वनडे टीम:**

शुभमन गिल (कप्तान), रोहित शर्मा, विराट कोहली, ऋतुराज गायकवाड़, केएल राहुल (उपकप्तान), ध्रुव जुरेल, नितीश कुमार रेड्डी, रवींद्र जडेजा, कुलदीप यादव, प्रसिद्ध कृष्णा, गुरनूर बराड़, मोहम्मद सिराज, औकीब नबी, यशस्वी जायसवाल और नमन धीर।

**भारत की टी-20 टीम:**

श्रेयस अय्यर (कप्तान), अभिषेक शर्मा, वैभव सूर्यवंशी, ईशान किशन, संजू सैमसन, तिलक वर्मा (उपकप्तान), शिवम दुबे, कुलदीप यादव, अक्षर पटेल, वॉशिंगटन सुंदर, रवि बिश्नोई, नितीश कुमार रेड्डी, अर्शदीप सिंह, प्रिंस यादव और मयंक यादव।

## 30 की उम्र में गजब की फिट, जानें स्मृति मंधाना का फिटनेस रूटीन

**नई दिल्ली।** भारतीय महिला राष्ट्रीय क्रिकेट टीम की उप-कप्तान और अंतरराष्ट्रीय क्रिकेटर स्मृति मंधाना न केवल अपनी शानदार बल्लेबाजी के लिए जानी जाती हैं, बल्कि उनकी लाजवाब फिटनेस भी हमेशा चर्चा में रहती है। महज 30 साल की उम्र में अपनी गजब की फिटनेस के पीछे कोई जटिल डाइट या अत्यधिक मेहनत नहीं, बल्कि एक अनुशासित और सरल रूटीन है। स्मृति मंधाना घर का बना सिंपल खाना पसंद करती हैं और वह पूरी तरह से वेजिटेरियन हैं, खासकर लैक्टो-ओवो-वेजिटेरियन डाइट फालो करती हैं, जिसमें अनाज, फल, सब्जियां, डेयरी प्रोडक्ट्स और अंडा शामिल होते हैं, लेकिन मीट-चिकन से दूरी बनाए रखती हैं। प्रोटीन की कमी पूरी करने के लिए वह प्रोटीन शेक और अंडे का सेवन करती हैं, साथ ही खुद को हाइड्रेट रखने के लिए खूब पानी और नारियल पानी भी पीती हैं। स्मृति का मानना है कि शरीर की क्षमता बढ़ाने के लिए वर्कआउट में विविधता बेहद जरूरी है। वह हफ्ते में 6 दिन वर्कआउट करती हैं, जिसमें हर दिन कुछ अलग सेशन शामिल होता है। पैरों की मजबूती के लिए वह रोजाना रनिंग करती हैं और मांसपेशियों को मजबूत बनाने के लिए स्क्वाट्स, डेडलिफ्ट्स, लंजेस और पुल-अप्स जैसे व्यायाम करती हैं।

# एशियाई खेल 2026: जापान पहुंची भारतीय महिला क्रिकेट टीम, कोच मजूमदार ने चुनौती को लेकर जताई उत्सुकता

**टोक्यो**

हाल ही में टी20 एशिया कप का खिताब जीतने के बाद भारतीय महिला क्रिकेट टीम एशियाई खेल 2026 में अपने अभियान के लिए जापान पहुंच गई है। गत चैंपियन भारतीय टीम की नजरें हांगझोउ में 2023 में जीते स्वर्ण पदक का बचाव करने पर हैं। मुख्य कोच अमोल मजूमदार ने कहा कि टीम बहु-खेल आयोजन के माहौल का अनुभव लेने के लिए उत्साहित है।

जापान पहुंचने के बाद मजूमदार ने कहा, टीम एशियाई खेलों को लेकर उत्साहित है और बहु-खेल आयोजन के माहौल का आनंद लेने के लिए तैयार है।

मजूमदार अपने सहयोगी स्टाफ के कुछ सदस्यों के साथ सुबह की उड़ान से जापान पहुंचे। क्रांति गौड़ और श्री चरणी सहित टीम की कुछ खिलाड़ी कोचिंग स्टाफ के साथ जापान पहुंचीं, जबकि टीम की बाकी सदस्य दिन में बाद में पहुंचने वाली थीं।

मजूमदार ने कहा कि अलग-अलग खेलों के खिलाड़ियों के साथ रहना, गेम्स विलेज में समय बिताना और बहु-खेल मंच पर देश का प्रतिनिधित्व करना खिलाड़ियों के लिए एक अलग अनुभव होगा। उन्होंने कहा, बहु-खेल आयोजन का माहौल ऐसी चीज है, जिसका टीम बेसब्री से इंतजार कर रही है। हम चाहते हैं कि खिलाड़ी इस अनुभव का भी आनंद लें। उन्होंने यह भी बताया कि टीम को आवास को लेकर कोई परेशानी नहीं है।

**शानदार फार्म के साथ उतरेगी भारतीय टीम** - भारतीय टीम हाल के मुकाबलों में शानदार फार्म में रही है और इस दौरान श्री चरणी ने गेंदबाजी में अहम भूमिका निभाई है। 22 वर्षीय बाएं हाथ की स्पिनर ने टी20 एशिया कप में 12 विकेट लेकर प्रभावशाली प्रदर्शन किया।

श्री चरणी ने लगातार अच्छे प्रदर्शन के दम पर टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में केवल 30 मैचों में 50 विकेट का आंकड़ा भी पार कर लिया है। एशियाई खेलों में भारत को उनकी फार्म से काफी उम्मीदें रहेंगी।

भारत अपने अभियान की शुरुआत 18 सितंबर को मेजबान जापान के खिलाफ क्वार्टर फाइनल मुकाबले से करेगा। यह मैच निसिन के कोरोगी स्पोर्ट्स पार्क में खेला जाएगा। एशियाई खेलों की महिला क्रिकेट प्रतियोगिता में केवल आठ टीमें हिस्सा ले रही हैं और मुकाबले सीधे क्वार्टर फाइनल चरण से शुरू होंगे। ऐसे में भारतीय टीम के पास शुरुआत में लय हासिल करने के लिए ज्यादा अवसर नहीं होंगे।

# एशियन गेम्स से बाहर होने के बाद ड्रेसाज चैंपियन अनुष अग्रवाला का छलका दर्द, चयन प्रक्रिया पर उठाए गंभीर सवाल

**नई दिल्ली**

**भारत के ड्रेसाज राइडर और 2022 हांगझोउ एशियन गेम्स के ऐतिहासिक गोल्ड मेडलिस्ट अनुष अग्रवाला ने 2026 एशियन गेम्स के लिए चयन प्रक्रिया पर गंभीर सवाल उठाए हैं। टीम में जगह नहीं मिलने के बाद 25 वर्षीय अनुष ने अपनी निराशा व्यक्त करते हुए इसे खेल में मिली हार के बजाय विश्वासघात जैसा बताया है।**

अनुष, जिन्होंने 2022 में टीम गोल्ड और व्यक्तिगत ब्रान्ज मेडल जीता था और 2024 पेरिस ओलंपिक में भी भारत का प्रतिनिधित्व किया है, अब आगामी एशियन गेम्स में हिस्सा नहीं ले पाएंगे। अनुष को जून में इक्वेस्ट्रियन फेडरेशन आफ इंडिया (ईएमआई) की एडहाक कमेटी द्वारा पहली रिजर्व खिलाड़ी के रूप में चुना गया था, लेकिन अंतिम चार सदस्यीय टीम में उन्हें जगह नहीं मिली। इस पर उन्होंने अपनी नाराजगी सार्वजनिक करते हुए कहा, मैं इसलिए गहराई से आहत हूं क्योंकि मैं प्रतियोगिता में हारा नहीं, बल्कि मुझे प्रतियोगिता करने का मौका ही नहीं दिया गया।

उन्होंने आगे कहा कि यह हार से कम और विश्वासघात जैसा ज्यादा महसूस हो रहा है। उनका मानना है कि वह मैदान पर हार स्वीकार कर सकते हैं, पर बिना मौका मिले बाहर होना कष्टप्रद है।

जर्मनी में लंबे समय तक ट्रेनिंग करने वाले अनुष ने इस चयन के खिलाफ साथी रिजर्व खिलाड़ी सुदीप्ति हजेला के साथ दिल्ली हाई कोर्ट का रुख भी किया था। हालांकि, अदालत ने उनकी याचिकाओं को खारिज करते हुए कहा कि चयन प्रक्रिया निर्धारित मानदंडों के अनुसार हुई थी और इसमें मनमानी या पक्षपात नहीं मिला। इसके बाद अनुष ने ईएफआई, भारतीय ओलंपिक संघ और खेल मंत्रालय से चयन की समीक्षा करने की मांग की, लेकिन उन्हें कोई ठोस या संतोषजनक प्रतिक्रिया नहीं मिली। अनुष ने भारत में खिलाड़ियों के लिए निष्पक्ष और पारदर्शी चयन व्यवस्था की मांग की है, ताकि खिलाड़ियों के वर्षों के परिश्रम का सम्मान हो और भविष्य में किसी अन्य एथलीट को ऐसी स्थिति से न गुजरना पड़े। एशियन गेम्स से बाहर होने के बावजूद अनुष ने देश का प्रतिनिधित्व करने की अपनी प्रतिबद्धता दोहराई है।

उन्होंने बताया कि वह आखिरी क्षण तक लड़ते रहे और अब परिणाम को स्वीकार कर चुके हैं, लेकिन चयन प्रक्रिया को लेकर उनकी आपत्ति कायम है। अनुष ने कहा कि उन्हें ट्रेनिंग से थोड़े ब्रेक की जरूरत है, हालांकि वह जल्द वापसी करेंगे, क्योंकि ओलंपिक उनका अगला बड़ा लक्ष्य है। एशियन गेम्स 2026 इसी सप्ताह के अंत में शुरू होने वाले हैं, और अनुष की अनुपस्थिति भारतीय ड्रेसाज टीम के लिए एक बड़ा झटका मानी जा रही है।

# ईथेम्स टीनसीईओ चैलेंज 2026 की घोषणा

## प्रथम संस्करण में 30+ स्कूलों के 3,000 छात्रों ने भाग लिया

**हैदराबाद, 16 सितंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)।**

ईथेम्स बिजनेस स्कूल, हैदराबाद ने अपने प्रमुख कार्यक्रम ईथेम्स टीनसीईओ चैलेंज 2026 के दूसरे संस्करण की घोषणा की है। यह स्कूल और इंटरमीडिएट स्तर के छात्रों के लिए अनुभव आधारित नेतृत्व एवं व्यावसायिक प्रशिक्षण कार्यक्रम है। घोषणा खजागुडा, गाचीबाउली स्थित परिसर में आयोजित प्रेस कॉन्फ्रेंस में की गई।

कार्यक्रम का औपचारिक शुभारंभ भारतीय स्कूल ऑफ बिजनेस (आईएसबी) के पूर्व डीन और ईथेम्स के सलाहकार अजित रंगनेकर ने किया। इस अवसर पर 300 से अधिक स्कूल प्रिंसिपल, शिक्षक, शिक्षा उद्यमी, फैकल्टी सदस्य और छात्र मौजूद थे। अजित रंगनेकर ने कहा कि टीनसीईओ चैलेंज केवल प्रतियोगिता नहीं, बल्कि युवा शिक्षार्थियों के लिए जीवन बदलने वाला अनुभव हो सकता है। उन्होंने कहा, शिक्षा अब केवल विषयों का अध्ययन नहीं, बल्कि जीवन जीने का तरीका सिखाने वाली होनी चाहिए। आज शिक्षण का उद्देश्य केवल ज्ञान देना नहीं, बल्कि जीवन कौशल विकसित करना और छात्रों को भविष्य की बड़ी भूमिकाओं के लिए तैयार करना होना चाहिए। उन्होंने सरकारी स्कूलों तक कार्यक्रम का विस्तार करने और विविध पृष्ठभूमि के छात्रों को अवसर देने पर जोर दिया। उन्होंने प्रतिभागियों के लिए तैयार छात्र गाइड बुक का भी अनावरण किया।

यह कार्यक्रम कक्षा 8 से इंटरमीडिएट तक के छात्रों के लिए अंतर-स्कूल करियर-रेडीनेस पहल के रूप में तैयार किया गया है। इसमें छात्र सीईओ, सीएफओ, सीएमओ, सीटीओ और सीएचआरओ जैसी भूमिकाएं निभाते हैं, रणनीतिक निर्णय लेते हैं, समस्याएं हल करते हैं, विचार प्रस्तुत करते हैं और टीम में काम करते हैं। उद्योग विशेषज्ञों से फीडबैक भी मिलता है।

पहले संस्करण में 30 से अधिक सरकारी और निजी स्कूलों के 3,000 से अधिक छात्रों ने भाग लिया। इनमें से 300 छात्रों को फाइनल के लिए चुना गया और 12 छात्र टीन कॉरपोरेट लीडर बने। दूसरे संस्करण का फाइनल राउंड 28 नवंबर 2026 को ईथेम्स परिसर में आयोजित होगा।

लॉन्च के दौरान कैच देम यंग, ट्रेन देम हार्डभविष्य के करियर के लिए शिक्षार्थियों को तैयार करना विषय पर पैनल चर्चा भी हुई। चर्चा का संचालन काली प्रसाद गदिरजु ने किया। पैनल में दित्तकवी चक्रपाणि, अजित रंगनेकर, प्रवीण राजू, आदित्य रामनाथ और उदय पिलानी शामिल थे।

चर्चा में करियर चयन, व्यक्तित्व विकास, उद्यमिता, प्रश्न पूछने की प्रवृत्ति, उत्कृष्टता और एआई जैसे तकनीकी बदलावों के प्रभाव पर जोर दिया गया। काली प्रसाद गदिरजु ने विश्व आर्थिक मंच के अनुमानों का हवाला देते हुए कहा कि एआई से 2030 तक लगभग 92 मिलियन नौकरियां प्रभावित हो सकती हैं, लेकिन 170 मिलियन नई भूमिकाएं भी बन सकती हैं। इसलिए शिक्षा व्यवस्था को छात्रों को बदलते करियर परिदृश्य के लिए तैयार करना चाहिए।

ईथेम्स का उद्देश्य स्कूल स्तर पर ही नेतृत्व, निर्णय लेने, टीमवर्क, संचार और समस्या-समाधान कौशल विकसित करना है, ताकि छात्र उच्च शिक्षा में प्रवेश से पहले अपनी क्षमताओं और करियर मार्गों को समझ सकें।

# राजकीय डिग्री कॉलेज महिला हुसैनी आलम में हर्षोल्लास से मनाया गया हिंदी दिवस

हैदराबाद, 16 सितंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। राजकीय डिग्री कॉलेज महिला हुसैनी आलम में बुधवार को हिंदी दिवस समारोह का भव्य आयोजन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता कॉलेज के प्राचार्य प्रो. के. प्रवीण कुमार ने की। उन्होंने हिंदी भाषा के महत्व पर प्रकाश डालते हुए विद्यार्थियों को हिंदी के अध्ययन एवं प्रयोग के लिए प्रेरित किया।

कार्यक्रम की मुख्य अतिथि प्रो. डब्ल्यू. मायादेवी, अध्यक्ष, हिंदी विभाग, उस्मानिया विश्वविद्यालय, ने अपने प्रेरणादायक संबोधन में अपने जीवन-संघर्ष और उपलब्धियों को साझा किया। उन्होंने बताया कि सामान्य परिस्थितियों से आगे बढ़ते हुए शिक्षा के माध्यम से उन्होंने उच्च स्थान प्राप्त किया। उन्होंने कहा कि एक महिला के शिक्षित होने से पूरा परिवार विकसित हो सकता है। उन्होंने छात्राओं को शिक्षा को अपने जीवन की शक्ति बनाकर आगे बढ़ने का संदेश दिया।

कार्यक्रम की संयोजिका डॉ. बी. गीता जी ने समारोह का सुचारु एवं प्रभावी संचालन करते हुए विद्यार्थियों को हिंदी भाषा में उपलब्ध रोजगार के विभिन्न अवसरों की जानकारी दी। उन्होंने कहा कि हिंदी जोड़ने वाली भाषा है। हिंदी देश के विभिन्न क्षेत्रों और लोगों को आपस में जोड़ने का महत्व-पूर्ण माध्यम है। उन्होंने विद्यार्थियों से हिंदी भाषा के ज्ञान को अपने करियर के विकास में उपयोग करने का आह्वान किया।

विशिष्ट अतिथि डॉ. संगीता कोटिया ने हिंदी के महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि हिंदी के विकास के साथ-साथ हमें अपनी मातृभाषा को भी नहीं भूलना चाहिए। मातृभाषा और हिंदी दोनों हमारे ज्ञान, संस्कृति और उन्नति में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं।

इस अवसर पर डॉ. कुद्दूस ने हिंदी और उर्दू के संबंधों पर प्रकाश डालते हुए कहा कि हिंदी और उर्दू दोनों बहनों के समान हैं। उन्होंने दोनों भाषाओं के बीच प्रेम, सौहार्द और सांस्कृतिक निकटता को रेखांकित किया। हाउस जी ने हिंदी में अपना प्रभावशाली भाषण प्रस्तुत किया। आईक्यूएसी की डॉ. श्रीदेवी ने भी हिंदी भाषा के महत्व एवं उपयोगिता पर अपने विचार व्यक्त किए।

समारोह में विद्यार्थियों ने भी हिंदी के प्रति अपने विचार प्रस्तुत किए। हिंदी दिवस के उपलक्ष्य में आयोजित निबंध, भाषण, मुहावरे एवं दोहे तथा सुंदर लेखन प्रतियोगिताओं में प्रथम एवं द्वितीय स्थान प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों को पुरस्कार एवं प्रमाण-पत्र प्रदान किए गए। साथ ही विद्यार्थियों के लिए उपहार वितरण भी किया गया।

इस अवसर पर कॉलेज के अन्य अध्यापकों ने भी हिंदी भाषा के महत्व पर अपने विचार व्यक्त किए। समारोह में शिक्षकों एवं विद्यार्थियों की उत्साहपूर्ण भागीदारी रही।

कार्यक्रम ने विद्यार्थियों में हिंदी के प्रति रुचि, सम्मान और जागरूकता बढ़ाने के साथ-साथ हिंदी को रोजगार एवं करियर से जोड़ने का महत्वपूर्ण संदेश दिया।

**सनतनगर लोधा में गणेश भगवान की पूजा-अर्चना की गई। इस अवसर पर सपना गुप्ता ने सभी का स्वागत किया। मुख्य अतिथि सीरडी साईं बाबा के प्रधान उमेश जोशी, इंडोमेंट कन्वीनर सूर्य प्रकाश, जिला कन्वीनर मनदीप एवं सह-कन्वीनर सपना सहित, लोधा अध्यक्ष सुब्रमण्यम, उपाध्यक्ष वीनू, सचिव श्रीधर, अंकित, रचना, चैतन्य, दयानंद, पवन, माधवी, मुरली, श्याम व अन्य उपस्थित रहे।**

**श्री रामदेव बाबा मित्र मंडल, गोशामहल-बेगम बाजार की ओर से सात गुढ़ी मंदिर से शिवरामपल्ली स्थित बाबा रामदेवजी के दरबार तक अखंड ज्योत के साथ भव्य शोभायात्रा निकाली गई। ढोल-बाजे, भजन एवं नृत्य के साथ बच्चों, महिलाओं, बुजुर्गों सहित बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। पूरे मार्ग में भक्तिमय वातावरण बना रहा।**

**तोपखाना स्थित अन्नपूर्णा अपार्टमेंट में श्री गणेशजी के दर्शन करते हुए भाजपा नेता सतीश जाजू, आनंद बोहरा, किरण हुंडिया, पीयूष जैन, राजेंद्र मेहता एवं दीपेश भंडारी सहित अन्य।**

**राजस्थान भवन में मारवाड़ी नवयुवक गणेश मंडल के गणेश उत्सव में निजामाबाद पुलिस आयुक्त साई चैतन्य, सहायक पुलिस आयुक्त प्रकाश एवं प्रथम नगर थाना प्रभारी रघुपति ने गणेशजी के दर्शन कर पूजा-अर्चना एवं आरती की। इस अवसर पर संयोजक सतीश व्यास व श्याम तिवारी ने माला पहनाकर स्वागत किया। साथ में राजस्थानी सेवा समाज के मंत्री प्रवीण व्यास, श्याम अग्रवाल, वल्लभ सारडा, जुगल किशोर पांडे, रोशन बोहरा, उदय उपाध्याय एवं मुन्नालाल जोशी।**

**बाल गणेश मंडल डरा टावरी सदन, इसामिया बाजार में गणेशजी के साथ 12 ज्योतिर्लिंगों के दर्शन।**

## प्रथम पृष्ठ का शेष...

### कोर्ट...

हालांकि, छोटे कारोबारियों और कम मूल्य वाले लेनदेन को बढ़ावा देने के लिए प्रोत्साहन व्यवस्था जारी रखने की जरूरत भी बताई गई थी।

सरकार और भुगतान क्षेत्र से जुड़े पक्षों के अनुसार नया व्यापारी छूट दर ढांचा भुगतान व्यवस्था के बुनियादी ढांचे, साइबर सुरक्षा और तकनीकी विकास के लिए टिकाऊ वित्तीय व्यवस्था तैयार करने के उद्देश्य से लाया गया है। शुल्क व्यापारी से लिया जाना है, ग्राहक से नहीं। व्यक्ति-से-व्यक्ति लेनदेन और 2,000 तक के व्यक्ति-से-व्यापारी लेनदेन पर व्यापारी छूट दर नहीं लगेगी।

**राहुल गांधी ने बताया यूपीआई कर**

राहुल गांधी ने नए शुल्क ढांचे की आलोचना करते हुए इसे 'यूपीआई कर' बताया और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर अमेरिकी दबाव में काम करने का आरोप लगाया। सरकार ने इन आरोपों को खारिज किया है और कहा है कि शुल्क ग्राहक पर नहीं लगाया जा रहा तथा इसका उद्देश्य यूपीआई व्यवस्था के लिए दीर्घकालिक वित्तीय ढांचा तैयार करना है।

सुप्रीम कोर्ट में दायर जनहित याचिका में केंद्र सरकार, भारतीय रिजर्व बैंक, भारतीय राष्ट्रीय भुगतान निगम और यूपीआई एवं सेवा संचालन समिति को पक्षकार बनाया गया है। याचिकाकर्ता ने नए ढांचे पर फैसला होने तक इसके क्रियान्वयन पर रोक लगाने की भी मांग की है। मामला फिलहाल न्यायालय के विचाराधीन है।

### 10 दोषियों ...

उन्होंने चैतू उर्फ श्याम दादा, रूपेश उर्फ मोल्ला राजिरेड्डी, निर्मला उर्फ सुमित्रा और भूपति उर्फ सोनू दादा सहित आत्मसमर्पण कर चुके कुछ नक्सली नेताओं से झीरम मामले में पूछताछ को लेकर भी सवाल उठाए।

कांग्रेस ने हमले के पीछे कथित राजनीतिक षड्यंत्र की जांच, परिवर्तन यात्रा की सुरक्षा व्यवस्था में बदलाव, योजना किस स्तर पर तैयार हुई तथा घायल और जीवित बचे लोगों के बयानों सहित तत्कालीन मुख्यमंत्री, गृहमंत्री, वरिष्ठ प्रशासनिक एवं पुलिस अधिकारियों की भूमिका की विस्तृत जांच की मांग दोहराई।

**101 गवाहों के बयान दर्ज**

अभियोजन पक्ष के वकील ने कहा कि अदालत आरोपों के आधार पर नहीं, बल्कि साक्ष्यों के आधार पर फैसला करती है। राष्ट्रीय अन्वेषण अभिकरण की ओर से प्रस्तुत दस्तावेजों को अदालत ने सही पाया और मामले में 101 गवाहों के बयान दर्ज किए गए। अभियोजन के अनुसार मामले में 11 लोगों को पकड़ा गया था, जिनमें से एक की सुनवाई के दौरान मृत्यु हो गई और शेष 10 दोषियों को मृत्युदंड सुनाया गया।

दोषी कोसा के ममेरे भाई ने फैसले पर सवाल उठाते हुए कहा कि कोसा नक्सली नहीं था और गिरफ्तारी के समय वह घर में खाना बना रहा था। परिवार को फैसले की जानकारी दी गई है और वकील ने 30 दिन के भीतर उच्च न्यायालय में अपील की बात कही है।

**जांच दो स्तरों पर चली**

झीरम घाटी हमले की जांच राष्ट्रीय अन्वेषण अभिकरण के अलावा न्यायिक आयोग के स्तर पर भी चली। वर्ष 2013 में तत्कालीन भाजपा सरकार ने न्यायमूर्ति प्रशांत कुमार मिश्रा की अध्यक्षता में जांच आयोग गठित किया था। आयोग ने वर्ष 2021 में करीब 4,184 पृष्ठ की रिपोर्ट राज्यपाल को सौंपी। बाद में आयोग का पुनर्गठन किया गया, लेकिन वर्ष 2022 में छत्तीसगढ़ उच्च न्यायालय ने उसके कामकाज पर आगामी आदेश तक रोक लगा दी। इस प्रकार मामले की जांच एक ओर राष्ट्रीय अन्वेषण अभिकरण के स्तर पर आगे बढ़ी, वहीं न्यायिक आयोग की प्रक्रिया कानूनी कार्यवाही में उलझी रही।

### भारत-पाक...

भारत ने मौजूदा घटना के संदर्भ में इसी समझौते के अनुच्छेद 10 का उल्लेख किया है, जिसके तहत दोनों देशों के नौसैनिक जहाजों के बीच अंतरराष्ट्रीय जलक्षेत्र में कम से कम तीन समुद्री मील की दूरी बनाए रखने का प्रावधान बताया गया है। मौजूदा घटना को लेकर दोनों देशों ने एक-दूसरे के दावों को खारिज करते हुए राजनयिक विरोध दर्ज कराया है। भारतीय पक्ष ने भविष्य में ऐसी घटनाओं की पुनरावृत्ति रोकने के लिए समुद्र में सैन्य इकाइयों द्वारा सावधानी बरतने और द्विपक्षीय समझौतों का पालन करने पर जोर दिया है।

### चीन-पाकिस्तान...

विदेश मंत्रालय ने कहा कि भारतीय क्षेत्रों से संबंधित चीन और पाकिस्तान के बीच किसी भी तरह का तथाकथित सीमा सहयोग पूरी तरह अस्वीकार्य है और ऐसी किसी व्यवस्था का भारत की संप्रभुता तथा क्षेत्रीय अखंडता पर कोई प्रभाव नहीं पड़ेगा।

मंत्रालय ने पाकिस्तान से ऐसे कदमों के बजाय उसके कब्जे वाले भारतीय क्षेत्रों को खाली करने को कहा।

भारत की यह प्रतिक्रिया पाकिस्तान-चीन सीमा संयुक्त आयोग की पहली बैठक के बाद आई है। आयोग को लेकर भारत ने दोहराया कि भारतीय क्षेत्रों से संबंधित किसी भी व्यवस्था में पाकिस्तान की कोई वैधानिक भूमिका स्वीकार्य नहीं है।

# केबीआर पार्क में इच्छापूर्ति गणेशजी की पूजा का तीसरा दिन धूमधाम से मनाया

**हैदराबाद, 16 सितंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)।**

के.बी.आर. पार्क में इच्छापूर्ति गणेशजी की पूजा के तीसरे दिन श्रद्धालुओं ने बड़ी धूमधाम और भक्तिभाव के साथ पूजा-अर्चना की। इस अवसर पर बड़ी संख्या में भक्तों ने भगवान गणेशजी के दर्शन कर पूजा में भाग लिया।

बुधवार की पूजा के यजमानों में नील सुंदर, विभा अग्रवाल, प्रवीण अग्रवाल, नारायण काकानी, रोहित अग्रवाल, संजय गुप्ता, कृष्णा अग्रवाल, राज रेड्डी, बी. एस. रेड्डी, अजीता कृष्णा, सुदर्शन रेड्डी, माया उमेश अग्रवाल तथा विजय कुमार अग्रवाल (अधिवक्ता) शामिल रहे।

पूजा के बाद श्रद्धालुओं के लिए प्रसाद की व्यवस्था की गई। आज के प्रसाद में मूंगदाल हलवा एवं गरमागरम आलूबड़ा भक्तों को वितरित किया गया, जिसे सभी ने श्रद्धा के साथ ग्रहण किया।

पूजा में भाग लेने वाले भक्तों में राजेंद्र कुमार अग्रवाल, सुरेंद्र कुमार अग्रवाल, गोपाल बलदवा, विठ्ठलदास अग्रवाल, प्रमोद कुमार सराइवाला, अशोक लखोटिया, अशोक सराइवाला, के. एस. आर. मूर्ति, राहुल सिंघल, सुरेश कुमार (सीए), पवन अग्रवाल, राधा कृष्णा गरु, विजया, संध्या रानी, विभा अग्रवाल, माया अग्रवाल एवं अन्य भक्तगण शामिल रहे।

सभी श्रद्धालुओं ने भक्तिभाव के साथ भगवान इच्छापूर्ति गणेशजी की पूजा-अर्चना कर आशीर्वाद प्राप्त किया।

## निज़ामाबाद जिला माहेश्वरी सभा के चुनाव संपन्न

# प्रादेशिक सभा के 4 सदस्य और अखिल भारतीय महासभा के 1 प्रतिनिधि सर्वसम्मति से चुने गए

निज़ामाबाद , 16 सितंबर (शुभ लाभ ब्यूरो) निज़ामाबाद जिला माहेश्वरी सभा के तत्वावधान में प्रादेशिक सभा और अखिल भारतीय माहेश्वरी महासभा के प्रतिनिधियों का चुनाव सफलतापूर्वक संपन्न हुआ। 13 सितंबर 2026 को आयोजित इस चुनावी कार्यक्रम का शुभारंभ भगवान महेश की पूजा-अर्चना और भव्य आरती के साथ हुआ।

यह संपूर्ण चुनाव प्रक्रिया निज़ामाबाद जिला सभा के मुख्य चुनाव अधिकारी चंद्र प्रकाश मोदानी, सह-चुनाव अधिकारी किशोर कुमार मालू, अशोक कुमार मालू और महेश जाजू के कुशल नेतृत्व व देखरेख में संपन्न कराई गई।

चुनाव परिणाम व नवनिर्वाचित प्रतिनिधि:

प्रादेशिक सभा (4 सदस्य): श्रीराम जाजू, नन्द किशोर मालू, विनय कुमार सोनी और रमेश कुमार राठी को सर्वसम्मति से चुना गया।

अखिल भारतीय माहेश्वरी महासभा (1 प्रतिनिधि): रमेश कुमार डालिया को प्रतिनिधि के रूप में चुना गया।

सम्मान समारोह एवं विचार: चुनाव प्रक्रिया पूरी होने के बाद चुनाव अधिकारियों और निज़ामाबाद जिला माहेश्वरी सभा के पदाधिकारियों द्वारा सभी विजयी प्रत्याशियों का शाल ओढ़ाकर भव्य स्वागत व सम्मान किया गया। इस अवसर पर नवनिर्वाचित प्रतिनिधि रमेश कुमार डालिया ने अपने विचार व्यक्त करते हुए समाज का आभार जताया।

विशेष उपस्थिति एवं सहयोग: इस कार्यक्रम में निज़ामाबाद जिला सभा के अध्यक्ष बालकिशन बंग, उपाध्यक्ष गोपाल बजाज, मंत्री बालकिशन लोया, संगठन मंत्री संतोष कुमार लोया, उपमंत्री व चुनाव सहयोगी महेश कुमार जाजू, कोषाध्यक्ष सीताराम जाजू, गोवर्धन सारदा, गोपीकिशन बजाज, वल्लभ सारदा, बालाजी तोषनीवाल सहित समाज के कई गणमान्य सदस्य उपस्थित रहे।

कार्यक्रम को सफल बनाने में माहेश्वरी युवा संगठन का सराहनीय सहयोग रहा। माहेश्वरी चैरिटेबल ट्रस्ट द्वारा भवन उपलब्ध कराने हेतु आभार व्यक्त करने के बाद धन्यवाद ज्ञापित कर सभा का विश्राम हुआ।

**गौलीगुड़ा में जय वीर एसोसिएशन की ओर से स्थापित गणेश मंडप में गणेश जी की पूजा-अर्चना में उपस्थित पदाधिकारी एवं सदस्य।**

BOOK YOUR DISPLAY CLASSIFIED ADVERTISEMENTS AT
Timings : 9 am to 7 pm
Head office
SHREE SIDDIVINAYAK PUBLICATIONS,
Plot No. A-23/5 & 6 2nd Floor,
APIE, Balanagar, Hyderabad - 500 037
City office
SHREE SIDDIVINAYAK PUBLICATIONS,
Plot No. A-23/5 & 6 2nd Floor,
APIE, Balanagar,
Hyderabad - 500 037
8688868345

शुभ लाभ
म्हारो भाग्यनगर
दैनिक हिन्दी शुभ लाभ, हैदराबाद, गुरुवार, 17 सितंबर , 2026

शुभ लाभ
आपकी सेवा में
शुभ लाभ से जुड़ी किसी भी समस्या या सुझाव के लिए मो. 86888 68345 पर संपर्क करें ।

### क्षमापना कार्यक्रम के साथ सिकंदराबाद में अपूर्व उल्लास से पर्युषण महापर्व संपन्न

# पर्युषण का नवनीत है- क्षमा : मुनि दीप कुमार

**हैदराबाद, 16 सितंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)।**

सिकंदराबाद के डायमंड पॉइंट स्थित राजा राजेश्वरी गार्डन में युगप्रधान आचार्यश्री महाश्रमणजी के सुशिष्य मुनिश्री दीप कुमारजी ठाणा-2 के सान्निध्य में पर्वाधिराज पर्युषण महापर्व की आध्यात्मिक यात्रा का समापन क्षमापना कार्यक्रम के साथ हुआ। जैन श्वेतांबर तेरापंथी सभा, सिकंदराबाद डरा आयोजित इस कार्यक्रम में बड़ी संख्या में श्रावक-श्राविकाओं ने उत्साह एवं उल्लास के साथ सहभागिता की तथा परस्पर खमतखामणा करते हुए मैत्री, क्षमा और आत्मशुद्धि का संदेश आत्मसात किया।

**आठ दिनों की साधना का नवनीत है क्षमा**

राजेन्द्र बोथरा द्वारा जारी विज्ञप्ति के अनुसार, आठ दिनों तक चले पर्युषण महापर्व में विविध आध्यात्मिक आराधनाओं, तपस्या, पौषध, स्वाध्याय, सामायिक, जप, ध्यान, प्रतिक्रमण एवं व्रत चेतना के माध्यम से श्रद्धालुओं ने आत्मसाधना की। महापर्व की संपन्नता के अवसर पर वातावरण में जहां एक ओर पर्व की पूर्णता का उल्लास था, वहीं दूसरी ओर क्षमा एवं आत्मविश्लेषण की भावपूर्ण अनुभूति भी दिखाई दी।

पर्युषण के दौरान महिलाओं में 234 एवं भाइयों में 144 पौषध हुए। इस प्रकार कुल 378 पौषध हुए। पर्युषण महापर्व के दौरान पचरंगी तप का भी आयोजन हुआ तथा 8 एवं 9 की तपस्याएं भी अच्छी संख्या में हुईं। तपस्यारत भाई-बहनों ने उत्साहपूर्वक आराधना करते हुए पर्युषण की साधना को सार्थक बनाया।

क्षमापना कार्यक्रम में मुनिश्री दीप कुमारजी ने कहा, आठ दिनों तक पर्युषण महापर्व की आराधना की। आज उसका सार निकालने का दिन है। जैसे बिलौना किया जाता है तो उससे नवनीत निकलता है, वैसे ही इन आठ दिनों में जो आत्मा का मंथन किया, उसका नवनीत क्षमा है।

मुनिश्री ने कहा कि पर्युषण के आठ दिन केवल धार्मिक क्रियाओं को करने के दिन नहीं हैं, बल्कि स्वयं को देखने, अपनी भूलों को पहचानने और आत्मा पर लगे कर्मों के आवरण को हल्का करने का अवसर हैं। व्यक्ति ने इन दिनों में कितना सामायिक किया, कितना तप किया, कितना स्वाध्याय कियायह महत्वपूर्ण है, लेकिन उससे भी महत्वपूर्ण यह है कि इन साधनाओं से उसके जीवन में कितना परिवर्तन आया। उन्होंने कहा कि यदि पर्युषण के बाद हमारे भीतर क्रोध थोड़ा कम हो जाए, अहंकार थोड़ा झुक जाए, माया और लोभ पर थोड़ा अंकुश आ जाए तथा दूसरों के प्रति मैत्री और क्षमा का भाव बढ़ जाए, तो पर्युषण की साधना सार्थक मानी जा सकती है।

**क्षमापना औपचारिकता नहीं, आत्मशुद्धि का अवसर**

मुनिश्री ने भगवान महावीर के संदेश को स्मरण कराते हुए कहा कि सबके प्रति मैत्री का भाव रखना चाहिए। क्षमापना केवल एक औपचारिकता नहीं है, बल्कि यह अपने भीतर से वैर और विरोध को निकालने का अवसर है। उन्होंने उपस्थित सभी श्रावक-श्राविकाओं को परस्पर खमतखामणा करने की प्रेरणा दी।

मुनिश्री ने कहा कि जीवन में भूल होना स्वाभाविक है, लेकिन अपनी भूल को स्वीकार करना और उसके लिए क्षमा मांगना व्यक्ति के आत्मबल का परिचय है। क्षमा मांगने से व्यक्ति छोटा नहीं होता, बल्कि उसका मन हल्का होता है।

उन्होंने कहा कि कई बार व्यक्ति के पास दूसरे को क्षमा करने की शक्ति तो होती है, लेकिन स्वयं अपनी गलती स्वीकार करने का साहस नहीं होता। संवत्सरी और क्षमापना हमें इसी अहंकार को छोड़ने की प्रेरणा देती है।

उन्होंने कहा कि क्षमा संबंधों को जोड़ने वाली शक्ति है। जहां क्षमा है वहां मैत्री है, जहां मैत्री है वहां शांति है और जहां शांति है वहां आध्यात्मिक विकास का मार्ग प्रशस्त होता है।

मुनिश्री दीप कुमारजी ने कहा कि इस अवसर पर क्षमा के सागर आचार्यप्रवर से हम खमतखामणा करते हैं। उन्होंने कहा कि वे महान हैं और हमें क्षमा प्रदान करेंगे। इसी भाव के साथ उन्होंने युवाचार्यश्री महावीर कुमारजी आदि संतों तथा साध्वीप्रमुखाजी आदि साध्वीवृंद से भी खमतखामणा किया।

मुनिश्री ने तेरापंथ सभा, सिकंदराबाद द्वारा किए जा रहे कार्यों के प्रति प्रसन्नता व्यक्त की तथा समाज की विभिन्न संस्थाओं के कार्यकर्ताओं एवं पदाधिकारियों का नामोल्लेख करते हुए उनके प्रति भी खमतखामणा किया।

उन्होंने सभी श्रावक-श्राविकाओं एवं पूरे समाज से खमतखामणा करते हुए कहा कि जाने-अनजाने में किसी के प्रति मन, वचन या काया से कोई प्रमाद या भूल हुई हो तो उसके लिए वे क्षमा चाहते हैं।

मुनिश्री ने अपनी सहवर्ती संत मुनिश्री काव्य कुमारजी से भी खमतखामणा करते हुए आत्मीय भाव से कहा, इनसे सबसे ज्यादा काम पड़ता है। इस सहज एवं आत्मीय कथन ने वातावरण में मुस्कान और अपनत्व का भाव पैदा कर दिया।

**क्षमा को जीवन का स्थायी हिस्सा बनाने का संदेश**

सहवर्ती संत मुनिश्री काव्य कुमारजी ने भी खमतखामणा के अवसर पर अपने विचार व्यक्त किए। उन्होंने क्षमा को आत्मशुद्धि, मैत्री और संबंधों की मधुरता का माध्यम बताते हुए कहा कि क्षमापना का भाव केवल आज तक सीमित न रहे, बल्कि हमारे व्यवहार का स्थायी हिस्सा बने।

उन्होंने कहा कि क्षमा का वास्तविक अर्थ तभी है जब मन में किसी के प्रति गांठ न रहे। पर्युषण हमें बाहरी आडंबर से भीतर की निर्मलता की ओर ले जाने वाला पर्व है और क्षमापना उस साधना की सुंदर परिणति है।

कार्यक्रम में तेरापंथी सभा सिकंदराबाद के अध्यक्ष सुशीलजी संचेती, सभा मंत्री हेमंतजी संचेती, तेरापंथ महिला मंडल अध्यक्षा नमिताजी सिंघी, तेरापंथ युवक परिषद अध्यक्ष विनोदजी दुगड़, तेरापंथ प्रोफेशनल फोरम के अध्यक्ष ऋषभजी लुणिया, अणुव्रत समिति मंत्री रीताजी सुराणा, तेरापंथ वेलफेयर सोसाइटी के चेयरमैन बाबूलालजी बैद, अभातेयुप उपाध्यक्ष अभिनंदनजी नाहटा, अभाटीपीएफ के उपाध्यक्ष नरेशजी कठौतिया, ज्ञानशाला की ओर से संगीताजी गोलछा, बिहार सेवा की ओर से प्रेमसुखजी बैंगानी, राजकुमारजी बोकाड़िया आदि ने क्षमापना के अवसर पर अपने विचार व्यक्त किए। कार्यक्रम का कुशल संचालन तेरापंथी महासभा के क्षेत्रीय प्रभारी लक्ष्मीपतजी बैद ने किया।

आठ दिनों तक चले इस आध्यात्मिक आयोजन में प्रतिदिन बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं की उपस्थिति रही। प्रवचन, सामायिक, जप, ध्यान, तपस्या, पौषध और प्रतिक्रमण जैसे विविध आध्यात्मिक उपक्रमों के माध्यम से श्रद्धालुओं ने पर्युषण को केवल मनाया नहीं, बल्कि उसे साधना एवं आत्मपरिवर्तन के रूप में जीने का प्रयास किया।

सैदाबाद में श्री विघ्नेश्वर युवा एसोसिएशन द्वारा स्थापित श्री गणेश प्रतिमा के दर्शन करते श्रद्धालु।

# रसूलपुरा जैन मंदिर में पारणा पंचम एवं द्वार उद्घाटन संपन्न

### लाभार्थी परिवार एवं आंगी महिला मंडल का संघ की ओर से किया गया बहुमान

**हैदराबाद, 16 सितंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)।**

रसूलपुरा स्थित जैन मंदिर में पारणा पंचम एवं द्वार उद्घाटन का आयोजन श्रद्धा एवं भक्तिभाव के साथ संपन्न हुआ। इस अवसर पर आयोजन के लाभार्थी श्रीमती नेहा-अर्पण जैन एवं ललित बाफना का संघ की ओर से बहुमान किया गया।

जैन रत्न रमेश पी. तातेड ने बताया कि कार्यक्रम के दौरान वीरसैनिक का भी बहुमान किया गया। इस अवसर पर संघ अध्यक्ष निर्मल कोठारी, मंत्री सुधीर कोठारी, रमेश पी. तातेड सहित सभी ट्रस्टीगण एवं मंडल के सदस्य उपस्थित रहे। संघ की ओर से आंगी महिला मंडल का भी बहुमान किया गया।

कार्यक्रम में संघ के सभी सदस्यों ने साता पूर्वक पारणा किया। धार्मिक आयोजन के दौरान श्रद्धालुओं ने उत्साह एवं भक्तिभाव के साथ सहभागिता की।

इस अवसर पर संवत्सरी प्रतिक्रमण एवं मिच्छामि दुक्कडम् का आयोजन भी श्रद्धा एवं भक्तिभाव के साथ किया गया। श्रद्धालुओं ने धार्मिक अनुष्ठान में भाग लेकर आत्मशुद्धि एवं क्षमायाचना का संदेश दिया।

# सेवा के माध्यम से समाज की जिम्मेदारी निभा रहा राधे-राधे ग्रुप : डॉ. राहुल अग्रवाल

हैदराबाद। राधे-राधे ग्रुप हैदराबाद के तत्वावधान में नामपल्ली स्थित पब्लिक गार्डन पिलर नंबर 1265 के पास बुधवार को नियमित अन्नदान कार्यक्रम का आयोजन किया गया। नियमित सेवा कार्यक्रम में बड़ी संख्या में जरूरतमंदों को अन्नदान किया गया। इस अवसर पर केयर हॉस्पिटल, बंजारा हिल्स के वैस्कुलर सर्जन एवं जेसीआई हैदराबाद डेक्कन के सेक्रेटरी डॉ. राहुल अग्रवाल विशेष रूप से उपस्थित रहे। उन्होंने राधे-राधे ग्रुप हैदराबाद की ओर से निरंतर किए जा रहे सेवा कार्यों की सराहना करते हुए कहा कि समाज के प्रति अपनी जिम्मेदारियों को जिस प्रकार यह ग्रुप लगातार निभा रहा है, वह अनुकरणीय है।

डॉ. राहुल अग्रवाल ने कहा कि समाज केवल व्यक्तियों के समूह का नाम नहीं है, बल्कि आपसी सहयोग, संवेदना और जिम्मेदारी से समाज का निर्माण होता है। प्रत्येक व्यक्ति का नैतिक दायित्व है कि वह अपनी क्षमता के अनुसार समाज के लिए कुछ न कुछ करे। किसी जरूरतमंद के चेहरे पर मुस्कान लाने, किसी भूखे व्यक्ति को भोजन कराने और किसी असहाय व्यक्ति की सहायता करने से बड़ा मानवता का कार्य कोई दूसरा नहीं हो सकता।

उन्होंने कहा कि आज के समय में जब हर व्यक्ति अपने कार्य और व्यस्तताओं में लगा हुआ है, ऐसे समय में सेवा के लिए समय निकालना अपने आप में महत्वपूर्ण है। राधे-राधे ग्रुप जिस नियमितता के साथ अन्नदान सहित विभिन्न सामाजिक सेवा गतिविधियों को आगे बढ़ा रहा है, उससे समाज में सेवा और सहयोग की भावना को प्रेरणा मिलती है। उन्होंने कहा कि सेवा कार्यों में निरंतरता सबसे महत्वपूर्ण है और राधे-राधे ग्रुप इस दिशा में सराहनीय प्रयास कर रहा है।

डॉ. राहुल अग्रवाल ने कहा कि जेस-ीआई भी सामाजिक कार्यों से जुड़ी हुई संस्था है और समाज के विभिन्न क्षेत्रों में लोगों को जागरूक करने तथा सेवा गतिविधियों को बढ़ावा देने का प्रयास करती है। ऐसे में राधे-राधे ग्रुप हैदराबाद द्वारा किए जा रहे कार्यों को देखकर प्रसन्नता होती है। उन्होंने कहा कि समाज में जब अलग-अलग संस्थाएं और संगठन मिलकर मानव सेवा के कार्यों को आगे बढ़ाते हैं तो उसका सकारात्मक प्रभाव व्यापक स्तर पर दिखाई देता है।

उन्होंने कहा कि अन्नदान भारतीय संस्कृति में सेवा और करुणा की एक महत्वपूर्ण परंपरा रही है। भोजन केवल शरीर की आवश्यकता पूरी नहीं करता, बल्कि अन्नदान के पीछे अपनापन, संवेदना और मानवता का भाव भी जुड़ा होता है। राधे-राधे ग्रुप द्वारा नियमित रूप से जरूरतमंदों तक भोजन पहुंचाना समाज के प्रति जिम्मेदारी की भावना को मजबूत करने वाला कार्य है।

इस अवसर पर राधे-राधे ग्रुप हैदराबाद की ओर से डॉ. राहुल अग्रवाल का आत्मीय स्वागत एवं सम्मान किया गया। ग्रुप के सदस्यों ने उन्हें सेवा कार्यक्रम में पहुंचने और अपने प्रेरणादायक विचार साझा करने के लिए धन्यवाद दिया। डॉ. राहुल अग्रवाल ने भी सेवा कार्य में जुटे सदस्यों से मुलाकात कर उनके प्रयासों की सराहना की तथा भविष्य में भी इसी प्रकार सामाजिक गतिविधियों को निरंतर आगे बढ़ाने की शुभकामनाएं दीं।

कार्यक्रम में राम प्रकाश अग्रवाल, सुनीता अग्रवाल, महेश गुप्ता, सुशील गुप्ता, मनीष गुप्ता, निशा गुप्ता, संजय गोयल, किरण गोयल, भाकर राम कुमावत, सुरेश सिंघल, जय प्रकाश सारड़ा, कैलाश केडिया, निर्मला केडिया, प्रीतिका अग्रवाल, भगत राम गोयल, मनीष चिंडालिया, जगन गुप्ता सहित राधे-राधे ग्रुप हैदराबाद के अनेक सदस्य उपस्थित रहे। सभी ने मिलकर नियमित अन्नदान सेवा को सफल बनाया और सेवा, समर्पण एवं सहयोग की भावना को आगे बढ़ाया।

# श्री जगन्नाथ प्रभु का गणेश स्वरूप

हैदराबाद, 16 सितंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। अद्वैत एसोसिएशन, मलाकपेट की ओर से 23वें वर्ष में श्री जगन्नाथ प्रभु की भव्य झांकी का आयोजन किया जा रहा है। संस्था की ओर से 23 वर्षों की आस्था, परंपरा और भक्ति के शुभ अवसर पर भगवान श्री जगन्नाथ प्रभु की भव्य एवं आकर्षक झांकी विशेष आकर्षण का केंद्र रहेगी।झांकी में एक दिन भगवान श्री जगन्नाथ प्रभु को श्री गणेश स्वरूप में विशेष रूप से सजाया जाएगा। भगवान जगन्नाथ प्रभु के इस अद्भुत एवं दिव्य स्वरूप के दर्शन श्रद्धालुओं के लिए विशेष आध्यात्मिक एवं धार्मिक अनुभव का अवसर प्रदान करेंगे।आयोजन के दौरान श्री जगन्नाथ प्रभु के दिव्य दर्शन के साथ भव्य एवं आकर्षक सजावट तथा पारंपरिक धार्मिक एवं सांस्कृतिक प्रस्तुतियां भी विशेष आकर्षण रहेंगी। अद्वैत एसोसिएशन की ओर से श्रद्धालुओं से परिवार सहित पधारकर श्री जगन्नाथ प्रभु के दर्शन करने और उनका आशीर्वाद प्राप्त करने का आग्रह किया गया है। अद्वैत एसोसिएशन, मलाकपेट द्वारा 23वें वर्ष के शुभ अवसर पर आयोजित यह भव्य झांकी आस्था, भक्ति और धार्मिक परंपरा के साथ-साथ सांस्कृतिक विरासत का भी संदेश देगी।

भगवान गणेशजी की पूजा-अर्चना करते हुए प्रिशा, आरना, अथर्व एवं ह्वदान चांडक।

शुभ लाभ DAILY खबरें जो सोच बदल दे हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

# रेवंत ने केसीआर पर 1 लाख करोड़ के भूमि घोटाले का आरोप लगाते हुए जांच के आदेश दिए

**हैदराबाद, 16 सितंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)।** तेलंगाना के मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी ने विधानसभा में भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) के नेतृत्व पर तीखा हमला बोलते हुए पूर्व मुख्यमंत्री के. चंद्रशेखर राव (केसीआर) के एर्रावल्ली स्थित फार्म हाउस की 30 दिन की जांच की घोषणा की। उन्होंने आरोप लगाया कि इस फार्म हाउस में बड़ी मात्रा में सरकारी भूमि पर अतिक्रमण किया गया है।

रेड्डी ने एस्टेट के पैमाने पर पूर्ण पारदर्शिता की मांग करते हुए पूछा कि क्या केसीआर के पास वहां 700 एकड़ भूमि है और पूर्व सरकार ने यह क्यों छिपाया कि इसमें से 388 एकड़ सरकारी भूमि बताई जाती है। उन्होंने वादा किया कि बरामद की गई किसी भी सार्वजनिक भूमि को गरीबों में पुनर्वितरित किया जाएगा।

**कल्वकुंतला परिवार पर भूमि संचय के आरोप**

मुख्यमंत्री ने कल्वकुंतला परिवार द्वारा व्यवस्थित भूमि संचय का विस्तार से जिक्र करते हुए विभिन्न क्षेत्रों में उनकी विशिष्ट जोत का ब्योरा दिया:

केसीआर का परिवार: 67.5 एकड़
के.टी. रामाराव (केटीआर): 123 एकड़
टी. हरीश राव: 30 एकड़
के. कविता: 37 एकड़
जे. संतोष राव: 79 एकड़
नवीन राव: 52 एकड़
कोंडल राव: 48 एकड़

कुल मिलाकर रेड्डी ने दावा किया कि कल्वकुंतला परिवार 9 जिलों के 24 मंडलों के 31 गांवों में फैली 439 एकड़ भूमि पर नियंत्रण रखता है। उन्होंने बताया कि भूमि सीमा कानून एक परिवार को अधिकतम 27 एकड़ गीली भूमि या 54 एकड़ सूखी भूमि रखने की अनुमति देता है, जबकि केसीआर की अधिकांश भूमि प्रमुख गीली भूमि है।

**अन्य बीआरएस नेताओं पर भी आरोप**

अपने आरोपों का दायरा बढ़ाते हुए मुख्यमंत्री ने कई प्रमुख बीआरएस नेताओं के नाम लिए और मंत्रियों तथा विधायकों पर अज़ीज़नगर, जानवाड़ा और अन्य महत्वपूर्ण क्षेत्रों में असाइन की गई, इनाम तथा सरकारी भूमि हासिल करने का आरोप लगाया। उन्होंने यह भी कहा कि 50 करोड़ की संपत्तियों को नाममात्र राशि पर नियमित कर दिया गया।

**एसआईटी गठित करने और शिकायत निवारण का ऐलान**

इस व्यापक मुद्दे से निपटने के लिए रेड्डी ने घोषणा की कि राज्य सरकार धरनी पोर्टल की आड़ में किए गए 1 लाख करोड़ के भूमि घोटाले का पर्दाफाश करने के लिए एक विशेष जांच दल (एसआईटी) का गठन करेगी।

उन्होंने वादा किया कि एक उच्च-शक्ति अधिकारी समिति एक सप्ताह के भीतर धारा 22ए प्रतिबंधित भूमि से जुड़ी जनशिकायतों के समाधान और एचएमडीए, जीएचएमसी तथा डीटीसीपी क्षेत्रों में लंबित लेआउट अनुमतियों को साफ करने के लिए व्यापक दिशानिर्देश जारी करेगी।

# संगारेड्डी में गणेश विसर्जन के दौरान अनाथालय के 6 बच्चों की डूबकर मृत्यु

**संगारेड्डी, 16 सितंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)।** बुधवार को पाटनचेरू मंडल के पेड्डाकंजरला गांव के बाहरी इलाके में स्थित एक तालाब में गणेश मूर्ति विसर्जन के दौरान एक अनाथालय के छह बच्चों की डूबकर मृत्यु हो गई।

मृतक सभी नाबालिग थे और इंद्रेशम नगरपालिका सीमा के अंतर्गत स्थित सिरीषा अनाथालय में रह रहे थे। वे स्थानीय लोगों और अनाथालय के अन्य बच्चों के साथ विसर्जन में भाग लेने गए थे। पुलिस के अनुसार, बच्चे तालाब के किनारे गहरे पानी में फिसल गए। वे तैरना नहीं जानते थे और वहां मौजूद लोगों के शोर मचाने के बावजूद पानी में डूब गए।स्थानीय लोगों और मंदिर समिति के सदस्यों ने उन्हें बचाने की कोशिश की। बाद में सभी छह बच्चों के शव बरामद कर लिए गए। सूचना मिलने के बाद पाटनचेरू पुलिस मौके पर पहुंची और क्षेत्र को सुरक्षित कर लिया। शवों को पोस्टमॉर्टम के लिए सरकारी अस्पताल के मेऑर्सीश में शिफ्ट किया गया।

पुलिस ने मामला दर्ज कर डूबने की परिस्थितियों और विसर्जन स्थल पर सुरक्षा व्यवस्था की जांच शुरू कर दी है।

**राज्यपाल ने जताया दुख, सुरक्षा का दिया आह्वान**

तेलंगाना के राज्यपाल शिव प्रताप शुक्ला ने बुधवार को पाटनचेरू मंडल के पेड्डाकंजरला गांव में गणेश विसर्जन के दौरान स्थानीय अनाथालय के छह बच्चों की डूबकर हुई मृत्यु पर गहरा दुख व्यक्त किया।राज्यपाल ने शोकसंतप्त परिवारों और देखभाल करने वालों के प्रति संवेदना व्यक्त की तथा इस क्षति को सहन करने के लिए उन्हें शक्ति प्रदान करने की प्रार्थना की। उन्होंने भक्तों, आयोजकों और आम लोगों से विसर्जन के दौरान सुरक्षा उपायों का पालन करने तथा बच्चों को गहरे या अपरिचित जल स्रोतों से दूर रखने का आग्रह किया। राज्यपाल ने स्थानीय प्रशासन, पुलिस और उत्सव समितियों से विसर्जन स्थलों पर सुरक्षा सुनिश्चित करने को कहा, जिसमें बैरिकेडिंग, रोशनी, निगरानी और आपातकालीन बचाव व्यवस्था शामिल है।

# केसीआर के एर्रावल्ली फार्म हाउस का निरीक्षण करेगी फैक्ट-फाइंडिंग टीम: रेवंत रेड्डी

हैदराबाद। मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी ने बुधवार को सिद्दीपेट जिला कलेक्टर और राजस्व विभाग को पूर्व मुख्यमंत्री के. चंद्रशेखर राव (केसीआर) के एर्रावल्ली स्थित फार्म हाउस में फैक्ट-फाइंडिंग टीम भेजने का आदेश दिया। उन्होंने जांच करने को कहा कि इसमें 388 एकड़ सरकारी भूमि पर अतिक्रमण हुआ है या नहीं। जिला कलेक्टर को केसीआर को नोटिस जारी करने का निर्देश दिया गया।

तेलंगाना विधानसभा में धारा 22ए प्रतिबंधित भूमि से जुड़े मुद्दे पर बोलते हुए उन्होंने कहा कि टीम को 30 दिनों में जांच पूरी करनी होगी ताकि यह पता चल सके कि केसीआर के पास 700 एकड़ का फार्म हाउस है या नहीं और उसमें सरकारी भूमि कितनी है। उन्होंने सवाल किया कि केसीआर ने अपने फार्म हाउस में 388 एकड़ सरकारी भूमि होने की बात क्यों नहीं कही।

**दलित परिवारों को बांटी जाएगी सरकारी भूमि**

मुख्यमंत्री ने घोषणा की कि फार्म हाउस में मौजूद सरकारी भूमि को 800 दलित परिवारों को आधा-आधा एकड़ बांटा जाएगा। उन्होंने जिले के प्रभारी मंत्री जी. विवेक वेंकटस्वामी से कहा कि वे सुनिश्चित करें कि जांच निर्धारित समय में पूरी हो और दलित परिवारों को न्याय मिले।

रेवंत रेड्डी ने साफ किया कि सरकारी भूमि पर अतिक्रमण करने वाले किसी भी व्यक्ति को नहीं छोड़ा जाएगा। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार गरीबों को न्याय दिलाने के लिए प्रतिबद्ध है और बताया कि पिछली बीआरएस सरकार ने धरनी पोर्टल का इस्तेमाल कर कई एकड़ भूमि हासिल की।

**बीआरएस पर विधानसभा बाधित करने का आरोप**

मुख्यमंत्री ने कहा कि कांग्रेस सरकार भूमि मुद्दे पर विधानसभा में उनका पर्दाफाश करेगी, यह जानकर बीआरएस विधायकों ने अपनी अकड़ के साथ विधानसभा भवन के बाहर मुद्दा खड़ा कर दिया। उन्होंने आश्वासन दिया कि अगले बजट सत्र में बीआरएस शासन के दुष्कर्मों का पर्दाफाश करेंगे।

रेवंत रेड्डी ने विपक्षी बीआरएस पर विधानसभा सत्र बाधित करने का आरोप लगाते हुए कहा कि विपक्ष ने सत्र रोकने की साजिश रची क्योंकि उन्हें डर था कि भूमि मुद्दों पर बहस के दौरान उनके दुष्कर्म सामने आ जाएंगे।

बुधवार को विधानसभा में धारा 22ए प्रतिबंधित सूची पर बहस के दौरान उन्होंने बीआरएस पर आरोप लगाया कि उन्होंने सदन में हंगामा किया क्योंकि उन्हें डर था कि सरकारी भूमि की लूट, फीस प्रतिपूर्ति, सूखे की स्थिति और कुछ व्यक्तियों द्वारा किए गए तांत्रिक अनुष्ठान जैसे मुद्दे चर्चा में आ जाएंगे।

**स्पीकर का सम्मान और महिलाओं पर जोर**

रेवंत रेड्डी ने बीआरएस सदस्यों पर स्पीकर का समर्थन न करने के लिए तीखा हमला बोला। उन्होंने कहा कि विपक्षी सदस्यों ने स्पीकर पर गालियां बरसाने के बावजूद स्पीकर ने उन्हें अनुमति दी थी। बीआरएस विधायकों ने पुलिस पर मौखिक गालियां दीं, अर्ध-नग्न विरोध प्रदर्शन किया और स्पीकर का अपमान तक किया।

स्पीकर ने उन्हें सत्र में शामिल होने की अनुमति इसलिए दी थी कि वे स्पीकर से माफी मांगकर जनता के मुद्दों पर बहस में भाग लेंगे। इसके बजाय बीआरएस विधायकों ने सदन में हंगामा किया और स्पीकर को उन्हें निलंबित करने के लिए मजबूर होना पड़ा।

मुख्यमंत्री ने कहा, सदस्यों के लिए स्पीकर का सम्मान एक परंपरा है। स्पीकर ही सदन में प्रत्येक सदस्य के अधिकारों की रक्षा करता है। उन्होंने बताया कि सदन की कार्यवाही के संचालन से संबंधित कुछ नियम पिछली सरकार ने ही बनाए थे। स्पीकर ने उन्हीं नियमों के अनुसार निर्देश जारी किए और पुलिस ने गेट नंबर 3 पर स्पीकर के निर्देशों को लागू किया।

रेवंत रेड्डी ने विपक्षी नेताओं के उस दावे पर आपत्ति जताई जिसमें कहा गया था कि राहुल गांधी संसद में काली टी-शर्ट पहनकर गए थे। उन्होंने कहा कि लोकसभा स्पीकर ने संसद में ऐसे नियम लागू नहीं किए। यदि स्पीकर ने नारे वाली टी-शर्ट पहनकर प्रवेश पर रोक लगाने के आदेश जारी किए होते तो वे उनका पालन करते।

मुख्यमंत्री ने अपनी सरकार में महिलाओं को दिए गए महत्व को रेखांकित करते हुए कहा, हमारी सरकार महिलाओं के स्वाभिमान की रक्षा करने का संकल्प लिया है और एक करोड़ महिलाओं को करोड़पति बनाने का लक्ष्य रखा है।

# भाजपा अल्पसंख्यक मोर्चा की राज्य समिति की बैठक संपन्न

## सेवा संकल्प अभियान के तहत आज से 17 अक्टूबर तक विभिन्न सेवा कार्यक्रम आयोजित करने की रूपरेखा तैयार

**हैदराबाद, 16 सितंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)।** भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) अल्पसंख्यक मोर्चा, तेलंगाना की राज्य समिति की बैठक हेवन हिल्स, कडताल में 'सेवा संकल्प अभियानमानव सेवा ही माधव सेवा' के अंतर्गत सफलतापूर्वक आयोजित की गई।

बैठक को भाजपा अल्पसंख्यक मोर्चा, तेलंगाना के प्रदेश अध्यक्ष श्री एस.डी. जगमोहन सिंह ने संबोधित किया। उन्होंने 17 सितंबर से 17 अक्टूबर तक आयोजित किए जाने वाले विभिन्न सेवा कार्यक्रमों की रूपरेखा प्रस्तुत की तथा सेवा, सामाजिक जिम्मेदारी और जनभागीदारी पर विशेष जोर दिया।

**'आशीर्वाद का दिया' पहल में भाग लेने का आह्वान**

अपने संबोधन में श्री एस.डी. जगमोहन सिंह ने सभी प्रदेश पदाधिकारियों से प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के जन्मदिवस के अवसर पर 'आशीर्वाद का दियाएक दीपक जलाएं' पहल में सक्रिय रूप से भाग लेने का आह्वान किया। साथ ही निम्नलिखित सेवा गतिविधियों को व्यापक स्तर पर आयोजित करने का आह्वान किया गया

-एक पेड़ मां के नामवृक्षारोपण अभियान
-रक्तदान शिविर
-नेत्र जांच शिविर
-आंगनवाड़ी केंद्रों के लिए सहयोग एवं सेवा गतिविधियां
-गरीब एवं जरूरतमंद लोगों को भोजन वितरण
-स्वच्छ भारत अभियान से संबंधित गतिविधियां
-अन्नदान कार्यक्रम
-25 जरूरतमंद विद्यार्थियों को शैक्षणिक सहयोग, जिसमें उनकी पढ़ाई की जिम्मेदारी लेना भी शामिल है।

**सेवा गतिविधियों के प्रभावी क्रियान्वयन पर चर्चा**

बैठक में तेलंगाना के विभिन्न क्षेत्रों में इन सेवा कार्यक्रमों की योजना, समन्वय और प्रभावी क्रियान्वयन को लेकर विस्तार से चर्चा की गई। जनभागीदारी को बढ़ावा देने तथा सेवा गतिविधियों को समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाने पर विशेष ध्यान दिया गया।

श्री एस.डी. जगमोहन सिंह ने कहा कि सामूहिक प्रयास, समर्पण और जमीनी स्तर पर सक्रिय भागीदारी के माध्यम से सेवा संकल्प अभियान को सार्थक, समावेशी और प्रभावी बनाया जा सकता है।

**ये प्रमुख पदाधिकारी रहे उपस्थित**

बैठक में प्रमुख रूप से श्री राजनिश जैन, महासचिव; श्री हरप्रीत सिंह गुलाटी, महासचिव तथा श्री शाहजहां, उपाध्यक्ष उपस्थित रहे।

इसके अलावा तेलंगाना भाजपा अल्पसंख्यक मोर्चा के अन्य प्रदेश पदाधिकारी एवं राज्य समिति के सदस्य भी उपस्थित रहे।सभी प्रदेश पदाधिकारियों की सक्रिय भागीदारी, बहुमूल्य सुझाव और समर्पित सहयोग सेवा संकल्प अभियान को पूरे तेलंगाना में सफलतापूर्वक क्रियान्वित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे।

# राजभाषा सचिव अंशुली आर्या का मुंबई में सम्मान

## हिंदी दिवस एवं छठे अखिल भारतीय राजभाषा सम्मेलन में एस. गैबुवली के नेतृत्व में प्रतिनिधिमंडल ने किया सम्मानित

**मुंबई, 16 सितंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)।** केंद्रीय गृह मंत्रालय के राजभाषा विभाग की ओर से मुंबई के सिडको प्रदर्शनी एवं अधिवेशन केंद्र में हिंदी दिवस-2026 एवं छठे अखिल भारतीय राजभाषा सम्मेलन का दो दिवसीय आयोजन धूमधाम से किया गया। 14 और 15 सितंबर को आयोजित इस सम्मेलन में केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। कार्यक्रम में महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस, उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे एवं सुनेत्रा पवार, केंद्रीय गृह राज्य मंत्री नित्यानंद राय एवं बंडी संजय कुमार सहित सांसद, विधायक, वरिष्ठ अधिकारी, हिंदी विद्वान एवं विभिन्न विभागों के राजभाषा अधिकारी उपस्थित रहे।

हिंदी दिवस एवं राजभाषा सम्मेलन के सफल आयोजन तथा राजभाषा के क्षेत्र में उनके कार्यों के लिए 30 सितंबर को सेवानिवृत्त होने जा रहीं गृह मंत्रालय के राजभाषा विभाग की सचिव अंशुली आर्या को सम्मानित किया गया। हिंदी सेवा सदन के संस्थापक एवं प्रधान सचिव तथा हिंदी प्रचार सभा हैदराबाद के प्रधानमंत्री, केंद्रीय सहकारिता एवं पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय की हिंदी सलाहकार समिति के सदस्य एस. गैबुवली और हिंदी प्रचार सभा हैदराबाद के अध्यक्ष प्रो. चंद्रदेव कवडे के नेतृत्व में प्रतिनिधिमंडल ने उन्हें शॉल ओढ़ाकर, हार पहनाकर एवं स्मृति-चिह्न प्रदान कर सम्मानित किया।

एस. गैबुवली ने कहा कि अंशुली आर्या ने बिहार राज्य के विभिन्न जिलों में जिलाधिकारी तथा राज्य के विभिन्न विभागों में सचिव के रूप में कार्य किया। इसके अलावा उन्होंने केंद्र सरकार के विभिन्न विभागों में निदेशक के रूप में भी जिम्मेदारियां संभालीं। राजभाषा विभाग की सचिव के रूप में उन्होंने विभिन्न हिंदी संवर्धन कार्यक्रमों का आयोजन करते हुए सरकारी विभागों, बैंकों के साथ-साथ आम लोगों तक हिंदी को पहुंचाने के प्रयास किए।एस. गैबुवली ने कहा कि अंशुली आर्या ने हिंदी को रोजगार और तकनीक से जोड़ने की दिशा में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। विभागीय कार्यकर्ताओं के बीच समन्वय स्थापित कर योजनाओं और कार्यक्रमों को प्रभावी ढंग से आगे बढ़ाना उनकी विशेषता रही है।

राजभाषा विभाग की ओर से आयोजित इस वर्ष के सम्मेलन में हिंदी के विकास, भारतीय भाषाओं के बीच समन्वय, अनुवाद, साहित्य और तकनीक के क्षेत्र में हिंदी के उपयोग सहित विभिन्न विषयों पर चर्चा हुई। सम्मेलन में 32 प्रदर्शनी कक्षों के माध्यम से विभिन्न संस्थानों, बैंकों और मंत्रालयों के कार्यों एवं पहलों को भी प्रदर्शित किया गया।

इस अवसर पर राजभाषा विभाग के मुख्य कार्यकारी अधिकारी कांताराव, संयुक्त निदेशक के. राजेश श्रीवास्तव, हिंदी प्रचार सभा हैदराबाद के अध्यक्ष एवं केंद्रीय प्रसंस्करण उद्योग मंत्रालय की हिंदी सलाहकार समिति के सदस्य प्रो. चंद्रदेव कवडे, परीक्षा मंत्री प्रो. सुरेश पुरी, कोषाध्यक्ष गिरिधर राव, विशेष अधिकारी एवं केंद्रीय कोयला मंत्रालय की हिंदी सलाहकार समिति के सदस्य श्रुतिकांत भारती, सदस्य एवं इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय की हिंदी सलाहकार समिति के सदस्य प्रो. गोविंद बुरसे, प्रबंधक शिवा, अधिवक्ता जे. वेंकटराम नरसिंहा रेड्डी, महाराष्ट्र हिंदी प्रचार सभा के मंत्री नारायण वाकले तथा अन्य सदस्य उपस्थित रहे।गौरतलब है कि राजभाषा विभाग के अनुसार छठे अखिल भारतीय राजभाषा सम्मेलन का उद्देश्य राजभाषा हिंदी के विकास के साथ भारतीय भाषाओं के बीच समन्वय, संवाद और सहभागिता को और मजबूत करना है।

# बंडारु दत्तात्रेय ने हैदराबाद मुक्ति दिवस पर प्रदर्शनी का उद्घाटन किया

**हैदराबाद, 16 सितंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)।** पूर्व राज्यपाल श्री बंडारु दत्तात्रेय मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए और सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय के केंद्रीय संचार ब्यूरो द्वारा आयोजित प्रदर्शनी का उद्घाटन किया। यह कार्यक्रम 16 सितंबर 2026 को हैदराबाद मुक्ति दिवस समारोह के अवसर पर सिकंदराबाद के परेड ग्राउंड्स में आयोजित हुआ।इस अवसर पर पूर्व एमएलसी एवं राज्य भाजपा अध्यक्ष श्री एन. रामचंदर राव, सांसद श्री एटाला राजेंदर, पूर्व विधायक श्री चिंतला रामचंद्र रेड्डी, राज्य भाजपा महासचिव डॉ. एन. गौतम राव, हैदराबाद विमोचन समिति के संयोजक श्री नेल्ली श्रीवर्धन रेड्डी, कैंटोनमेंट बोर्ड सदस्य श्रीमती भानुका नर्मदा, पूर्व कॉरपोरेटर श्रीमती कोन्थम दीपिका, डॉ. कासम वेंकटेश्वरलू, डॉ. एस. प्रकाश रेड्डी, श्री पी.एल. श्रीनिवास, संयुक्त सचिव श्री समर नंदा, केंद्रीय संचार ब्यूरो की एडीजी श्रीमती श्रुति पाटिल तथा अन्य गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, सम्पादक गोपाल अग्रवाल द्वारा श्री शेषसाई इंटरप्राइजेज प्लॉट नंबर. 98/1, को-ऑपरेटिव इंडस्ट्रीयल एस्टेट, गांधी नगर, बालानगर के पास मेडचेल-मल्काजगिरि जिला. हैदराबाद 500037, तेलंगाना स्टेट से मुद्रित तथा प्लॉट नं. ए-23/5 तथा 6, दूसरा माला, ओपीआईई, बालानगर, हैदराबाद, मेडचल मलकाजगिरी जिला, तेलंगाना राज्य-500037 से प्रकाशित। आर. एन. आई रजिस्टर्ड नं. TELHIN/2019/78163, फोन नं. 040-29551811. E-mail : dailyshubhlabh@gmail.com.